free PDF & Notes - Click NOW

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स कृत

BIHAR RURAL LIVELIHOODS PROMOTION SOCIETY- BRLPS

बिहार जीविका

कम्युनिटी को-ऑर्डिनेटर एवं एरिया को-ऑर्डिनेटर

COMMUNITY CO-ORDINATOR & AREA CO-ORDINATOR

अध्ययन सामग्री एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रधान सम्पादक

Anand K. Mahajan

लेखन सहयोग

परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण, चरन सिंह एवं पंकज कुशवाहा

संपादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने आर.ए. सिक्योरिटी प्रिंटर्स, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन प्रा.लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।

₹ 795/-

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

free PDF & Notes - Click NOW

विषय सूची

■ **पुरस्कार एवं सम्मान (राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय)....5-13**

- अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार....5
- राष्ट्रीय पुरस्कार....7
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न....10

■ **महत्वपूर्ण योजनायें (सरकारी योजनायें एवं कार्यक्रम).... 14-31**

- परीक्षा उपयोगी प्रश्न....27

■ **आधुनिक भारत का इतिहास.... 32-95**

- यूरोपीय कंपनियों का आगमन....32
- ब्रिटिश शक्ति का विस्तार....34
- बंगाल के गवर्नर जनरल....36
- ब्रिटिश शासन की प्रशासनिक नीतियाँ....43
- ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियाँ....45
- 1857 का विद्रोह....46
- सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन....49
- कृषक मजदूर एवं जनजातीय आन्दोलन....52
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना एवं योगदान....53
- बंगाल विभाजन (1905 ई.)....56
- सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं गोलमेज सम्मेलन....62
- आजाद हिन्द फौज....67
- संविधान सभा का चुनाव....69
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न....70

■ **राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठन....96-114**

- संयुक्त राष्ट्र....96
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न....106

■ **विज्ञान और प्रौद्योगिकी....115-162**

- प्रारम्भिक भौतिक विज्ञान....115
- प्रारम्भिक रसायन विज्ञान....121
- प्रारम्भिक जीव विज्ञान....126
- परीक्षा उपयोगी प्रश्न....154

free PDF & Notes - Click NOW

■ **खेल.........163-180**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........173

■ **कम्प्यूटर दक्षता परीक्षण.........181-218**

◘ कम्प्यूटर का परिचय.........181

◘ कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा युक्तियों के नाम.........183

◘ आपरेटिंग सिस्टम के मूल सिद्धांत.........187

◘ एम.एस. आफिस.........193

◘ की-बोर्ड शार्टकट और उनके उपयोग.........200

◘ महत्वपूर्ण कम्प्यूटर शब्दावली और संक्षिप्ताक्षार.........202

◘ कम्प्यूटर नेटवर्क.........206

◘ साइबर सुरक्षा.........209

◘ इंटरनेट.........214

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........216

■ **विशलेषणात्मक तर्कशक्ति.........219-233**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........226

■ **अंकगणितीय तर्कशक्ति 234-264**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........245

■ **वर्गीकरण 265-269**

■ **आंकड़ों की पर्याप्तता.........270-289**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........273

■ **मात्रात्मक अभिक्षमता.........290-354**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........293

■ **मिलान अवधारणा.........355-361**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........357

■ **ग्रामीण विकास की समझ.........362-377**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........367

■ **गरीबी उन्मूलन के लिए प्रमुख सरकारी योजनाएँ और उनकी विशेषताएँ.........378-432**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........

■ **सामुदायिक संस्थाओं (स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन, संकुल स्तरीय संघ) के बारे में समझ 433-451**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........441

■ **बुनियादी बहीखाता पद्धति और वित्तीय साक्षरता 452-477**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........462

■ **आजीविका संवर्धन 478-496**

◘ परीक्षा उपयोगी प्रश्न.........482

free PDF & Notes - Click NOW

पाठ्यक्रम

सामुदायिक समन्वयक

1 - ग्रामीण विकास की समझ

* ग्रामीण विकास की अवधारणा और परिभाषा
* ग्रामीण विकास पहलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
* ग्रामीण अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ
* पंचायती राज संस्थाएँ और विकास में उनकी भूमिका

2 - गरीबी उन्मूलन के लिए प्रमुख सरकारी योजनाएँ और उनकी विशेषताएँ

* केंद्र सरकार की योजनाएँ:
* महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)
* दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)
* प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G)
* प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)
* राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP)
* PM-किसान (प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि)
* राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)
* केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ
* केंद्र सरकार की अन्य योजनाएँ
* राज्य सरकार की योजनाएँ (बिहार):
* जीविका - बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी और उसकी पहल
* सतत जीविकोपार्जन योजना (एसजेवाई) - बिहार का अति-गरीब स्नातक दृष्टिकोण
* कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) - बिहार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत युवाओं को कौशल प्रदान करना
* मुख्यमंत्री उद्यमी योजना - ग्रामीण उद्यमियों के लिए सहायता
* मुख्यमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (एमएवाई-जी) - पीएमएवाई-जी के अंतर्गत शामिल न होने वाले बीपीएल परिवारों के लिए
* राज्य सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ (बिहार)
* राज्य सरकार की अन्य योजनाएँ (बिहार)

3- सामुदायिक संस्थाओं (स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन, क्लस्टर स्तरीय संघ) के बारे में समझ

* स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के तत्व
* उच्च स्तरीय संघों (ग्राम संगठन और क्लस्टर स्तरीय संघ) के तत्व
* एसएचजी बैंक लिंकेज का महत्व - ग्रामीण क्षेत्र में प्रचलित विभिन्न वित्तीय उत्पाद
* बीमा और डिजिटल वित्तपोषण मॉडल

4 - आजीविका संवर्धन

* कृषि-आधारित आजीविकाएँ: कृषि, बागवानी, पशुधन और उनकी विशेषताएँ
* गैर-कृषि और गैर-कृषि आजीविकाएँ और उनकी विशेषताएं

क्षेत्र समन्वयक

1 ग्रामीण विकास की समझ

* ग्रामीण विकास की अवधारणा और परिभाषा
* ग्रामीण विकास पहलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
* ग्रामीण अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ
* पंचायती राज संस्थाएँ और विकास में उनकी भूमिका
* सहकारिता और उनका महत्व

2 गरीबी उन्मूलन के लिए प्रमुख सरकारी योजनाएँ और उनकी विशेषताएँ

* केंद्र सरकार की योजनाएँ:
* महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)
* दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)
* प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G)
* प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)
* राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP)
* PM-किसान (प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि)
* राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)
* केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ
* केंद्र सरकार की अन्य योजनाएँ
* राज्य सरकार की योजनाएँ (बिहार):
* जीविका - बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी और उसकी पहल
* सतत जीविकोपार्जन योजना (एसजेवाई) - बिहार का अति-गरीब स्नातक दृष्टिकोण
* कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) - बिहार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत युवाओं को कौशल प्रदान करना
* मुख्यमंत्री उद्यमी योजना - ग्रामीण उद्यमियों के लिए सहायता
* मुख्यमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (मई-जून) - पीएमएवाई-जी के अंतर्गत शामिल नहीं होने वाले बीपीएल परिवारों के लिए
* राज्य सरकार (बिहार) की औद्योगिक नीतियाँ
* राज्य सरकार (बिहार) की सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ
* राज्य सरकार (बिहार) की अन्य योजनाएँ

3 सामुदायिक संस्थाओं (स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन, संकुल स्तरीय संघ) के बारे में समझ

* स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के तत्व
* उच्च स्तरीय संघों (ग्राम संगठन और संकुल स्तरीय संघ) के तत्व
* एसएचजी बैंक लिंकेज का महत्व - ग्रामीण क्षेत्र में प्रचलित विभिन्न वित्तीय उत्पाद
* बीमा और डिजिटल वित्तपोषण मॉडल

4 बुनियादी बहीखाता पद्धति और वित्तीय साक्षरता

* बहीखाता पद्धति के तत्व स्वयं सहायता समूह/स्व-सहायता समूह/स्व-सहायता समूह स्तर – कैशबुक, खाता बही, बैठक रजिस्टर आदि।
* ऋण और बचत की मूल बातें
* बजट और व्यय ट्रैकिंग

5 आजीविका संवर्धन

* कृषि-आधारित आजीविकाएँ: कृषि, बागवानी, पशुधन और उनकी विशेषताएँ
* गैर-कृषि और गैर-कृषि आजीविकाएँ और उनकी विशेषताएँ
* मूल्य श्रृंखला और बाजार संबंध और उनकी विशेषताएँ

free PDF & Notes - Click NOW

1. पुरस्कार एवं सम्मान (राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय)
Award and Honours (National & International)

(1) अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

नोबेल पुरस्कार

- नोबेल पुरस्कार की स्थापना स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल ने की थी।
- अल्फ्रेड नोबेल का जन्म 1833 ई. में स्वीडन के स्टॉकहोम में हुआ था। उन्होंने 1866 ई. में नाइट्रोग्लिसरीन का उपयोग करके 'डायनामाइट' का अविष्कार किया। 10 दिसंबर, 1896 को इटली के सैनरेमो में उनकी मृत्यु हुई।
- मृत्यु से पूर्व 1895 ई. में उन्होंने अपने वसीयतनामा में लिखा की उनकी संपत्ति का अधिकांश हिस्सा उन लोगों को पुरस्कार देने में किया जाए, जिन्होंने भौतिकी, रसायन, चिकित्सा, साहित्य और शांति के क्षेत्र में मानवता के लिए उत्कृष्ट योगदान दिया हो।
- इस पुरस्कार को प्रदान करते समय, राष्ट्रीयता पर कोई विचार नहीं किया जाता है। यह पुरस्कार सबसे योग्य व्यक्ति को दिया जाता है, चाहे वे स्कैंडिनेवियाई हो या नहीं।
- यह पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल द्वारा छोड़ी गई संपत्ति पर मिलने वाले ब्याज से प्रदान की जाती है।
- पहले नोबेल पुरस्कार पांच क्षेत्रों (भौतिकी, रसायन, चिकित्सा, साहित्य और शांति) में ही प्रदान किये जाते थे। वर्ष 1968 में स्वेरिजेश रिक्सबैंक (स्वीडन का केन्द्रीय बैंक) ने अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार की स्थापना की।
- पहला नोबेल पुरस्कार वर्ष 1901 में प्रदान किया गया।
- नोबेल पुरस्कार का वितरण प्रतिवर्ष अल्फ्रेड नोबेल की पुण्य तिथि '10 दिसंबर' को किया जाता है।
- भौतिकी, रसायन और अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता का चयन 'रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ सांइसेज' द्वारा किया जाता है।
- चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार विजेता का चयन 'कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट' द्वारा किया जाता है।
- साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता का चयन 'स्वीडिश अकादमी' द्वारा किया जाता है।
- शांति के नोबेल पुरस्कार विजेता का चयन नार्वेजियन संसद (स्टोर्टिंग) द्वारा चुनी गई पांच व्यक्तियों की समिति द्वारा किया जाता है।
- प्रत्येक क्षेत्र में अधिकतम तीन लोगों को नोबेल पुरस्कार प्रदान किया जा सकता है। प्रत्येक नोबेल पुरस्कार विजेता को नोबेल पुरस्कार पदक, नोबेल पुरस्कार डिप्लोमा एवं पुरस्कार राशि (10 मिलियन स्वीडिश क्रोनर) प्रदान की जाती है।
- शांति का नोबेल पुरस्कार किसी संगठन को भी प्रदान किया जा सकता है। 'इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रास' को 3 बार (1917,1944 व 1963 में) नोबेल का शांति पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- मलाला युसुफजई (पाकिस्तान) ने सबसे कम उम्र (17वर्ष) में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने वर्ष 2014 में शांति का नोबेल पुरस्कार जीता था।
- लॉरेंस ब्रैग (ऑस्ट्रेलिया) सबसे कम उम्र (25 वर्ष) में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुरूष हैं, उन्होंने वर्ष 2015 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जीता था।
- जॉन बी गुडएनफ (यूएसए) ने सबसे अधिक उम्र (97 वर्ष) में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया, इन्होंने वर्ष 2019 में रसायन का नोबेल पुरस्कार जीता था।
- अभी तक केवल दो व्यक्तियों को मरणोपरांत नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एरिक एक्सल कार्ल फेल्ट (साहित्य में नोबेल पुरस्कार,1931) और डैग हैमरस्क जोल्ड (शांति का नोबेल पुरस्कार, 1961) मरणोपरांत नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ता हैं
- एलिनोर ओस्ट्रॉम (यू एस ए) अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार (वर्ष 2009) प्राप्त करने वाली पहली महिला हैं।

एकाधिक नोबेल पुरस्कार विजेता

पुरस्कार प्राप्तकर्ता	क्षेत्र
जान वार्डीन (यूएसए)	भौतिकी (1956, 1972)
मैडम क्यूरी (पोलैंड-फ्रांस)	भौतिकी (1903), रसायन (1911)
एल पॉलिंग (यूएसए)	रसायन (1954) शांति (1962)
एफ सेंगर (यूके)	रसायन (1958,1980)
इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेडक्रास (ICRC)	शांति (1917,1944,1963)
यू एन एच सी आर (UNHCR)	शांति (1954,1981)

- इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रास (ICRC) के संस्थापक हेनरी ड्यूनेंट को 1901 में प्रथम 'शांति के नोबेल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।

नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ता (भारतीय)

क्रम सं.	प्राप्तकर्ता	वर्ष	क्षेत्र
1.	रवीन्द्रनाथ टैगोर	1913	साहित्य
2.	सी. वी. रमन	1930	भौतिकी (रमन प्रभाव के लिए)
3.	हरगोविंद खुराना	1968	चिकित्सा (कृत्रिम जीन के संश्लेषण के लिए)
4.	मदर टेरेसा	1979	शांति
5.	सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर	1983	भौतिकी (चन्द्रशेखर सीमा के लिए)
6.	अमर्त्य सेन	1998	अर्थशास्त्र (कल्याणकारी अर्थशास्त्र के लिए)

free PDF & Notes - Click NOW

7.	वी. एस. नायपॉल	2001	साहित्य
8.	वेंकटरमण रामकृष्णन	2009	रसायन (राइबोसोम की संरचना और कार्यप्रणाली की खोज के लिए)
9.	कैलाश सत्यार्थी	2014	शांति
10.	अभिजीत बनर्जी	2019	अर्थशास्त्र (वैश्विक गरीबी को कम करने के लिए उनके प्रयोगात्मक दृष्टिकोण हेतु)

- महात्मा गांधी को पांच बार (1937, 1938, 1939, 1947 और 1948) नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया था लेकिन उन्हें यह पुरस्कार नहीं प्राप्त हुआ।

ऑस्कर पुरस्कार (एकेडमी अवॉर्ड्स)

- यह पुरस्कार 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रदान किया जाता है। यह फिल्म जगत का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।
- प्रथम ऑस्कर पुरस्कार वर्ष 1929 में प्रदान किया गया।

सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में नामांकन के लिए भेजी गई प्रमुख भारतीय फिल्में

वर्ष	नामांकन के लिए भेजी गई फिल्म	परिणाम स्थिति
1957	मदर इंडिया (ऑस्कर में नामित प्रथम भारतीय फिल्म)	नामित
1988	सलाम बॉम्बे	नामित
2001	लगान	नामित
2019	गली बॉय	नामित नहीं
2020	जलीकट्टू	नामित नहीं
2021	पेबल्स	नामित नहीं

- महबूब खाँ द्वारा निर्देशित 'मदर इंडिया' सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म के लिए नामित होने वाली प्रथम भारतीय फिल्म थी ।
- भानु अथैया प्रथम भारतीय हैं जिन्हें ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन्होंने 55वें ऑस्कर पुरस्कार 1983 में गांधी फिल्म (1982) में रिचर्ड एटनबेरो की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग के लिए यह पुरस्कार जीता था।
- सत्यजीत रे पहले भारतीय है जिन्हें 64वें ऑस्कर पुरस्कार 1992 में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए मानद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित भारतीय फिल्म हस्तियाँ

सम्मानित भारतीय	संबंधित समारोह	श्रेणी	संबंधित फिल्म
भानू अथैया	55वां ऑस्कर 1983	बेस्ट कास्ट्यूम डिजाइन	गांधी (1982)
रेसुल पुकुट्टी	81वां ऑस्कर 2009	बेस्ट साउंड मिक्सिंग	स्लमडॉग मिलियनेयर (2008)
गुलजार	81वां ऑस्कर 2009	बेस्ट म्यूजिक ओरिजिनल सांग (जय हो गीत के लिए)	स्लमडॉग मिलियनेयर (2008)
ए. आर. रहमान	81वां ऑस्कर 2009	बेस्ट म्यूजिक ओरिजिनल स्कोर और बेस्ट म्यूजिक ओरिजिनल सांग	स्लमडॉग मिलियनेयर (2008)
एम.एम. कीरावानी एवं चन्द्रबोस	95वां ऑस्कर 2023	बेस्ट म्यूजिक ओरिजिनल सांग (नाटू-नाटू गीत के लिए)	आर.आर. आर. (2022)
कार्तिकी गोंजल्विस एवं गुनीत मोंगा	95वां ऑस्कर 2023	बेस्ट डाक्युमेंटरी शार्ट फिल्म	एलिफेंट व्हिस्पर्स (2022)

- सत्यजीत रे को 64वाँ ऑस्कर 1992 में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए मानद पुरस्कार प्रदान किया गया था।
- जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, ऑस्कर व नोबेल दोनों पुरस्कारों से सम्मानित होने वाले प्रथम व्यक्ति हैं। इन्हें 1925 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार और 1939 में बेस्ट स्क्रीन प्ले के लिए ऑस्कर पुरस्कार प्रदान किया गया।
- बॉब डिलन, ऑस्कर व नोबेल दोनों पुरस्कारों से सम्मानित होने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। इन्हें वर्ष 2000 में बेस्ट म्यूजिक के लिए ऑस्कर तथा 2016 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।

ग्रेमी पुरस्कार

- यह संगीत के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार रिकॉर्डिंग एकेडमी यू.एस.ए. द्वारा प्रदान किया जाता है। विजेता को एक ट्राफी (सोने का पानी चढ़ा हुआ ग्रामोफोन) प्रदान किया जाता है।
- ग्रेमी पुरस्कार प्राप्तकर्ता प्रमुख भारतीय-पंडित रविशंकर, जुबिन मेहता, विश्व मोहन भट्ट, जाकिर हुसैन, ए आर रहमान, नीला वसवानी, रिकी केज, फाल्गुनी शाह आदि।

बुकर पुरस्कार/मैन बुकर पुरस्कार

- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष अंग्रेजी में लिखी गई और यू.के. या आयरलैंड में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ कृति को प्रदान किया जाता है।
- प्रथम बुकर पुरस्कार वर्ष 1969 में प्रदान किया गया था।

बुकर पुरस्कार प्राप्तकर्ता (भारतीय/भारतीय मूल के लेखक)

लेखक	कृति	वर्ष
वी. एस. नायपॉल	इन ए फ्री स्टेट	1971
सलमान रूश्दी	मिडनाइट चिल्ड्रेन	1981
अरुंधति रॉय	द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स	1997
किरण देसाई	द इनहेरिटेन्स ऑफ लॉस	2006
अरविंद अडिगा	द व्हाइट टाइगर	2008

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार/अंतर्राष्ट्रीय मैन बुकर पुरस्कार

- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष अंग्रेजी में अनुवादित और यू. के. या आयरलैंड में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ कृति को प्रदान किया जाता है।
- इसकी पुरस्कार राशि (50,000 पाउंड) लेखक एवं अनुवादक के बीच समान रूप से साझा की जाती है

free PDF & Notes - Click NOW

- इस पुरस्कार की स्थापना 2005 में की गई।
- गीतांजलि श्री अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार प्राप्त करने वाली एकमात्र भारतीय लेखक/लेखिका हैं। इन्हें वर्ष 2022 में इनकी कृति 'रेत समाधि' के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद डेजी राकवेल ने 'टॉम्ब ऑफ सैंड' नाम से किया गया है।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

- इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1957 में फिलीपींस के सातवें राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे की स्मृति में की गई। यह एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा पुरस्कार है इसे एशिया का नोबेल पुरस्कार भी कहा जाता है। इस पुरस्कार का प्रबंधन रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड फांउडेशन द्वारा किया जाता है। पहला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार वर्ष 1958 में प्रदान किया गया।
- यह पुरस्कार छः श्रेणियों में प्रदान किया जाता है-
  1. शासकीय सेवा 2. जन सेवा 3. सामुदायिक नेतृत्व 4. पत्रकारिता, साहित्य और रचनात्मक संचार कला 5. शांति और अंतर्राष्ट्रीय समझ 6. उभरते नेतृत्व
- विनोबा भावे रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय हैं। इन्हें 1958 में सामुदायिक नेतृत्व के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वर्ष 2018 में भरत वातवानी और सोनम वांगचुक को तथा वर्ष 2019 में रवीश कुमार को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया।

पुलित्जर पुरस्कार

- यह पुरस्कार पत्रकारिता के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए दिया जाता है। इसे पत्रकारिता के क्षेत्र का विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार माना जाता है। इसे 1917 में अमेरिकी अखबार प्रकाशक जोसेफ पुलित्जर के नाम पर स्थापित किया गया। यह कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार

भारत रत्न

- यह भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है जो लोगों को जाति, लिंग, पद या व्यवसाय के भेदभाव के बिना किसी भी क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया जाता है। इसके लिए भारत के प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति को सिफारिश की जाती है तथा यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है।
- वर्ष 1954 में यह पुरस्कार पहली बार प्रदान किया गया।जनता पार्टी की सरकार द्वारा इसे वर्ष 1977 में बंद कर दिया गया जिसे कांग्रेस सरकार ने वर्ष 1980 में पुनः शुरू किया।
- भारत रत्न प्राप्तकर्ता को भारतीय वरीयता सूची में सातवां (7अ) स्थान प्रदान किया गया है।
- लाल बहादुर शास्त्री को सर्वप्रथम मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया था ।
- भारत रत्न गैर-भारतीयों को भी प्रदान किया जा सकता है।
- एक वर्ष में अधिकतम तीन भारत रत्न प्रदान दिए जा सकते हैं। वर्ष 2024 में इसे 5 लोगों को प्रदान किया गया था।
- भारत रत्न प्राप्तकर्ताओं को राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र और एक पीपल के पत्ते के आकार का पदक प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार से कोई मौद्रिक अनुदान नहीं जुड़ा होता है
- क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर सबसे कम उम्र में भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति हैं।
- विदेशी व्यक्तियों में खान अब्दुल गफ्फार खान (पाकिस्तान) और नेल्सन मंडेला (दक्षिण अफ्रीका) को भी भारत रत्न से सम्मानित किया गया है।
- वर्ष 1992 में भारत सरकार ने सुभाष चंद्र बोस को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया था परन्तु उनकी मृत्यु को लेकर उत्पन्न हुए विवाद के चलते सरकार ने इस निर्णय को वापस ले लिया।

गांधी शांति अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

गांधी शांति पुरस्कार भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वार्षिक पुरस्कार है जिसे 1995 से प्रदान किया जा रहा है। इस पुरस्कार की स्थापना गाँधी जी की 125वीं जयंती पर की गई। इस पुरस्कार के तहत 1 करोड़ की राशि और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार

भारत सरकार द्वारा इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1965 में विश्व शांति और अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव को बढ़ावा देने हेतु, जवाहर लाल नेहरू के योगदान की स्मृति में की गई। इस पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपए और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रशासित है।

इंदिरा गांधी शांति निरस्त्रीकरण विकास पुरस्कार

- इस पुरस्कार की स्थापना 1986 में की गई। यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के क्षेत्र में योगदान के लिए इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपए एवं एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

कलिंग पुरस्कार

- इस पुरस्कार की स्थापना यूनेस्कों द्वारा वर्ष 1951 में कलिंग फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष बीजू पटनायक के अनुदान से की गई। पहली बार यह पुरस्कार वर्ष 1952 में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाने हेतु प्रदान किया जाता है।

भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति

वर्ष	प्राप्तकर्ता
1954	सर्वपल्ली राधाकृष्णन, सी. वी. रमन, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
1955	डॉ. भगवान दास, जवाहरलाल नेहरू, डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया
1957	गोविंद वल्लभ पंत
1958	घोंडो केशव कर्वे
1961	पुरूषोत्तम दास टंडन, विधान चंद्र राय
1962	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
1963	डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. पांडुरंग वामन काणे
1966	लाल बहादुर शास्त्री (प्रथम मरणोपरान्त पुरस्कार प्राप्तकर्ता)
1971	इंदिरा गांधी
1975	वी. वी. गिरि
1976	के. कामराज (मरणोपरान्त)
1980	मदर टेरेसा
1983	आचार्य विनोबा भावे (मरणोपरान्त)
1987	खान अब्दुल गफ्फार खान

free PDF & Notes - Click NOW

1988	एम. जी. रामचन्द्रन (मरणोपरान्त)
1990	डॉ. भीमराव अम्बेडकर (मरणोपरान्त), नेल्सन मंडेला
1991	राजीव गांधी (मरणोपरान्त), सरदार वल्लभभाई पटेल(मरणोपरान्त), मोरारजी देसाई
1992	सत्यजीत रे, जे. आर. डी. टाटा, मौलाना अबुल कलाम आजाद (मरणोपरान्त)
1997	डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, अरुणा आसफ अली (मरणोपरान्त), गुलजारी लाल नंदा
1998	एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी, सी सुब्रमण्यम
1999	जयप्रकाश नारायण (मरणोपरान्त), प्रो. अमर्त्य सेन, गोपीनाथ बारदोलोई (मरणोपरान्त), पंडित रविशंकर
2001	लता मंगेशकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ
2009	पंडित भीमसेन जोशी
2014	प्रो. सी. एन. आर. राव, सचिन तेंदुलकर
2015	अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित मदन मोहन मालवीय (मरणोपरान्त)
2019	प्रणव मुखर्जी, भूपेन हजारिका (मरणोपरान्त) नानाजी देशमुख (मरणोपरान्त)
2024	कर्पूरी ठाकुर, लाल कृष्ण आडवाणी, चौधरी चरण सिंह, पी.वी. नरसिम्हा राव एवं एम.एस. स्वामीनाथन

पद्म पुरस्कार

पद्म पुरस्कार को वर्ष 1954 में भारत रत्न के साथ स्थापित किया गया था।

पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिया जाता है-

पद्म विभूषण

- यह असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। यह भारत रत्न के बाद दूसरा बड़ा राष्ट्रीय पुरस्कार है।

पद्म भूषण

- यह उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। यह तीसरा बड़ा राष्ट्रीय पुरस्कार है
- **पद्मश्री** - यह विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। यह चौथा बड़ा राष्ट्रीय पुरस्कार है।

■ सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार

- यह पुरस्कार भारत सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार दो श्रेणियों (व्यक्तिगत एवं संस्था श्रेणी) में प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2018 में की गई थी तथा इस पुरस्कार की घोषणा सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी (पराक्रम दिवस) पर की जाती है।

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

- इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2019 में की गई- यह पुरस्कार राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा देने वाले नागरिकों/संस्थानों/संगठनों को प्रदान किया जाता है। इसके तहत एक वर्ष में तीन से अधिक पुरस्कार नहीं दिए जाते हैं।

वीरता पुरस्कार

- स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी, 1950 को पहले तीन वीरता पुरस्कार परम वीर चक्र,महावीर चक्र और वीर चक्र की स्थापना की गई, जिन्हें 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी माना गया।
- इसके बाद, 4 जनवरी, 1952 को भारत सरकार द्वारा अन्य तीन वीरता पुरस्कार अशोक चक्र -I,अशोक चक्र -II, अशोक चक्र -III की स्थापना की गई, जिन्हें 15 अगस्त,1947 से प्रभावी माना गया। जनवरी 1967 में इन पुरस्कारों का नाम बदलकर क्रमशः अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र कर दिया गया।
- वीरता पुरस्कार थल सेना, नौ सेना और वायु सेना तथा कानूनी रूप से गठित सशस्त्र बलों के कर्मचारियों को प्रदान किया जाता है।

युद्धकालीन सर्वोच्च वीरता पुरस्कार

परमवीर चक्र

यह भारत का सर्वोच्च सैन्य अलंकरण है, जिसे युद्ध के दौरान अद्वितीय साहस और वीरता के विशिष्ट कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदान किया जाता है। परम वीर चक्र पदक कांस्य का बना होता है, जिस पर एक ओर इंद्र के वज्र की चार प्रतिकृतियाँ बनी होती हैं तथा दूसरी ओर हिंदी और अंग्रेजी में परम वीर चक्र लिखा होता है।

महावीर चक्र

यह युद्ध के दौरान विशिष्ट वीरता के कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदान किया जाने वाला दूसरा सर्वोच्च वीरता पुरस्कार है। महावीर चक्र पदक स्टैण्डर्ड चाँदी का बना होता है, जिस पर एक तरफ पांच कोण वाला सितारा बना होता है, जिसके केन्द्र में भारत का राष्ट्रचिन्ह बना होता है तथा दूसरी तरफ हिंदी और अंग्रेजी में महावीर चक्र लिखा होता है और दो कमल के फूल बने होते हैं।

वीर चक्र

यह परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद तीसरा सबसे बड़ा युद्धकालीन वीरता पुरस्कार है। वीर चक्र पदक भी स्टैण्डर्ड चाँदी का बना होता है, जिस पर एक तरफ एक पांच कोण वाला सितारा बना होता है जिसके अंदर एक चक्र बना होता है तथा चक्र के केन्द्र में राष्ट्र चिन्ह बना होता है तथा दूसरी तरफ हिंदी और अंग्रेजी में वीर चक्र लिखा होता है और दो कमल के फूल बने होते हैं

शांतिकालीन सर्वोच्च वीरता पुरस्कार

- **अशोक चक्र** - यह शांतिकाल के दौरान वीरता, साहसिक कार्रवाई या आत्म बलिदान के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च सैन्य पुरस्कार है।
- **कीर्ति चक्र** -यह शांतिकाल के दौरान वीरता, साहसिक कार्रवाई या आत्म बलिदान के लिए दिया जाने वाला दूसरा सर्वोच्च पुरस्कार है।
- **शौर्य चक्र** -यह शांतिकाल के दौरान वीरता प्रदर्शित करने के लिए दिया जाने वाला तीसरा सर्वोच्च पुरस्कार है।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

- यह भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च पुरस्कर है। भारत सरकार द्वारा इसकी स्थापना वर्ष 1969 में दादा साहेब फाल्के के भारतीय सिनेमा में योगदान की स्मृति में की गई, जिन्होंने 1913 में भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' का निर्देशन किया था।
- इस पुरस्कार के तहत एक स्वर्ण कमल पदक, एक शॉल और 10 लाख रुपए नकद प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार सूचना और प्रसारण मंत्रालय के फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाता है।

free PDF & Notes - Click NOW

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्तकर्ता

क्रम सं.	वर्ष के लिए	प्राप्तकर्ता	फिल्म उद्योग
1.	1969	देविका रानी	हिंदी
2.	1970	बीरेन्द्र नाथ सरकार	बंगाली
3.	1971	पृथ्वीराज कपूर (मरणोपरांत)	हिंदी
4.	1972	पंकज मलिक	बंगाली, हिंदी
5.	1973	सुलोचना (रूबी मायर्स)	हिंदी
6.	1974	बी. एन. रेड्डी	तेलुगू
7.	1975	धीरेन गांगुली	बंगाली
8.	1976	कानन देवी	बंगाली
9.	1977	नितिन बोस	बंगाली, हिंदी
10	1978	रामचन्द बोराल	बंगाली, हिंदी
11.	1979	सोहराब मोदी	हिंदी
12.	1980	पी. जयराज	हिंदी, तेलुगू
13.	1981	नौशाद अली	हिंदी
14.	1982	एल. वी. प्रसाद	तमिल, तेलुगु, हिंदी
15.	1983	दुर्गा खोटे	हिंदी, मराठी
16.	1984	सत्यजीत रे	बंगाली
17.	1985	वी शांताराम	हिंदी मराठी
18.	1986	बी नागी रेड्डी	तेलुगू
19.	1987	राजकपूर	हिंदी
20.	1988	अशोक कुमार	हिंदी
21.	1989	लता मंगेशकर	हिंदी, मराठी
22.	1990	अक्किनेनी नागेश्वर राव	तेलुगू
23.	1991	भालजी पेंढारकर	मराठी
24.	1992	भूपेन हजारिका	असमिया
25.	1993	मजरूह सुल्तान पुरी	हिंदी
26.	1994	दिलीप कुमार	हिंदी
27.	1995	डॉ. राजकुमार	कन्नड़
28.	1996	शिवाजी गणेशन	तमिल
29.	1997	कवि प्रदीप	हिंदी
30.	1998	बी. आर. चोपड़ा	हिंदी
31.	1999	ऋषिकेश मुखर्जी	हिंदी
32.	2000	आशा भोंसले	हिंदी, मराठी
33.	2001	यश चोपड़ा	हिंदी
34.	2002	देव आनंद	हिंदी
35.	2003	मृणाल सेन	बंगाली, हिन्दी
36.	2004	अडूर गोपालकृष्णन	मलयालम
37.	2005	श्याम बेनेगल	हिंदी
38.	2006	तपन सिन्हा	बंगाली, हिंदी
39.	2007	मन्ना डे	हिंदी, बंगाली
40.	2008	वी. के. मूर्ति	हिंदी
41.	2009	डी. नामानायडू	तेलुगू
42.	2010	के बालाचंदर	तमिल, तेलुगू
43.	2011	सौमित्र चटर्जी	बंगाली
44.	2012	प्राण	हिंदी
45.	2013	गुलजार	हिंदी
46.	2014	शशि कपूर	हिंदी
47.	2015	मनोज कुमार	हिंदी
48.	2016	के. विश्वनाथ	तेलुगू
49.	2017	विनोद खन्ना (मरणोपरांत)	हिंदी
50.	2018	अमिताभ बच्चन	हिंदी
51.	2019	रजनीकांत	तमिल, हिंदी
52.	2020	आशा पारेख	हिंदी
53.	2021	वहीदा रहमान	हिंदी
54.	2024	मिथुन चक्रवर्ती	हिन्दी

नोट- रजनीकांत ने 2019 में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार जीता और उन्हें 2021 में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया जबकि आशा पारेख ने 2020 में यह पुरस्कार जीता लेकिन कोविड महामारी के कारण उन्हें यह पुरस्कार 2022 में मिला था।

ज्ञानपीठ पुरस्कार

- यह भारतीय ज्ञानपीठ न्यास द्वारा किसी लेखक को उसके साहित्य के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाने वाला सबसे पुराना और सर्वोच्च भारतीय साहित्यिक पुरस्कार है। वर्ष 1961 में स्थापित हुआ और 1965 में पहली बार प्रदान किया गया।
  यह पुरस्कार संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं तथा अंग्रेजी भाषा के लिए प्रदान किया जाता है।
  इस पुरस्कार के तहत 11 लाख रूपए, वाग्देवी (सरस्वती) की प्रतिमा और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है-

ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्तकर्ता साहित्यकार

क्रम	वर्ष	प्राप्तकर्ता	भाषा
(पहला)	1965	जी शंकर कुरूप	मलयालम
(दूसरा)	1966	ताराशंकर बंदोपाध्याय	बांग्ला
(तीसरा)	1967	उमाशंकर जोशी के. वी. पुटप्पा	गुजराती कन्नड़
(चौथा)	1968	सुमित्रानन्दन पंत	हिंदी
(पाँचवाँ)	1969	फिराक गोरखपुरी	उर्दू
(छठां)	1970	विश्वनाथ सत्यनारायण	तेलुगू
(सातवां)	1971	विष्णु डे	बांग्ला
(आठवां)	1972	रामधारी सिंह दिनकर	हिंदी
(नौवां)	1973	डी. आर. बेन्द्रे	कन्नड़
		गोपीनाथ मोहन्ती	ओड़िया
(दसवां)	1974	विष्णु सखाराम खांडेकर	मराठी
(11वां)	1975	अकिलन्दम (अकिलान)	तमिल
(12वां)	1976	आशापूर्णा देवी (प्रथम महिला)	बांग्ला
(13वां)	1977	के शिवराम करान्थ	कन्नड़
(14वां)	1978	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	हिन्दी
(15वां)	1979	बीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य	असमिया

free PDF & Notes - Click NOW

(16वां)	1980	एस. के. पोट्टेकट्ट	मलयालम
(17वां)	1981	अमृता प्रीतम	पंजाबी
(18वां)	1982	महादेवी वर्मा	हिंदी
(19वां)	1983	मस्ति वेंकटेश अयंगर	तेलुगू
(20वां)	1984	थकाझी शिवशंकर पिल्लई	मलयालम
(21वां)	1985	पन्नालाल पटेल	गुजराती
(22वां)	1986	सच्चिदानंद राउतराय	ओड़िया
(23वां)	1987	विष्णु वामन शिरवाडकर 'कुसुमराज'	मराठी
(24वां)	1988	सी नारायण रेड्डी	तेलुगू
(25वां)	1989	कुर्रतुलैन हैदर	उर्दू
(26वां)	1990	विनायक कृष्ण गोकाक	कन्नड़
(27वां)	1991	सुभाष मुखोपाध्याय	बांग्ला
(28वां)	1992	नरेश मेहता	हिंदी
(29वां)	1993	सीताकांत महापात्रा	ओड़िया
(30वां)	1994	यू. आर. अनंतमूर्ति	कन्नड़
(31वां)	1995	एम. टी. वासुदेवन नायर	मलयालम
(32वां)	1996	महाश्वेता देवी	बांग्ला
(33वां)	1997	अली सरदार जाफरी	उर्दू
(34वां)	1998	गिरीश कर्नाड	कन्नड़
(35वां)	1999	निर्मल वर्मा	हिंदी
		गुरदयाल सिंह	पंजाबी
(36वां)	2000	इंदिरा गोस्वामी	असमिया
(37वां)	2001	राजेन्द्र केशवलाल शाह	गुजराती
(38वां)	2002	डॉ जयकान्थन	तमिल
(39वां)	2003	विन्दा कारिंदकर	मराठी
(40वां)	2004	रहमान राही	कश्मीरी
(41वां)	2005	कुंवर नारायण	हिंदी
(42वां)	2006	रविन्द्र केलकर	कोंकणी
		सत्यव्रत शास्त्री	संस्कृत
(43वां)	2007	ओ. एन. वी. कुरूप	मलयालम
(44वां)	2008	अखलाख मोहम्मद खान (शहरयार)	उर्दू
(45वां)	2009	अमरकांत एवं श्री लाल शुक्ला	हिंदी
(46वां)	2010	चन्द्रशेखर कंबरा	कन्नड़
(47वां)	2011	प्रतिभा राय	ओडिया
(48वां)	2012	रावुरी भारद्वाज	तेलुगू
(49वां)	2013	केदारनाथ सिंह	हिंदी
(50वां)	2014	भालचन्द्र नेमाड़े	मराठी
(51वां)	2015	रघुवीर चौधरी	गुजराती
(52वां)	2016	शंख घोष	बांग्ला
(53वां)	2017	कृष्णा सोबती	हिंदी
(54वां)	2018	अमिताव घोष	अंग्रेजी (पहली बार)
(55वां)	2019	अक्कितम अच्युतन नंबूदरी	मलयालम
(56वां)	2021	नीलमणि फूकन	असमिया
(57वां)	2022	दामोदर मौउजो	कोंकणी
(58वां)	2023	गुलजार	उर्दू
		जगदगुरु रामभद्राचार्य	संस्कृत
(59वां)	2024	विनोद कुमार शुक्ल	हिन्दी

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. बिहार के रितिक आनंद ने ब्राजील में आयोजित 24वें समर डेफ बैडमिन्टन ओलंपिक में भारत के लिए कौन-सा पदक जीता?

(a) स्वर्ण पदक (b) रजत पदक
(c) कांस्य पदक (d) प्लैटिनम पदक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)2022

Ans. (a) : बिहार के हाजीपुर के रहने वाले रितिक आनंद ने ब्राजील में स्वर्ण पदक जीतकर देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है। 24वें समर डेफ बैडमिंटन ओलंपिक का आयोजन ब्राजील में किया गया।

2. बिहार से किसे 2022 में दादा साहब फाल्के भारतीय टेलीविजन पुरस्कार से सम्मानित किया गया?

(a) शरद सिन्हा (b) दीप श्रेष्ठ
(c) मदन पांडे (d) शत्रुघ्न सिन्हा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)2022

Ans. (b) : पटना निवासी फिल्म अभिनेता व निर्देशक दीप श्रेष्ठ को दादा साहेब फाल्के इंडियन टेलीविजन अवार्ड-2022 प्रदान किया गया है।

3. बिहार सरकार को 'डिजिटल इंडिया अवार्ड, 2020' किस लिए दिया गया था?

(a) बिहार में तकनीकी संस्थानों की स्थापना के लिए
(b) बिहार में आइ.टी. क्रांति लाने के लिए
(c) बिहार में ई-प्रशासन की सुविधा प्रदान करने के लिए
(d) कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान बिहार के बाहर फँसे लोगों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC(Pre) Nirast 2021

Ans. (d) : बिहार सरकार को 'डिजिटल इंडिया अवार्ड, 2020' कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान बिहार के बाहर फँसे लोगों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए दिया गया था। बिहार राज्य को यह अवार्ड 'महामारी में नवाचार' महामारी श्रेणी के अन्तर्गत दिया गया है।
डिजिटल इण्डिया अवार्ड, 2022, 7 जनवरी 2023 को प्रदान किया गया। ये इस अवार्ड का सातवां संस्करण था। डिजिटल

free PDF & Notes - Click NOW

इण्डिया अवार्ड निम्न श्रेणी में प्रदान किया गया।
(1) प्लेटिनम अवार्ड- 'ई नाम' पहल (कृषि मंत्रालय)
(2) गोल्ड अवार्ड- संचार मिशन मोड प्रोजेक्ट (ई ट्रांसपोर्ट)
(3) सिल्वर अवार्ड- जजमेंट खोज पोर्टल

4. बिहार की किस गरीब लड़की ने अपने समुदाय के लोगों के उत्थान के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए विश्व महिलाओं की शिखर फाउंडेशन से 'वूमेन्स क्रिएटीविटी इन रूरल लाइफ अवार्ड' प्राप्त किया?
(a) अरिबा फलक (b) छोटी कुमारी सिंह
(c) प्रेमा महतो (d) रीना मण्डल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (b) : बिहार के भोजपुर जिले की रहने वाली छोटी कुमारी सिंह को स्विट्जरलैंड की वुमेन्स वर्ल्ड समीति फाउंडेशन की तरफ से 'वुमेन्स क्रिएटिविटी इन रूरल लाइफ अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान अपने इलाके में मुसहर जाति जैसे अति पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षित करने के लिए दिया गया है।

5. चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 26 जनवरी, 2021 को बिहार के किस व्यक्ति को पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया?
(a) डॉ. रामकुमार यादव (b) डॉ. राजबहादुर
(c) डॉ. रणदीप गुलेरिया (d) डॉ. दिलीप कुमार सिंह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (d) : चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 26 जनवरी 2021 को बिहार के डॉ. दिलीप कुमार सिंह को पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. दिलीप 92 साल के हैं और अभी भी मरीजों का इलाज प्रतिदिन करते हैं। ये दवा नहीं लिखते बल्कि पुड़िया में देते हैं। पोलियो के इलाज में इनका बड़ा योगदान माना जाता है।

6. 1971 के भारत-पाक युद्ध क्षेत्र में अनुकरणीय साहस के लिए बिहार के किस सैनिक को सर्वोच्च सम्मान 'परमवीर चक्र' से सम्मानित किया गया था।
(a) एल्वर्ट एक्का (b) संजय कुमार
(c) करम सिंह (d) पीरु सिंह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (a) : 1971 के भारत-पाक युद्ध क्षेत्र में अनुकरणीय साहस के लिए बिहार (वर्तमान में झारखण्ड) के एल्बर्ट एक्का को सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया था। एल्बर्ट एक्का का जन्म झारखण्ड के गुमला जिले में हुआ था। सन् 1971 की भारत-पाक युद्ध में दुश्मन को गोली लगने के बावजूद भी अदम्य साहस का परिचय देते हुए कई बंकरों को तबाह कर दिये जिसके कारण उन्हें परणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

7. इनमें से बिहार के किस व्यक्ति ने दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त किया है?
(a) अशोक कुमार (b) शत्रुघ्न सिन्हा
(c) मोहन मिश्रा (d) शारदा सिन्हा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (a) : दादामुनि के नाम से मशहूर अभिनेता अशोक कुमार का जन्म 13 अक्टूबर 1911 को बिहार के भागलपुर में हुआ था। उनकी पहली फिल्म 'जीवन नैय्या' थी। उन्होंने कुल 275 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उनके योगदान को देखते हुए भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च पुरस्कार दादा साहब फाल्के पुरस्कार से 1988 में सम्मानित किया गया।

8. बिहार के किस व्यक्ति को 26 जनवरी, 2021 को पद्मभूषण पुरस्कार प्रदान किया गया?
(a) मृदुला सिन्हा
(b) राम विलास पासवान (मरणोपरांत)
(c) दुलारी देवी
(d) रामचन्द्र माँझी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (b) : राम विलास पासवान को मरणोपरान्त 26 जनवरी, 2021 को पद्मभूषण पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें सार्वजनिक मामलों में उनके कार्यों के लिए दिया गया। उल्लेखनीय है कि श्रीमती दुलारी देवी (कला), श्री रामचन्द्र मांझी (कला), श्रीमती मृदुला सिंहा को (मरणोपरान्त) पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया। पद्म श्री पुरस्कार 2024 बिहार के श्री चंद्रशेखर प्रसाद ठाकुर, अशोक कुमार विश्वास, सुरेन्द्र किशोर, श्री राम कुमार मलिक, शांति देवी पासवान तथा श्री शिवन पासवान को दिया गया।

9. बिहार में सामाजिक कार्य के लिए वर्ष 2022 के पद्मश्री पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया?
(a) आचार्य रामकृष्ण (b) आचार्य चंदनाजी
(c) आचार्य विश्वनाथ (d) आचार्य नजमा अख्तर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC AAO 2021

Ans. (b) : भारत सरकार द्वारा प्रदत्त 2022 के पद्म पुरस्कारों में 84 वर्षीय साध्वी एवं समाज सेवी आचार्य 'चंदना जी' को बिहार में सामाजिक कार्य करने के लिए पद्मश्री से नवाजा गया, जो वीरायतन चिकित्सालय के माध्यम से नेत्ररोगियों का इलाज करती है।

10. किस भारतीय ने रसायन शास्त्र में नोबेल पुरस्कार जीता है?
(a) प्रो. एच. खुराना (b) प्रो. जे. सी. बोस
(c) प्रो. चन्द्रशेखर (d) अभी तक किसी ने नहीं
Bihar Avar Nirikshak Utpad (Pre.) Exam 02/12/2001

Ans. (d) नोबेल पुरस्कार, नोबेल फाउंडेशन के द्वारा स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की याद में दिया जाता है। इसकी स्थापना 1901 ई. में की गई थी। यह शांति, साहित्य, भौतिकी, चिकित्सा विज्ञान, अर्थशास्त्र, रसायन के क्षेत्र में दिया जाता है। प्रश्नकाल तक किसी भी भारतीय को रसायन शास्त्र में नोबेल पुरस्कार नहीं प्राप्त हुआ है। परन्तु वर्ष 2009 में राइबोसोम की संरचना व कार्यप्रणाली पर खोज के लिए भारतीय मूल के वैज्ञानिक बेंकटरमन रामकृष्णन के साथ थॉमस स्टीज (अमेरिका) तथा अदा यानोथ (महिला) (इजरायल) को दिया गया।

11. इनमें से किसने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार चार बार प्राप्त किया?
(a) हेमामालिनी (b) शबाना आजमी
(c) नरगिस (d) इनमें से कोई नहीं
Bihar Avar Nirikshak Utpad (Pre.) Exam 02/12/2001

Ans. (b) शबाना आजमी ने पाँच बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त किया। इन्हें 1975, 1983, 1984, 1985, 1999 में यह पुरस्कार मिला था। वर्ष 1988 में, इन्हें पद्म श्री द्वारा सम्मानित किया गया।

free PDF & Notes - Click NOW

12. किस एकमात्र अफ्रीकी नेता को भारत रत्न से सम्मानित किया गया है?

(a) अनवर सादात (b) नेल्सन मंडेला
(c) जोमो केन्याटा (d) होसनी मुबारक

Bihar Avar Nirikshak Utpad (Pre.) Exam 02/12/2001

Ans. (b) नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के भूतपूर्व राष्ट्रपति थे और वे एकमात्र अफ्रीकी नेता है जिन्हें भारत रत्न (1990) से सम्मानित किया गया है। भारत रत्न भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

13. नोबल पुरस्कार अधिक से अधिक कितने लोगों की भागीदारी (Shared) में दिया जा सकता है?

(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

Bihar Sahayak Utpad Avar Nirikshak (Pre.) Exam 02/06/2002

Ans : (b) नोबेल पुरस्कार, नोबेल फाउण्डेशन द्वारा स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की याद में वर्ष 1901 में शुरू किया गया। यह पुरस्कार शांति, साहित्य, भौतिकी, रसायन, चिकित्सा विज्ञान एवं अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रदान किया जाने वाला विश्व का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो अधिकतम तीन लोगों की भागीदारी में दिया जा सकता है।

14. भारत के किस राज्य को यू.एन.पब्लिक सर्विस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है?

(a) ओडिशा (b) केरल
(c) पश्चिम बंगाल (d) जम्मू एवं कश्मीर

Bihar Police Avar Nirikshak Exam 11/03/2018 (Shift-I)

Ans : (c) भारत के पश्चिम बंगाल राज्य को यू.एन. पब्लिक सर्विस अवॉर्ड 2017 से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड 'कन्या श्री प्रकल्प योजना' के लिए दिया गया। इस योजना के अन्तर्गत बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है। जिसमें 13 से 19 वर्ष की बालिकाएँ शामिल है। इस योजना की शुरूआत पं. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अक्टूबर 2013 में की थी।

15. नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित 'सीमा राव' का सम्बन्ध निम्न में से किससे है?

(a) साहित्य (b) कमांडो ट्रेनर
(c) खेल (d) पत्रकारिता

Bihar Utpad Avar Nirikshak Exam 09/06/2019

Ans : (b) सीमा राव मार्शल आर्ट्स में 7वाँ डिग्री ब्लैक बेल्ट पाने वाली इकलौती महिला कमांडो ट्रेनर हैं। वह एक कॉम्बैक्ट शूटर, इंस्ट्रक्टर, फायर फाइटर एवं स्कूबा ड्राइवर भी हैं। सीमा राव पिछले 18 वर्षो से इंडियन आर्मी, एयरफोर्स एवं नेवी सहित पैरामिलिट्री फोर्स के कमांडोज को ट्रेनिंग दे रही हैं। इसी समर्पण और जज्बे के लिए इन्हें मार्च 2019 में राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति सम्मान–2018 से सम्मानित किया गया।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के सन्दर्भ में सत्य नहीं है?

i. 1958 में स्वीडन के केन्द्रीय बैंक ने अर्थशास्त्र में अल्फ्रेड नोबेल की याद में पुरस्कार स्थापित किया।

ii. 2019 में अर्थशास्त्र का नोबेल तीन लोगों को मिला।

iii. 2019 के अर्थशास्त्र के नोबेल विजेता अभिजीत बनर्जी, एस्थर डल्फो व माइकल क्रेमर हैं।

(a) केवल i (b) केवल i और ii
(c) केवल iii (d) केवल i और iii

Bihar Police Avar Nirikshak Exam 22/12/2019 (Shift-I)

उत्तर (a) 1968 में, स्वीडन के केन्द्रीय बैंक ने नोबेल पुरस्कार के संस्थापक, अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में अर्थशास्त्र में पुरस्कार की स्थापना की। अर्थशास्त्र में पहला पुरस्कार 1969 में रगनार फ्रिस्क और जान टिनबर्गेन को दिया गया था।

अर्थशास्त्र 2019 में नोबेल पुरस्कार–इसे तीन लोगों ने साझा किया था।

यह अभिजीत बनर्जी, एस्थर डुफ्लो और माइकल क्रेमर को रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा प्रदान किया गया था। वर्ष 2021 में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार गुइडो डब्ल्यू इम्बेन्स डेविड कार्ड और जोशुआ डा. एंग्रिस्ट को दिया गया। वर्ष 2022 में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार तीन लोगों को प्रदान किया गया था जिनके नाम– 1. बेन एस बर्नानके 2. डगलस डब्ल्यू डायमंड 3. फिलिप एच डायबवि

17. निम्नलिखित में से किसे भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारतरत्न' से सम्मानित नहीं किया गया है?

(a) प्रणव मुखर्जी (b) भूपेन हजारिका
(c) दीनदयाल उपाध्याय (d) नानाजी देशमुख

Bihar Police Avar Nirikshak Exam 22/12/2019 (Shift-I)

उत्तर (c) दीनदयाल उपाध्याय को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित नहीं किया गया है।

- अधिकतम 3 व्यक्तियों को एक साल में इस पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है।

प्रणव मुखर्जी, नानाजी देशमुख और भूपेन हजारिका को 2019 में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

18. ट्यूरिंग अवॉर्ड किस क्षेत्र से संबंधित है?

(a) पर्यटन (b) सिनेमा
(c) कम्प्यूटर विज्ञान (d) कला

Bihar Police Avar Nirikshak Exam 22/12/2019 (Shift-II)

Ans. (c): ट्यूरिंग अवार्ड कम्प्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में दिया जाने वाला प्रमुख पुरस्कार है। इसे कम्प्यूटिंग का नोबल प्राइज भी कहा जाता है। इस पुरस्कार के लिए गूगल द्वारा एक मिलियन डॉलर की इनामी राशि दी जाती है। इस पुरस्कार का नाम ब्रिटिश गणितज्ञ एलन एम. ट्यूरिंग के नाम पर रखा गया है।

19. पद्म विभूषण विजेता डॉ. भूपेन हजारिका का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से है?

(a) विज्ञान (b) गायन (c) नृत्य (d) खेल

Bihar Pravartan Avar Nirikshak (Pre.) Exam 06/12/2020

Ans. (b) : भूपेन हजारिका, असम के एक भारतीय पार्श्व गीतकार, गायक, कवि और फिल्म निर्माता थे, जिन्हें 'सुधाकांत' के नाम से भी जाना जाता था। इन्हें असम तथा पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति और लोक संगीत को हिंदी सिनेमा में पेश करने का श्रेय दिया जाता है। हिंदी सिनेमा में इनके योगदान को देखते हुए इन्हें 1975 में सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 1987 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 1977 में पद्मश्री, 2001 में पद्म भूषण, 1992 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, 2012 में पद्मविभूषण तथा मरणोपरात देश का सबसे बड़े पुरस्कार 'भारत रत्न' से 2019 में सम्मानित किया गया है।

free PDF & Notes - Click NOW

20. भारत में खेल उत्कृष्टता के लिये सर्वोच्च पुरस्कार . . . है।

(a) भारत रत्न (b) राजीव गाँधी खेल रत्न
(c) अर्जुन पुरस्कार (d) द्रोणाचार्य पुरस्कार

Forest Range Officer (Pre.) Exam 17/01/2020
Bihar Police Forest Range Office Exam 17/01/2020

Ans. (b) : भारत में खेल उत्कृष्टता के लिए सर्वोच्च पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न है। इसे अब मेजर ध्यानचन्द खेल रत्न के नाम से जाना जाता है। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष खेल एवं युवा मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार खिलाड़ी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार साल की अवधि में खेल क्षेत्र में उसके शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।

21. कौन-सा मंत्रालय खेल पुरस्कार के सम्मान से जुड़ा है?

(a) गृह मंत्रालय
(b) युवा मामले और खेल मंत्रालय
(c) भारतीय विश्वविद्यालय संघ
(d) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

Bihar Police Avar Nirikshak Exam 26/12/2021 (Shift-I)

उत्तर (b) खेल पुरस्कारों की घोषणा 'युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा किया जाता है। भारत के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में केन्द्र सरकार द्वारा भारत के खिलाड़ियों को दिये जाने वाले छः अलग-अलग पुरस्कार शामिल हैं।

22. आज तक प्रदान किए गए परमवीर चक्र पुरस्कारों की कुल संख्या है–

(a) 21 (b) 27 (c) 35 (d) 43

Bihar Police Avar Nirikshak Exam 26/12/2021 (Shift-I)

उत्तर (a) अब तक प्रदान किए परमवीर चक्र पुरस्कारों की कुल संख्या 21 है, जिसे प्रदान किया गया है। परमवीर चक्र भारत का सर्वोच्च सैन्य अलंकरण है, जो युद्ध की स्थिति में उच्चकोटि की शूरवीरता एवं त्याग के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार कैप्टन बत्रा को कारगिल युद्ध में उनकी वीरता के लिए दिया गया।

23. अशोक चक्र शौर्य पुरस्कार वर्ष.......में स्थापित किया गया।

(a) 1947 (b) 1950
(c) 1952 (d) 1967

Bihar Police Avar Nirikshak Exam 26/12/2021 (Shift-I)

उत्तर (c) अशोक चक्र शौर्य पुरस्कार वर्ष 1952 मे स्थापित किया गया। यह भारत का असाधारण वीरता के लिए प्रदान किया जाने वाला पदक है। यह सम्मान सैनिकों और असैनिकों को असाधारण वीरता या बलिदान के लिए दिया जाता है।

24. निम्नलिखित में से किसे हिंदी साहित्य में उनके योगदान के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है?

(a) कृष्णा सोबती (b) सत्यव्रत शास्त्री
(c) रघुवीर चौधरी (d) इंदिरा गोस्वामी

Bihar Police Avar Nirikshak Exam 26/12/2021 (Shift-I)

उत्तर (a) कृष्णा सोबती को वर्ष 2017 में हिन्दी साहित्य में उनके उपन्यास 'मित्रो-माराजनी योगदान' के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 1980 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। ज्ञानपीठ पुरस्कार साहित्य के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार है। वर्ष 2022 में 57वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार कोंकणी उपन्यासकार दामोदर माउजो को प्रदान किया जायेगा। 2015 का ज्ञानपीठ पुरस्कार रघुवीर चौधरी को गुजराती भाषा के लिए तथा सत्यब्रतशास्त्री को 2016 का ज्ञानपीठ पुरस्कार संस्कृत के लिए दिया गया। वर्ष 2021 के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार असम के कवि नीलमणि फूकन को दिया गया।

25. मेहरून्निसा परवेज को निम्नलिखित में से किस सम्मान से सम्मानित किया गया?

(a) पद्म भूषण (b) पदम् भूषण
(c) पद्म श्री (d) भारत रत्न

Bihar Police Constable Exam 12/01/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : मेहरुन्निसा परवेज भारत की समकालीन महिला साहित्यकार और कथाकार हैं। उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वर्ष 1969 में उनका पहला उपन्यास 'आँखों की दहलीज' प्रकाशित हुआ था। उनके अन्य उपन्यास 'करेजा, अकेला पलाश, पासंग आदि हैं। वर्ष 2016 में उन्हें डा. राही मासूम रजा साहित्य सम्मान से अलंकृत किया गया।

26. ग्रैमी अवॉर्ड किस क्षेत्र से सम्बन्धित है?

(a) संगीत (b) फिल्में
(c) पत्रकारिता (d) साहित्य

Bihar Police Forest Range Office Exam 17/01/2020

Ans. (a) : ग्रैमी आवर्ड संगीत क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। यह आवर्ड संयुक्त राज्य अमेरिका की रिकार्डिंग अकादमी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।
ग्रैमी अवॉर्ड्स 2023 में भारतीय म्यूजिक कंपोजर रिकीकेज ने तीसरी बार ग्रैमी अवार्ड जीता है।

27. निम्न में से किस वैज्ञानिक को दो बार नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया? एक बार भौतिकी के लिए और दूसरी बार रसायन शास्त्र के लिए?

(a) अल्बर्ट आइस्टीन (b) मैरी क्यूरी
(c) आइजैक न्यूटन (d) मैक्स प्लांक

Bihar Forest Guard Exam 16/12/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : पोलैण्ड की मैरी क्यूरी अकेली ऐसी महिला है, जिन्हें भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के लिए दो बार नोबल पुरस्कार मिला है। मैरी क्यूरी को 1903 में पियरे क्यूरी के साथ 'रेडियो धर्मिता की खोज के लिए भौतिक विज्ञान में नोबल पुरस्कार तथा 1911 में 'पोलोनियम' की खोज के लिए रसायन विज्ञान में नोबल पुरस्कार मिला था।

28. 'पुलित्जर पुरस्कार' का संबंध निम्न में से किस देश से है?

(a) भारत (b) यू.एस.ए.
(c) रूसे (d) मेक्सिका

Bihar Police Constable 29/12/2019

Ans. (b) : 'पुलित्जर पुस्कार' अमेरिकी पत्रकारिता, पत्र और संगीत में उत्कृष्ट सार्वजनिक सेवा और उपलाब्धि के लिए दिया जाता है। यह 1917 में स्थापित किया गया था। इसे कोलाम्बिया विश्वविद्यालय और पुलित्जर पुरस्कार बोर्ड द्वारा प्रशासित किया जाता है।

free PDF & Notes - Click NOW

2. महत्वपूर्ण योजनायें (सरकारी योजनायें एवं कार्यक्रम)
Important Schemes (Government Schemes & Programs)

महत्वपूर्ण सरकारी योजनाएं और कार्यक्रम (अगस्त 2025 तक अपडेट)

भारत सरकार देश के समावेशी विकास और जन कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम चलाती है। ये योजनाएं समाज के विभिन्न वर्गों, जैसे किसान, महिलाएं, बच्चे, गरीब, वंचित और युवा, को लक्षित करती हैं। इनका उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करना, वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और देश के समग्र बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

ये कार्यक्रम विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा तैयार और कार्यान्वित किए जाते हैं, जो अक्सर एक-दूसरे के पूरक होते हैं। इनमें से कई योजनाएं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर आधारित हैं, जिसका लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। इस अध्ययन सामग्री में, हम भारत सरकार की कुछ प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा करेंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं और अगस्त 2025 तक की नवीनतम जानकारियों को शामिल करते हैं।

(1) प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY)

- **शुरूआत :** 28 अगस्त, 2014 को।
- **उद्देश्य :** देश के हर परिवार तक बैंकिंग सेवाओं, बचत/जमा खातों, प्रेषण, क्रेडिट, बीमा और पेंशन तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना।

मुख्य विशेषताएँ :

- 'जीरो बैलेंस' खाते की सुविधा।
- रूपे डेबिट कार्ड प्रदान किया जाता है।
- 1 लाख रू. का दुर्घटना बीमा (28.08.2018 के बाद खोले गए खातों के लिए 2 लाख रू.)।
- 30,000 रू. का जीवन बीमा (कुछ शर्तों के साथ)।
- 10,000 रू. तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा (6 महीने के संतोषजनक संचालन के बाद)।
- **नवीनतम अपडेट 2025:** वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लगभग सभी पात्र परिवारों के पास बैंक खाते हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के लिए एक प्रमुख माध्यम बन गई है।

(2) अटल पेंशन योजना (APY)

- शुरूआत : 9 मई 2015 को।
- **उद्देश्य :** असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएंः

- 18 से 40 वर्ष की आयु का कोई भी भारतीय नागरिक इसमें शामिल हो सकता है।
- ग्राहक की आयु के आधार पर निश्चित मासिक योगदान।
- 60 वर्ष की आयु के बाद 1,000 रू. 5,000 रू. तक की निश्चित मासिक पेंशन की गारंटी।
- ग्राहक की मृत्यु होने पर पति/पत्नी को पेंशन या पूरी जमा राशि मिलती है।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** इस योजना के असंगठित क्षेत्र के लाखों लोगों को वृद्धावस्था सुरक्षा प्रदान करने में मदद की है। सरकार द्वारा ग्राहकों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

(3) प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)

- **शुरूआतः** 9 मई 2015 को।
- **उद्देश्य :** कम प्रीमियम पर दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएं :

- 18 से 70 वर्ष की आयु के बैंक खाता धारक पात्र।
- `20 प्रति वर्ष (पहले `12) का न्यूनतम प्रीमियम।
- दुर्घटना से मृत्यु या पूर्ण विकलांगता पर 2 लाख रू. का कवरेज।

free PDF & Notes - Click NOW

- आंशिक विकलांगता पर 1 लाख रू. का कवरेज।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** बड़ी संख्या में लोगों को दुर्घटना बीमा के दायरे में लाया गया है, जिससे कमजोर वर्गों को वित्तीय सुरक्षा मिली है।

(4) प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY)

- **शुरूआतः** 9 मई 2015 को।
- **उद्देश्य :** कम प्रीमियम पर जीवन बीमा कवरेज प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएं :

- 18 से 50 वर्ष की आयु के बैंक खाता धारक पात्र।
- `436 प्रति वर्ष (पहले `330) का प्रीमियम।
- किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रू. का कवरेज।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** बीमा कवरेज का विस्तार करने और असामयिक मृत्यु के मामले में परिवारों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण रही है।

(5) आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY)

- **शुरूआतः** 23 सितम्बर, 2018 को।
- **उद्देश्य :** आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (SECC डेटा के अनुसार) को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएं :

- प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रू. तक का स्वास्थ्य कवरेज।
- 1,350 से अधिक मेडिकल पैकेजों के लिए कवरेज, जिसमें अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद के खर्च शामिल हैं।
- नकदी रहित और कागज रहित उपचार।
- पहले से मौजूद बीमारियों को भी कवर किया जाता है।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** लाभार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, और कई राज्यों में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। योजना का विस्तार करते हुए अधिक प्रक्रियाओं और बीमारियों को शामिल किया जा रहा है।

(6) मिशन इंद्रधनुष

- **शुरूआत :** 25 सितम्बर, 2024 को।
- **उद्देश्यः** उन बच्चों को गर्भवती महिलाओं का पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करना जो नियमित टीकाकरण कार्यक्रम से छूट गए हैं या आंशिक रूप से प्रतिरक्षित हैं।

मुख्य विशेषताएंः

- पहले 7 बीमारियों (डिप्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, पोलियो, टीबी, खसरा, हेपेटाइटिस बी) को कवर करता था।
- अब 12 बीमारियों (जापानी एन्सेफलाइटिस, रोटावायरस, एचआईबी, पीसीवी, आईपीवी सहित) को कवर करता है।
- उच्च प्राथमिकता वाले जिलों पर ध्यान केंद्रित।
- टीकाकरण कवरेज में वृद्धि के लिए सघन प्रयास।
- **नवीनतम अपडेट (2025) :** टीकाकरण कवरेज में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है, खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में। सघन मिशन इंद्रधनुष (IMI) के विभिन्न चरण सफलतापूर्वक लागू किए गए हैं। अगस्त 2025 में बच्चों को 11 निःशुल्क टीके लगाए जा रहे हैं और अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए IEC गतिविधियाँ की जा रही हैं।

(7) स्वच्छ भारत अभियान (SBM)

- **शुरूआतः** 2 अक्टूबर, 2014 को।
- **उद्देश्यः** महात्मा गांधी की 150वीं जयंती (2 अक्टूबर, 2019) तक 'स्वच्छ भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना।

मुख्य विशेषताएंः

- **स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण):** खुले में शौच मुक्त (ODF) भारत बनाना, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन।
- **स्वच्छ भारत मिशन (शहरी):** शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शौचालय सुविधाओं का निर्माण, स्वच्छता जागरूकता।

free PDF & Notes - Click NOW

- **स्वच्छ भारत मिशन 2.0 (शहरी):** शहरी क्षेत्रों में कचरा मुक्त (Garbage Free) और जल सुरक्षित (Water Safe) शहरों का लक्ष्य, जिसका उद्देश्य 2026 तक सभी शहरों को ODF+ और ODF++ बनाना है।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** खुले में शौच से मुक्ति एक बड़ी उपलब्धि रही है। अब ध्यान ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सर्कुलर अर्थव्यवस्था और शहरों में व्यापक स्वच्छता पर केंद्रित है। 2025 में कचरे के पुनर्चक्रण और निपटान, शहरी स्वच्छता में सुधार, और स्वच्छता जागरूकता पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

(8) पोषण अभियान POSHAN Abhiyan)

- **शुरूआत :** 8 मार्च, 2018 को।
- **उद्देश्यः** बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण और एनीमिया को कम करना।

मुख्य विशेषताएं :

- विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय।
- पोषण संबंधी परिणामों को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग।
- जन आंदोलन और समुदाय की भागीदारी पर जोर।
- स्टंटिंग, कम वजन, एनीमिया और जन्म के समय कम वजन के बच्चों को कम करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** पोषण संकेतकों में सुधार देखा गया है। विशेष रूप से लक्षित जिलों में पोषण हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

(9) प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G)

- **शुरूआतः** 20 नवंबर, 2016 को (इंदिरा आवास योजना का पुनर्गठन)
- **उद्देश्यः** 2024 तक ''सभी के लिए आवास'' के लक्ष्य के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे घरों में रहने वाले सभी पात्र बेघर परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराना।

मुख्य विशेषताएं:

- मैदानी इलाकों में 1.20 लाख रू. और पहाड़ी/दुर्गम क्षेत्रों में 1.30 लाख रू. की वित्तीय सहायता।
- लाभार्थियों की पहचान SECC-2011 डेटा के आधार पर।
- यूनिट लागत केंद्र और राज्य के बीच साझा की जाती है। (60 : 40; हिमालयी/पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10)।
- स्वच्छ भारत मिशन (SBM) और महात्मा गांधी नरेगा के साथ अभिसरण।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** योजना का लक्ष्य 2024 तक सभी ग्रामीण घरों को कवर करना था, और प्रगति जारी है। कई राज्यों में लक्ष्य के करीब पहुंच गए हैं, और अंतिम बचे हुए परिवारों को कवर करने पर जोर दिया जा रहा है।

(10) प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)

- **शुरूआतः** 24 फरवरी, 2019 को।
- **उद्देश्यः** छोटे और सीमांत किसानों को आय सहायता प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएं:

- देश भर के सभी भूमिधारक किसान परिवारों को प्रति वर्ष 6,000 रू. की वित्तीय सहायता।
- यह राशि 2,000 रू. की तीन समान किस्तों में सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है।
- ई-केवाईसी और आधार सीडिंग अनिवार्य
- **नवीनतम अपडेट (2025):** लाखों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से वित्तीय सहायता मिल रही है। यह किसानों की आय बढ़ाने और उनकी कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने मे महत्वपूर्ण रही है।

(11) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)

free PDF & Notes - Click NOW

- **शुरूआतः** 18 फरवरी, 2016 को।
- **उद्देश्यः** प्राकृतिक आपदाओं, कीटों और बीमारियों के कारण फसल के नुकसान से किसानों को बीमा कवरेज और वित्तीय सहायता प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएंः

- किसानों द्वारा बहुत कम प्रीमियम का भुगतान (खरीफ फसलों के लिए 2%. रबी फसलों के लिए 1.5%, वाणिज्यिक/बागवानी फसलों के लिए 5%)।
- शेष प्रीमियम सरकार द्वारा वहन किया जाता है।
- फसल कटाई के बाद के नुकसान को भी कवर किया जाता है।
- प्रौद्योगिकी का उपयोग करके दावा निपटान प्रक्रिया में तेजी।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** किसानों के लिए जोखिम कवरेज में वृद्धि हुई है। योजना को किसानों के लिए और अधिक आकर्षक बनाने के लिए इसमें लगातार सुधार किए जा रहे हैं।

(12) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)

- **शुरूआतः** 1 जुलाई, 2015 को।
- **उद्देश्यः** 'हर खेत को पानी' के नारे के तहत सुनिश्चित सिंचाई कवरेज बढ़ाना और जल उपयोग दक्षता में सुधार करना।

मुख्य विशेषताएंः

- यह तीन मुख्य घटकों- त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (AIBP), प्रति बूंद अधिक फसल (Per Drop More Crop) और हर खेत को पानी (Har Khet Ko Pani) को एकीकृत करती है।
- सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप और स्प्रिंकलर) को बढ़ावा देना।
- जल संचयन संरचनाओं का निर्माण।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** देश में सिंचाई कवरेज और जल उपयोग दक्षता में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

(13) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)

- **शुरूआतः 2015 में (नवीनतम संस्करण PMKVY 4.0)।**
- **उद्देश्यः** देश के युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें रोजगार योग्य बनाना।
- **मुख्य विशेषताएंः**
- लघु अवधि प्रशिक्षण (STT) और विशेष परियोजनाएं (SP)।
- पूर्व शिक्षण की मान्यता (RPL)।
- प्रशिक्षित उम्मीदवारों को प्रमाणीकरण और प्लेसमेंट सहायता।
- क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रमों पर ध्यान।
- **नवीनतम अपडेट (2025) :** PMKVY 4.0 (2022 में लॉंच) अधिक रोजगार-उन्मुख और उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें नई पीढ़ी के कौशल जैसे एआई, कोडिंग, रोबोटिक्स, मेकाट्रॉनिक्स आदि शामिल है। रेल कौशल विकास योजना 2025 के तहत रेलवे में विभिन्न कौशलों में मुफ्त प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

(14) स्टार्टअप इंडिया (Startup India)

- **शुरूआतः** 16 जनवरी, 2016 को।
- **उद्देश्यः** भारत में स्टार्टअप्स के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना और नवाचार तथा उद्यमिता को बढ़ावा देना।

मुख्य विशेषताएंः

- सरलीकरण और सहायता (पेटेंट आवेदन में तेजी, अनुपालन बोझ कम करना)।
- सरकारी निधियों और उद्यम पूंजी तक पहुंच (फंड ऑफ फंड्स, सीड फंड)।
- श्रम और पर्यावरण कानूनों के लिए स्व-प्रमाणन।
- टैक्स प्रोत्साहन और छूट।
- इनक्यूबेटर और टिंकरिंग लैब तक पहुंच।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप पारिस्थितिकी प्रणालियों में से एक बन गया है। सरकार स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए नया वित्तपोषण तंत्र और नीतिगत समर्थन प्रदान कर रही है।

(15) मेक इन इंडिया (Make in India)

free PDF & Notes - Click NOW

- **शुरूआतः** 25 सितंबर, 2014 को।
- **उद्देश्यः** भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाना और घरेलू तथा विदेशी निवेश को आकर्षित करना।
- **मुख्य विशेषताएंः**
- 25 प्रमुख क्षेत्रों की पहचान।
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीतियों का उदारीकरण।
- विनिर्माण क्षेत्र की संवृद्धि दर को बढ़ाना और रोजगार सृजित करना।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि और विदेशी निवेश को आकर्षित करने में सफलता मिली है, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और रक्षा जैसे क्षेत्रों में। सरकार ने 2025 तक जीडीपी में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान 25% तक बढ़ाने और 100 मिलियन अतिरिक्त रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है।

(16) अग्निपथ योजना

- **शुरूआतः** जून 2022 को।
- **उद्देश्यः** भारतीय सशस्त्र बलों (सेना, नौसेना, वायु सेना) में युवाओं को 4 साल की अवधि के लिए ''अग्निवीर'' के रूप में भर्ती करना।

मुख्य विशेषताएंः

- आयु सीमाः 17.5 से 23 वर्ष।
- 4 साल की सेवा अवधि, जिसमें प्रशिक्षण अवधि शामिल है।
- सेवा निधि पैकेजः सेवा के अंत में एकमुश्त भुगतान (लगभग 11.71 लाख रू. कर-मुक्त)
- कौशल प्रमाण पत्र और ऋण सुविधा (अग्निवीर कौशल प्रमाण पत्र)।
- 25% अग्निवीरों को स्थायी कैडर में शामिल होने का अवसर।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** योजना का कार्यान्वयन जारी है और भारतीय सशस्त्र बलों में नई भर्ती प्रणाली के रूप में स्थापित हो गई है।

(17) प्रधानमंत्री अवास योजना - शहरी (PMAY-U)

- **शुरूआतः** 25 जून, 2015 को।
- **उद्देश्यः** 2022 तक शहरी क्षेत्रों में सभी पात्र परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराना। (लक्ष्य 2024 तक बढ़ाया गया)।

मुख्य विशेषताएंः

- चार कार्य क्षेत्र : इन-सीटू स्लम पुनर्विकास (ISSR), क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना (CLSS), साझेदारी में किफायती आवास (AHP), और लाभार्थी के नेतृत्व वाले व्यक्तिगत घर निर्माण/विस्तार (BLC)।
- कमजोर आय वर्ग (EWS) और निम्न आय वर्ग (LIG) को लक्षित।
- महिलाओं को प्राथमिकता।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** शहरी गरीबों के लिए आवास प्रदान करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। योजना का लक्ष्य पूरा होने के करीब है, और शहरी गरीबों के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित है।

(18) स्मार्ट सिटी मिशन (Smart Cities Mission)

- **शुरूआतः** 25 जून, 2015 को।
- **उद्देश्यः** देश भर में 100 शहरों को ''स्मार्ट'' बनाने के लिए स्थायी और समावेशी शहरी विकास को बढ़ावा देना।

मुख्य विशेषताएंः

- 'स्मार्ट' समाधानों (जैसे स्मार्ट मोबिलिटी, स्मार्ट एनर्जी, स्मार्ट वॉटर, ई-गवर्नेंस) को लागू करना।
- नागरिक-केंद्रित शहरी सेवाएं प्रदान करना।
- क्षेत्र-आधारित विकास और पैन-सिटी पहल।
- एक स्पेशल पर्पस व्हीकल (SPV) द्वारा कार्यान्वित।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** 100 स्मार्ट शहरों में परियोजनाओं का कार्यान्वयन तेजी से आगे बढ़ रहा है। कई शहरों ने विभिन्न स्मार्ट समाधानों को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे शहरी जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। जून 2025 में, स्मार्ट सिटी एसपीवी के पुनः उपयोग के लिए मंत्रालय ने परामर्श जारी किया है, जिससे शहरी विकास में इनकी भूमिका और मजबूत हो सके।

(19) अमृत मिशन (AMRUT - Atal Mission for REJUVENATION and Urban Transformation)

- **शुरूआतः** 25 जून, 2015 को।

free PDF & Notes - Click NOW

- **उद्देश्यः** शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं में सुधार करना, जैसे पानी की आपूर्ति, सीवरेज, तूफान जल निकासी, शहरी परिवहन और हरित स्थान।

मुख्य विशेषताएंः

- 500 शहरों को लक्षित।
- राज्य वार्षिक कार्य योजना (SAAP) के माध्यम से कार्यान्वयन।
- पानी की आपूर्ति और सीवरेज पर विशेष ध्यान।
- **नवीनतम अपडेट (2025)ः** शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए परियोजनाओं का कार्यान्वयन जारी है। अमृत 2.0 का लक्ष्य सभी शहरी घरों में कार्यात्मक नल कनेक्शन और सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन कवरेज प्रदान करना है।

(20) स्वदेशी दर्शन योजना

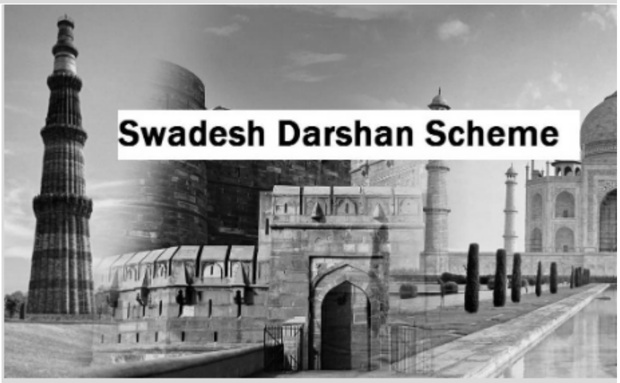

- **शुरूआतः** 2014-15 में
- **उद्देश्यः** भारत में थीम-आधारित पर्यटन सर्किटों का एकीकृत विकास करना।

मुख्य विशेषताएंः

- रामायण सर्किट, बौद्ध सर्किट, तटीय सर्किट, रेगिस्तान सर्किट आदि जैसे 15 थीम-आधारित सर्किटों को कवर करना।
- पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा 100% वित्त पोषण।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** विभिन्न सर्किटों में पर्यटन बुनियादी ढांचे का विकास जारी है। योजना का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

(21) समग्र शिक्षा अभियान

- शुरूआतः 2018-19 में (सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और शिक्षक शिक्षा की योजनाओं को मिलाकर)।
- **उद्देश्यः** स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना जो पूर्व-विद्यालय से बारहवीं कक्षा तक शिक्षा के सभी स्तरों को कवर करती है।

मुख्य विशेषताएंः

- शिक्षा के अधिकार (RTE) अधिनियम के प्रावधानों का विस्तार।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार।
- शिक्षक शिक्षा और प्रशिक्षण पर जोर।
- डिजिटल शिक्षा और प्रौद्योगिकी का एकीकरण।
- **नवीनतम अपडेड (2025):** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुरूप, समग्र शिक्षा अभियान का उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली में समग्र और गुणवत्तापूर्ण सुधार लाना है।

(22) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP)

बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ

- **शुरूआतः** 22 जनवरी, 2015 को।
- **उद्देश्यः** गिरते बाल लिंगानुपात (CSR) को संबोधित करना और बालिकाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।

मुख्य विशेषताएंः

- लिंग-आधारित चयन पर रोकथाम।
- बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करना।
- बालिकाओं की शिक्षा और भागीदारी सुनिश्चित करना।
- बहु-क्षेत्रीय हस्तक्षेपः स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास और शिक्षा मंत्रालय का समन्वय।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** लिंगानुपात में सुधार और शिक्षा में लड़कियों के नामांकन में वृद्धि में सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। सुकन्या समृद्धि खातों की संख्या 4 करोड़ से अधिक पहुंच गई है।

(23) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)- कार्यान्वयन

- **शुरूआतः** 29 जुलाई, 2020 को (नीति के रूप में)।
- **उद्देश्यः** भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप बनाना।

free PDF & Notes - Click NOW

मुख्य विशेषताएं (कार्यान्वयन के पहलू):

- स्कूली शिक्षा में 5+3+3+4 संरचित पाठ्यक्रम।
- व्यावसायिक शिक्षा पर जोर।
- बहुभाषावाद और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा।
- उच्च शिक्षा में लचीलापन और बहु-विषयक दृष्टिकोण।
- अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** NEP 2020 के विभिन्न प्रावधानों को चरणों में लागू किया जा रहा है, जिसमें पाठ्यक्रम सुधार, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षा पहल शामिल है।

(24) पीएम पोषण शक्ति निर्माण (प्रधानमंत्री पोषण योजना)

- **शुरूआतः** 2021 में (मध्याह्न भोजन योजना का नया नाम)।
- **उद्देश्यः** सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएंः

- बच्चों के पोषण स्तर में सुधार।
- नामांकन, प्रतिधारण और उपस्थिति बढ़ाना।
- ड्रॉप-आउट दर कम करना।
- मध्याह्न भोजन के अलावा अब पूरक पोषण भी शामिल किया गया है।
- **नवीनतम अपडेट (2025) :** योजना का कार्यान्वयन जारी है और इसका उद्देश्य स्कूलों में बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के परिणामों में सुधार करना है।

(25) प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)

- **शुरूआतः** 1 मई, 2016 को।
- **उद्देश्यः** ग्रामीण और गरीब घरों में स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन (LPG) उपलब्ध कराकर महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना।

मुख्य विशेषताएंः

- गरीबी रेखा से नीचे (BPL) परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना।
- जमा-मुक्त एलपीजी कनेक्शन और पहला रिफिल व हॉटप्लेट के लिए वित्तीय सहायता।
- लक्ष्य 8 करोड़ से बढ़ाकर 9.6 करोड़ एलपीजी कनेक्शन किया गया था, अब इसे और बढ़ाया जा रहा है।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** इस योजना ने ग्रामीण भारत में खाना पकाने के तरीके में क्रांति ला दी है, जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। 2025 में तीसरा चरण शुरू किया गया है, जिसके तहत गरीब परिवारों को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन दिए जा रहे हैं।

(26) जल जीवन मिशन (JJM)

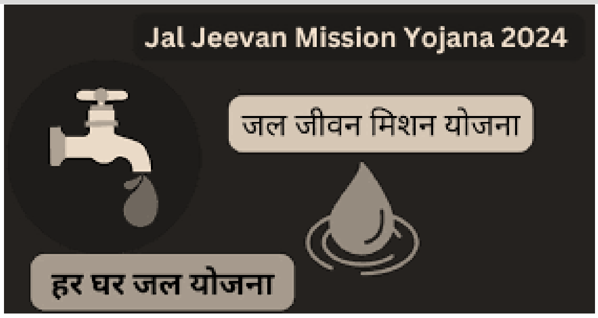

- **शुरूआतः** 15 अगस्त, 2019 को।
- **उद्देश्यः** 2024 तक देश के हर ग्रामीण घर में कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलबध कराना।

मुख्य विशेषताएंः

- 'हर घर जल' सुनिश्चित करना।
- समुदाय-आधारित दृष्टिकोण पर जोर।
- पेयजल स्रोतों का सतत प्रबंधन।
- ग्रेवाटर उपचार और पुनः उपयोग।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** मिशन ने ग्रामीण घरों में नल कनेक्शन के कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि की है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने लगभग 100% कवरेज हासिल कर लिया है। मार्च 2025 तक 14.56 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन मिले हैं, जो लगभग 73% कवरेज है।

(27) नमामि गंगे कार्यक्रम (Namami Gange Program)

- **शुरूआतः** जून 2014 को

free PDF & Notes - Click NOW

- **उद्देश्यः** गंगा नदी के प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम करना, संरक्षण और कायाकल्प करना।

मुख्य विशेषताएंः

- सीवरेज अवसंरचना विकास (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण)।
- औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण।
- नदी की सतह की सफाई।
- जैव-विविधता संरक्षण।
- वानिकी और गंगा ग्राम योजना।
- जन जागरूकता और भागीदारी।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** सीवरेज ट्रीटमेंट क्षमता में वृद्धि और नदी की स्वच्छता में सुधार देखा गया है। नमामि गंगे मिशन 2.0 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में 7 प्रमुख सीवरेज अवसंरचना परियोजनाएं पूरी हुई हैं।

(28) पीएम - सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना

- **शुरूआतः** फरवरी 2024 को।
- **उद्देश्यः** आवासीय उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना।

मुख्य विशेषताएंः

- 1 करोड़ घरों को प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करना।
- रूफटॉप और प्रणालियों की स्थापना के लिए सब्सिडी।
- लाभार्थियों को ऑनलाइन आवेदन और सहायता प्रदान की जाती है।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** यह एक नई योजना है जो देश में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने और बिजली के बिल को कम करने में मदद करेगी।

(29) डिजिटल इंडिया कार्यक्रम (Digital India Programme)

Digital India
Power To Empower

- **शुरूआतः** 1 जुलाई, 2015 को।
- **उद्देश्यः** भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलना।

मुख्य स्तंभः

- हर नागरिक के लिए उपयोगिता के रूप में ब्रॉडबैंड।
- मोबाइल कनेक्टिविटी तक सार्वभौमिक पहुंच।
- सार्वजनिक इंटरनेट एक्सेस कार्यक्रम।
- ई-गवर्नेंसः प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकार में सुधार।
- ई-क्रांतिः सेवाओं की इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी।
- सभी के लिए सूचना।
- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण।
- आईटी फॉर जॉब्स।
- अर्ली हार्वेस्ट कार्यक्रम।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** डिजिटल इंडिया ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं, जैसे ऑनलाइन सरकारी सेवाएं, डिजिटल भुगतान, डिजिटल साक्षरता और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण।

(30) स्टैंड-अप इंडिया योजना (Stand-Up India Scheme)

- **शुरूआतः** 5 अप्रैल, 2016 को।
- **उद्देश्यः** महिला उद्यमियों और अनुसूचित जाति/जनजाति समुदायों के महिलाओं को विनिर्माण सेवा या व्यापार क्षेत्र में ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएंः

- बैंकों द्वारा 10 लाख रू. से 1 करोड़ रू. तक के ऋण।
- समर्थन और मार्गदर्शन के लिए SIDBI द्वारा 'स्टैंड-अप मित्र' पोर्टल।
- मार्जिन मनी और क्रेडिट गारंटी।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** इस योजना ने महिला और SC-ST उद्यमियों के लिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में मदद मिली है। 84% लोन स्टैंडअप इंडिया में महिलाओं को उपलबध कराए गए हैं।

(31) पीएम विश्वकर्मा योजना (PM Vishwakarma Yojana)

पी एम विश्वकर्मा
सम्मान · सामर्थ्य · समृद्धि

- **शुरूआतः** 17 सितंबर, 2023 को।

free PDF & Notes - Click NOW

- **उद्देश्यः** पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों (विश्वकर्मा समुदाय) का समर्थन करना और उनके कौशल को बढ़ाना।

मुख्य विशेषताएंः
- प्रशिक्षण (7 दिन से 15 दिन तक) और मासिक वजीफा।
- आधुनिक उपकरण खरीदने के लिए 15,000 रू. की टूलकिट प्रोत्साहन।
- 1 लाख रू. (पहली किश्त) और 2 लाख रू. (दूसरी किश्त) तक के संपार्श्विक-मुक्त ऋण, 5% की रियायती ब्याज दर पर।
- डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन।
- मार्केटिंग और ब्रांडिंग सहायता।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** यह योजना पारंपरिक कला और शिल्प को पुनर्जीवित करने और कारीगरों की आय बढ़ाने में सहायक है। प्रशिक्षण और ऋण वितरण की प्रक्रिया चल रही है।

(32) ई-नाम (e-NAM - National Agriculture Market)

- **शुरूआतः** अप्रैल 2016 को।
- **उद्देश्यः** पूरे भारत में कृषि उपज के लिए एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म बनाना।

मुख्य विशेषताएंः
- किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त करने मे मदद।
- पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना।
- मंडियों के बीच व्यापार की सुविधा।
- किसानों के लिए अधिक विकल्प।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** ई-नाम प्लेटफॉर्म पर अधिक मंडियों को जोड़ा जा रहा है, और इसमें पंजीकृत किसानों और व्यापारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

(33) प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)

- **उद्देश्यः** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के तहत आने वाले लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलबध कराना।

मुख्य विशेषताएंः
- NFSA के तहत प्रत्येक व्यक्ति को प्रति माह 5 किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न (गेहूं/चावल)।
- यह NFSA के तहत मिलने वाले सामान्य राशन से अतिरिक्त है।
- दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** योजना को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया गया है। यह 81.35 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न सुनिश्चित कर रही है और देश में खाद्य सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

(34) दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- **शुरूआतः** जून 2011 (आजीविका-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के रूप में)।
- **उद्देश्यः** ग्रामीण गरीब परिवारों को स्व-सहायता समूहों (SHG) में संगठित करके और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके गरीबी कम करना।

मुख्य विशेषताएंः
- स्व-सहायता समूहों का गठन और क्षमता निर्माण।
- परिक्रमी निधि और सामुदायिक निवेश निधि।
- बैंक ऋण तक पहुंच।
- कौशल विकास और आजीविका के अवसर।
- **नवीनतम अपडेट (2025) DAY-NRLM** ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और आजीविका के सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ''नमो ड्रोन दीदी'' योजना (2023-24 से 2025-26 तक) के तहत स्वयं सहायता समूहों को 15,000 ड्रोन दिए जाने हैं।

(35) पीएम स्वनिधि (PM SVANidhi - PM Street Vendor's AtmaNirbhar Nidhi)

free PDF & Notes - Click NOW

- **शुरूआतः** 1 जून, 2020 को।
- **उद्देश्यः** कोविड-19 महामारी से प्रभावित स्ट्रीट वेंडरों को अपनी आजीविका फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करना।
- **मुख्य विशेषताएंः**
- 10,000 रू. तक का संपार्श्विक-मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण (पहले चरण में)।
- नियमित चुकौती पर 7% ब्याज सब्सिडी।
- डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए कैशबैक प्रोत्साहन।
- दूसरे और तीसरे चरण में क्रमशः 20,000 रू. और 50,000 रू. तक का ऋण।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** लाखों स्ट्रीट वेंडरों को इस योजना से लाभ हुआ है, जिससे उन्हें अपनी आजीविका बनाए रखने और विस्तार करने में मदद मिली है।

(36) वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना (VPBY)

- **शुरूआतः** 2014-15 (LIC के माध्यम से संचालित)।
- **उद्देश्यः** 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को एक सुनिश्चित मासिक पेंशन प्रदान करना।
- **मुख्य विशेषताएंः**
- एकमुश्त निवेश के माध्यम से पेंशन।
- 8% प्रति वर्ष की सुनिश्चित रिटर्न दर।
- जीवन पर्यंत पेंशन की गारंटी।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में यह योजना महत्वपूर्ण है।

(37) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)

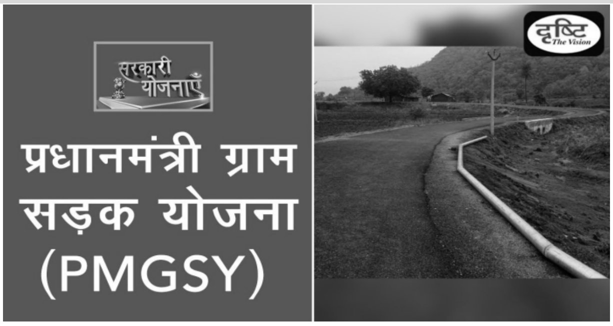

- **शुरूआतः** 25 दिसंबर, 2000 को।
- **उद्देश्यः** ग्रामीण क्षेत्रों में सभी पात्र असंबद्ध बस्तियों को बारहमासी सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करना।
- **मुख्य विशेषताएंः**
- 'सभी मौसम' सड़कों का निर्माण।
- अपग्रेडेशन और रख-रखाव पर भी ध्यान।
- PMGSY-III का लक्ष्य ग्रामीण कृषि बाजारों, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों और अस्पतालों को जोड़ना।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** ग्रामीण कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवसाय और सामाजिक विकास को बढ़ावा मिला है। PMGSY-IV की भी चर्चा है।

(38) उड़े देश का आम नागरिक (UDAN - Ude Desh Ka Aam Nagrik)

- **शुरूआतः** 2016 को।
- **उद्देश्यः** क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाना और हवाई यात्रा को आम नागरिक के लिए किफायती बनाना।
- **मुख्य उद्देश्यः**
- किफायती हवाई किराया।
- छोटे और हवाई अड्डों का विकास।
- विमानन क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करना।
- **नवीनतम अपडेट (2025): UDAN** योजना के तहत कई नए मार्ग शुरू किए गए हैं, जिससे क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है और पर्यटन तथा व्यापार को बढ़ावा मिला है।

(39) राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (National Mission for Clean Ganga - NMCG)

- **शुरूआतः** 2011 में एक प्राधिकरण के रूप में, 2016 में एक मिशन के रूप में पुनर्गठित।
- **उद्देश्यः** गंगा नदी के प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम करना और उसके स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बहाल करना।
- **मुख्य विशेषताएं;**
- नमामि गंगे कार्यक्रम का कार्यान्वयन।
- गंगा नदी बेसिन के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण।
- सीवरेज और औद्योगिक प्रदूषण के लिए उपचार संयंत्रों का निर्माण।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** गंगा नदी की स्वच्छता और अविरलता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परियोजनाएं जारी हैं।

free PDF & Notes - Click NOW

भारतीय रेलवे का आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यक्रम

- **शुरूआतः** निरंतर प्रक्रिया।
- **उद्देश्यः** रेलवे नेटवर्क का आधुनिकीकरण और विस्तार करना, गति, सुरक्षा और दक्षता में सुधार करना।
- **मुख्य विशेषताएंः**
- बुलेट ट्रेन परियोजनाएं (जैसे मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल)।
- वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों का परिचय।
- रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास।
- ट्रैक विद्युतीकरण और दोहरीकरण।
- नई फ्रेट कॉरिडोर परियोजनाओं का विकास।
- **नवीनतम अपडेट (2025):** भारतीय रेलवे का नेटवर्क तेजी से आधुनिकीकरण और विस्तार कर रहा है, जिससे यात्रियों और माल ढुलाई दोनों के लिए कनेक्टिविटी और दक्षता में सुधार हो रहा है।

बिहार सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाएँ

1. मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना
आरंभ होने का वर्ष	वर्ष 2018
लाभ	राज्य की कन्या शिशु को बैंको के माध्यम से कुल 3000 रूपए की आर्थिक सहायता।
नोडल एजेंसी	महिला विकास निगम, बिहार।

2. बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना
आरंभ होने की तिथि एवं वर्ष	2 अक्टूबर 2016
लाभ	उच्च शिक्षा हेतु छात्रों को 4 लाख रूपये तक का लोन।
नोडल एजेंसी	• शिक्षा विभाग, बिहार सरकार • योजना एवं विकास विभाग, बिहार, सरकार • श्रम संशाधन विभाग, बिहार, सरकार।

3. बिहार राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना

बिहार राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अन्तर्गत 60 से 64 वर्ष आयु के वैसे गरीब परिवार के व्यक्ति जिनकी आय शहरी क्षेत्रों में रू. 5500/- वार्षिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रू. 5000/- वार्षिक से कम हो, को रू. 300/- प्रतिमाह प्रति पेंशनधारी की दर से पेंशन दिया जाता है।

- इसमें बंधुआ मजदूर के मामले में आय एवं उम्र की सीमा लागू नहीं है।
- इस योजना का कार्यान्वयन वर्ष 1974 से किया जा रहा है।

4. बिहार मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना दिशा-निर्देशः

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना
आरंभ होने का वर्ष	2018
लाभ	• बिहार मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्ति को निम्नलिखित लाभ प्रदान किये जायेंगे- • अनुदान की राशि वाहन के खरीद मूल्य से 50% तक की राशि अथवा अधिकतम 1 लाख रूपए। • ई-रिक्शा के खरीदने की स्थिति में खरीद मूल्य का 50% परंतु अधिकतम 70,000 रूपए।

free PDF & Notes - Click NOW

5. मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम योजनाः-

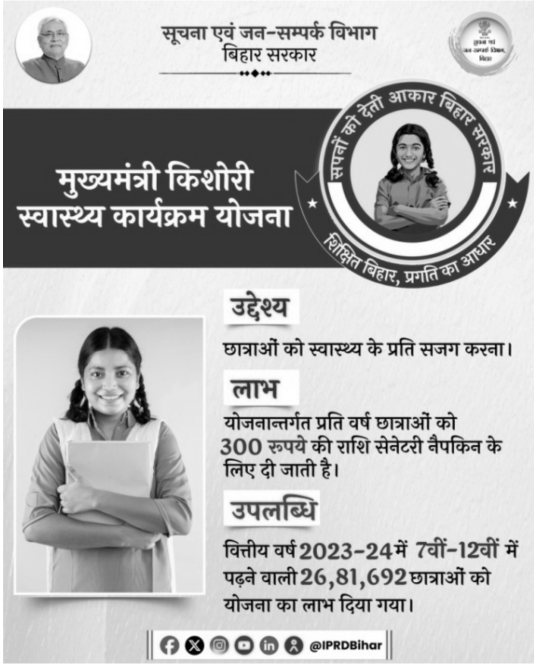

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना
आरंभ होने का वर्ष	वर्ष 2018
लाभ	सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाली बालिकाओं को सैनिटरी नैपकीन का प्रयोग करने के लिए आर्थिक सहायता।

6. बिहार मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति सिविल सेवा प्रोत्साहन योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना
लाभार्थी	राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी।
लाभ	बिहार मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्ति को निम्नलिखित लाभ प्रदान किये जायेंगेः ● सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा (UPSC) की प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर 1 लाख रूपये की एकमुश्त धनराशि। ● संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (BPSC) की प्रारम्भिक परीक्षा में सफल होने पर 50,000 रूपये की एकमुश्त धनराशि।

7. बिहार मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना
आरंभ होने की तिथि	2021
लाभ	बिहार मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्ति को निम्नलिखित लाभ प्रदान किये जायेंगेः- ● महिला को कुल 10 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि दी जाएगी। ● जिसमें उन्हें 5 लाख ऋण के तौर पर मिलेंगे और 5 लाख सरकार अनुदान के रूप में उन्हें देगी। ● योजना में चयन के बाद लाभार्थियों को प्रशिक्षण के लिए प्रति इकाई 25,000 रूपये का भी व्यवस्था की जाएगी। ● यह योजना बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2016 का भी लाभ प्रदान करेगी।

8. बिहार मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना
आरंभ होने की तिथि	2022

free PDF & Notes - Click NOW

लाभ	योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्ति को मत्स्य पालन करने के लिए तालाब निर्माण करवाने पर निम्नलिखित रूप से अनुदान दिया जाएगाः- ● अन्य वर्गों के लाभार्थियों को 50% का अनुदान दिया जाएगा। ● अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए 70% दिया जाएगा। ● उद्यमी आधारित वर्ग के लिए 30% अनुदान दिया जाएगा।

9. सम्पूर्ण टीकाकरण योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	सम्पूर्ण टीकाकरण योजना
आरंभ होने की तिथि	वर्ष 2018
लाभ	कन्या की आयु 2 वर्ष पूरा होने पर सम्पूर्ण टीकाकरण कराने के उपरांत बैंक खाते में 2000 रूपए।

10. बिहार कबीर अंत्येष्ठि अनुदान योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार कबीर अंत्येष्ठि अनुदान योजना
आरंभ होने का वर्ष	2007
लाभ	` 3000/- बिहार सरकार के द्वारा एकमुश्त राशि अंत्येष्ठि क्रिया के लिए दिया जाएगा।
लाभार्थी	राज्य के बीपीएल परिवार।

11. बिहार मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावास अनुदान योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावास अनुदान योजना
लाभ	छात्रावास में रहने वाले को 1,000/- रूपए प्रतिमाह छात्रावास अनुदान दिया जाएगा।
लाभार्थी	अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र

12. मुख्यमंत्री बालिका साइकिलः-

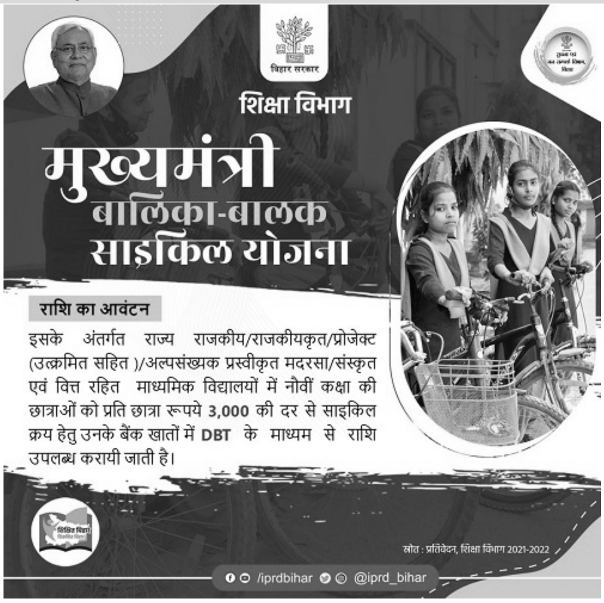

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	मुख्यमंत्री बालिका साइकिल
आरंभ होने का वर्ष	2017
लाभ	साइकिल खरीदने के लिए छात्रों को ` 3000 रूपए की आर्थिक सहायता।
लाभार्थी	राज्य के बीपीएल परिवार।

13. बिहार सम्बल योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार सम्बल योजना
लाभ	● निशुल्क कृत्रिम अंग एवं विशेष उपकरण। ● स्वरोजगार के लिए अधिकतम 2,00,000/- रूपए तक के ऋण की सुविधा ● विशेष विद्यालयों में शिक्षा एवं छात्रवृत्ति।

14. मुख्यमंत्री बालिका स्नातक प्रोत्साहन योजना दिशा-निर्देशः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	मुख्यमंत्री बालिका स्नातक प्रोत्साहन योजना।
आरंभ होने की तिथि	वर्ष 2018
लाभ	बालिका के स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 25,000/- रूपये की प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी।

15. बिहार मुख्यमंत्री महिला सिविल सेवा प्रोत्साहन योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार मुख्यमंत्री महिला सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना
लाभार्थी	राज्य के सिविल सेवा उत्तीर्ण अभ्यर्थी

free PDF & Notes - Click NOW

लाभ	बिहार मुख्यमंत्री सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्ति को निम्नलिखित लाभ प्रदान किये जायेंगे:- ● सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा (UPSC) की प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर 1 लाख रूपये की एकमुश्त धनराशि। ● संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (BPSC) की प्रारम्भिक परीक्षा में सफल होने पर 50,000 रूपये की एकमुश्त धनराशि।

16. बिहार निर्माण श्रमिक मातृत्व लाभ सहायता योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार निर्माण श्रमिक मातृत्व लाभ सहायता योजना
लाभार्थी	राज्य की महिला निर्माण श्रमिक
लाभ	निर्माण श्रमिक महिला को बच्चे के जन्म के उपरान्त न्यूनतम 90 दिनों की मजदूरी की समतुल्य राशि।

17. युद्ध सम्मान योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	युद्ध सम्मान योजना
लाभ	15 लाख रूपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता।
लाभार्थी	● थल, वायु और नौसेना के पूर्व सैनिक। ● केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के पूर्व सैनिक।

18. बिहार छत पर बागवानी योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	बिहार पर बागवानी योजना
आरंभ होने का वर्ष	2022
लाभ	बिहार छत पर बागवानी योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्ति को निम्नलिखित लाभ प्रदान किये जायेंगे:- ● इस योजना के तहत मकान के छत पर 300 वर्ग फीट का खुला हुआ स्थान पर छत पर बागवानी लगाई जाएगी। ● प्रति इकाई 300 वर्ग फीट की कुल लागत 50,000 रूपए है, जिस पर 50 प्रतिशत (25,000) अनुदान सरकार द्वारा दिया जायेगा।

19. निक्षय पोषण योजनाः-

योजना अवलोकन	
योजना का नाम	निक्षय पोषण योजना
आरंभ होने का वर्ष	2018
लाभ	500 रूपये की मासिक आर्थिक सहायता या सामान कीमत के खाद्य उत्पाद।
लाभार्थी	टीबी के मरीज।

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किसे समुदाय विकास के पहले कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया गया था?

(a) सहयोग आन्दोलन
(b) राष्ट्रीय विस्तार सेवा
(c) एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (b) : समुदाय विकास के पहले कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विस्तार सेवा को स्थापित किया गया था। राष्ट्रीय विस्तार सेवा कार्यक्रम अप्रैल, 1953 ई. में तैयार किया गया था। इसका उद्घाटन 2 अक्टूबर, 1953 ई. को हुआ था। इसका गठन तब किया गया था। जब भारत सरकार ने महसूस किया सामुदायिक विकास कार्यक्रम जिसे 1952 ई. में बनाया गया था वित्त की कमी के कारण पूरे भारत में लागू नहीं किया जा सकता था।

free PDF & Notes - Click NOW

2. जल जीवन मिशन की सकल बजट राशि है
(a) ₹ 70,000करोड़
(b) ₹ 72,000 करोड़
(c) ₹ 75,000 करोड़
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं
BPSC TRE(2.0) 14/12/2023

Ans. (a) : जल जीवन मिशन की सकल बजट राशि ''70,000 करोड़ रुपए है। इस मिशन के तहत वर्ष 2024 तक देश के हर ग्रामीण घर को नल से जल सुलभ कराने के लिए वर्ष 2019 में शुरू किए गए जल जीवन मिशन का लक्ष्य हासिल करना है।

3. 'स्वच्छ भारत मिशन' कब प्रारम्भ हुआ?
(a) 2 अगस्त, 2015 (b) 2 सितंबर, 2016
(c) 2 अक्टूबर, 2014 (d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं
BPSC TRE(3.0) 15/03/2024 Cancelled(P1)

Ans. (c) : स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत 2 अक्टूबर, 2014 को एक राष्ट्रीय आंदोलन के तौर पर शुरु किया गया। इस मिशन का उद्देश्य महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती तक भारत को ''खुले में शौंच से मुक्त'' बनाना था।

4. केन्द्र सरकार ने 'अटल भूजल योजना' की समयावधि को बढ़ाया है
(a) 2025 तक (b) 2027 तक
(c) 2030 तक (d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं
BPSC TRE(3.0) 15/03/2024 Cancelled(P1)

Ans. (b) : अटल भूजल योजना (अटल जल) को 25 दिसंबर, 2019 में शुरु किया गया है। इसमें भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय और विश्व बैंक की भागीदारी 50 : 50 की हैं इसके लिए `6000 करोड़ का वित्त आबंटन किया गया है। इस योजना की समयावधि वर्ष 2020 से 2025 तक थी किन्तु वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण योजना की समयावधि बढ़ाकर वर्ष 2027 तक कर दिया गया।

5. निम्नलिखित में से कौन-सी पंचवर्षीय योजना, मानव संसाधन विकास पर केन्द्रित थी?
(a) पंचम
(b) प्रथम
(c) तृतीय
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं
68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (e) : आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97) मानव संसाधन विकास पर केन्द्रित थी। इस योजना का लक्ष्य जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना, गरीबी कम करना, रोजगार सृजन, बुनियादी ढ़ाँचे के विकास को मजबूत करना, पर्यटन का प्रबंधन करना आदि था। आठवीं योजना ने उद्यागों के आधुनिकीकरण को बढ़ावा दिया। इसने विकेन्द्रीकरण के माध्यम से पंचायतों और नगरपालिकाओं को शामिल करने पर भी जोर दिया। इस योजना में लक्षित वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत थी लेकिन वास्तविक विकास दर अविश्वनीय रूप से 6.8 प्रतिशत रही।

6. पंचवर्षीय योजना के उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन-से थे?
1. विकास 2. आधुनिकीकरण
3. आत्मनिर्भरता 4. साहित्य
(a) केवल 1, 2 और 4
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं
68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (e) : पंचवर्षीय योजनाओं की शुरुआत प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा वर्ष 1951 में की गई थी। यह भारत की राष्ट्रीय योजना है जो प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में योजना आयोग द्वारा विकसित और कार्यान्वित होती थी। वर्ष 2015 से योजना आयोग का स्थान नीति आयोग ने ले लिया है पंचवर्षीय योजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है–
1. आर्थिक संवृद्धि एवं विकास 2. आधुनिकीकरण
3. आत्मनिर्भरता 2. समानता व न्याय
5. सुरक्षा व शान्ति

7. बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि एवं सहायक क्षेत्र के लिए निम्न में से किस एक औसत वार्षिक विकास दर का लक्ष्य रखा गया था?
(a) 3.0 प्रतिशत (b) 3.5 प्रतिशत
(c) 4.0 प्रतिशत (d) 4.5 प्रतिशत
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) 64th BPSC (Pre) 2018-19

व्याख्या– 12वीं पंचवर्षीय योजना का काल 2012-2017 तक था। इसके अन्तर्गत विशेष जोर स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, सिंचाई और जल संसाधन पर था। इस योजना का उद्देश्य तीव्र, अधिक समावेशी एवं सतत वृद्धि से देश का चहुमुखी विकास करना था। इनमें 8 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य रखा गया था। इस पंचवर्षीय योजना में कृषि एवं सहायक क्षेत्र में 4 प्रतिशत की वृद्धि दर का लक्ष्य रखा गया था।

8. भारत में पहली पंचवर्षीय योजना का आधार था–
(a) हैरोड-डोमर मॉडल (b) महालनोबिस मॉडल
(c) दादाभाई नौरोजी मॉडल (d) जे.एल. नेहरू मॉडल
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) 60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17

व्याख्या–प्रथम पंचवर्षीय योजना हैरड-डोमर मॉडल पर आधारित थी। जिसकी अवधि 1 अप्रैल, 1951 से 31 मार्च, 1956 तक थी। प्रथम योजना में मुख्य प्राथमिकता कृषि एवं सिंचाई क्षेत्र को दिया गया। प्रथम योजना में लक्षित विकास दर 2.1% के मुकाबले 3.6% की विकास दर की प्राप्ति हुई। प्रथम योजना में भाखड़ा नांगल, दामोदर घाटी एवं हीराकुण्ड जैसी बहुउद्देशीय नदी परियोजनाएँ चालू की गयी। सामुदायिक विकास कार्यक्रम 1952 (Community Development Programme) तथा राष्ट्रीय प्रसार सेवा (National Extension Services) जैसी योजनाएं इस दौरान प्रारम्भ की गयी थी।

9. 'प्रधानमंत्री किसान योजना' सम्बन्धित है
(a) 2.5 हेक्टेयर तक कृषियोग्य भूमि से
(b) चार बराबर किस्त से
(c) लगभग 10 करोड़ किसान परिवार से
(d) कटाई के पहले की आकस्मिक आवश्यकता से
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC DACO 2021

free PDF & Notes - Click NOW

Ans. (e) : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना का औपचारिक रूप से शुभांरभ प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 फरवरी, 2019 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से किया गया। इस योजना के तहत प्रति वर्ष 6000 रूपये की राशि को 2000 रुपये की तीन मासिक किस्तों में प्रत्येक चौथे माह किसानों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरण किया जाता है। इस योजना के तहत प्रारंभ में पूरे देश में 2 हेक्टेअर तक की कृषि योग्य भूमि रखने वाले सभी छोटे और सीमांत किसानों के परिवारों को आय सहायता प्रदान की गई किन्तु 01 जून, 2019 से इसके दायरे को विस्तारित करते हुए देश के सभी खेतिहर किसान परिवारों को इसमें शामिल कर लिया गया। हॉलाकि पिछले मूल्यांकन वर्ष में, आयकर अदा करने वाले प्रभावशाली पेशेवर किसानों को इस योजना से बाहर रखा गया है। कृषि जनगणना 2015-16 के आधार पर इस योजना के अन्तर्गत आने वाले लाभार्थियों की कुल संख्या लगभग 14 करोड़ है।

10. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) का बीमा मूल्य है

(a) 2% तक खरीफ फसल के लिए
(b) 2% तक रबी फसल के लिए
(c) 5% तक वाणिज्यिक और बागवानी फसल के लिए
(d) 1.5% तक दुग्ध उत्पाद के लिए
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC DACO 2021

Ans. (e) : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की घोषणा 13 जनवरी, 2016 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई। इस योजना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, कीट और रोगों के परिणामस्वरूप अधिसूचित फसल में से किसी की विफलता की स्थिति में किसानों को बीमा कवरेज और वित्तीय सहायता प्रदान करना हैं इसके अन्तर्गत रबी, खरीफ, वाणिज्यिक एवं बागवानी फसलें शामिल की गई है। देय प्रीमियम राशि के रूप में किसानों द्वारा सभी खरीफ फसलों के लिए 2% एवं सभी रबी फसलों के लिए 1.5% का एक समान प्रीमियम भुगतान किया जाना है। वाणिज्यिक एवं बागवानी फसलों के मामले में प्रीमियम केवल 5% निर्धारित है।

11. 'जीवंत ग्राम कार्यक्रम' के सम्बन्ध में सही कथन का चयन कीजिए:

(a) यह बिहार में सड़क संपर्क के विकास के लिए है।
(b) यह भारत के महाराष्ट्र राज्य के लिए है।
(c) इसकी शुरूआत साल 2017 में हुई थी।
(d) यह उत्तरी सीमा पर सीमावर्ती गाँवों के विकास के लिए है।
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)2022

Ans. (d) : ''जीवंत ग्राम कार्यक्रम'' (वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-VVP) मुख्य रूप से चीन के साथ सीमा पर दूरस्थ बस्तियों में सामाजिक एवं वित्तीय बुनियादी ढ़ाँचे में सुधार के लिए बजट प्रस्तावों में घोषित एक सरकारी योजना है। यह ग्रामीण विकास मंत्रालय की एक पहल है।

12. निम्न में से कौन-सा एक 'मनरेगा' का उद्देश्य है?

(a) परिसम्पत्तियों का निर्माण करना
(b) सूक्ष्म-सिंचाई को प्रोत्साहित करना
(c) जल प्रबन्धन
(d) ग्रामीण आय को बढ़ाना
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **64th BPSC (Pre) 2018-19**

व्याख्या– महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी अधिनियम (मनरेगा/MNREGA) भारत में लागू एक रोजगार गारंटी योजना है, जिसे सितम्बर, 2005 में संसद द्वारा पारित की गयी थी। यह योजना प्रत्येक वित्तीय वर्ष में किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराती है। यह योजना 2 फरवरी, 2006 को देश के 200 जिलों में शुरू हुई। 1 अप्रैल 2008 को इसे अन्तत: भारत के सभी जिलों में लागू कर दिया गया। 2 अक्टूबर 2009 को अधिनियम में संशोधन के द्वारा नरेगा का नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कर दिया गया। मनरेगा का उद्देश्य टिकाऊ परिसम्पत्तियों का निर्माण करना तथा ग्रामीण आय बढ़ाना है।

13. सर्वोदय योजना का प्रस्ताव दिया था-

(a) विनोबा भावे ने
(b) एम. जी. गांधी ने
(c) राम मनोहर लोहिया ने
(d) जयप्रकाश नारायण ने
(e) इनमें से कोई नहीं/ उपरोक्त दिए गए विकल्पों में एक से अधिक।

BPSC Project Manager (Pre) 2020

Ans. (d) सर्वोदय योजना का प्रस्ताव जय प्रकाश नारायण ने दिया था। यह योजना विनोबा भावे के सर्वोदय के विचार से प्रेरित थी। इस योजना में कृषि और लघु एवं कुटीर उद्यमों पर प्रकाश डाला गया। इसने भूमि सुधारों और विकेन्द्रीकृत भागीदारी योजना के साथ-साथ विदेशी तकनीकों से मुक्ति पर भी जोर दिया।

14. दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (DDU – GKY) की शुरुआत भारत सरकार द्वारा किस मंत्रालय के तहत की गई थी?

(a) ग्रामीण विकास
(b) मानव संसाधन विकास
(c) कौशल विकास एवं उद्यमिता
(d) श्रम एवं रोजगार
(e) इनमें से कोई नहीं/ उपरोक्त दिए गए विकल्पों में एक से अधिक।

BPSC Project Manager (Pre) 2020

Ans. (a) दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (DDU-GKY) की शुरूआत ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014 में की गई थी।

15. बिहार के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना में प्रस्तावित खर्च की कुल राशि थी-

(a) 10,000 करोड़ रूपए (b) 13,000 करोड़ रूपए
(c) 15,000 करोड़ रूपए (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(b) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

व्याख्या– 8वीं पंचवर्षीय योजना में बिहार के लिए प्रस्तावित खर्च 13000 करोड़ रुपए था जबकि 12वीं पंचवर्षीय योजना में यह खर्च बढ़कर 2,28,452 करोड़ रुपए हो गया था। 8 वीं पंचवर्षीय योजना का समय 1992-1997 तक था।

16. निम्न में से कौन-सा एक, बिहार राज्य की ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना का सामाजिक-आर्थिक लक्ष्य नहीं था?

(a) कृषि जी.डी.पी. को 4.0 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ाना
(b) 70 मिलियन नए कार्य अवसरों का सृजन

free PDF & Notes - Click NOW

(c) शिक्षित बेरोजगारी को 5.0 प्रतिशत से नीचे तक लाना
(d) अकुशल श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी दर को 50 प्रतिशत तक बढ़ाना

उत्तर-(b) BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016

व्याख्या– हालांकि, 70 मिलीयन नये कार्य अवसरो का सृजन ग्यारवीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य नही था। इसके बजाय, इस योजना में 58 मिलियन रोजगार अवसरों के सृजन का लक्ष्य रखा गया था।
ग्यारवीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य कृषि जीडीपी को 4% बढाना था तथा शिक्षित बेरोजगारी को 5% से कम करना एवं अकुशल श्रमिको की वास्तविक मजदूरी दर को 50% तक बढाना था।

17. बिहार सरकार की मिशन 'दक्ष' पहल का सम्बन्ध है
(a) शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों से
(b) आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों से
(c) अनाथ छात्रों से
(d) पिछड़े वर्ग के छात्रों से

Bihar Agriculture-2023
BPSC TRE(3.0) 15/03/2024 Cancelled(P2)

Ans. (a) : बिहार सरकार द्वारा 1 दिसंबर, 2023 को मिशन दक्ष शुरू किया गया था। दक्ष मिशन बीच में स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या कम करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस योजना के तहत कक्षा 3 से 8 तक के कमजोर छात्रों को विशेष रूप से हिन्दी, गणित और अंग्रेजी की कक्षाएँ प्रदान की जाती है। दक्ष कक्षाएँ दोपहर में 3:30 से 4:15 के बीच संचालित की जा रही है। दक्ष का पूरा नाम Dynamic Approach for knowledge and skill है।

18. बिहार में निम्नलिखित में से कौन-सी योजना राज्य में लैंगिक असमानताओं से सबंधित है?
(a) लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना
(b) मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना
(c) मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

BPSC TRE(3.0) 15/03/2024 Cancelled(P2)

Ans. (b) : मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना का उद्देश्य महिलाओं के विकास से संबंधित सामाजिक सशक्तिकरण, सांस्कृतिक सशक्तिकरण और आर्थिक सशक्तिकरण से संबंधित एकीकृत कार्य हैं। इसके अंतर्गत 60 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाली महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है।
इसके साथ ही महिलाओं से संबंधित सूचनाओं के संग्रहण भण्डारण, प्रकाशन एवं प्रसार, अनुसंधान एवं विकास हेतु बिहार राज्य महिला सूचना एवं संसाधन केन्द्र/जेंडर रिसोर्स सेंटर संचालित है।

19. निम्नलिखित में से कौन-सा बिहार कौशल विकास मिशन का कार्य है?
(a) प्रक्रिया और मानदंडों का मानकीकरण
(b) वेब-आधारित प्रशिक्षण वितरण और केंद्रीकृत निगरानी प्रदान करना
(c) प्लेसमेंट की सुविधा हेतु उद्योग इंटरफेस के लिए एक साझा मंच प्रदान करना
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

BPSC TRE(3.0) 15/03/2024 Cancelled(P2)

Ans. (d) : बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2016 में बिहार कौशल विकास मिशन की शुरूआत की है। इसके प्रमुख कार्य-युवाओं कौशल प्रदान करने के लिए प्रक्रिया और मानदंडों का मानकीकरण, वेब आधारित प्रशिक्षण वितरण और केन्द्रीकृत निगरानी प्रदान करना और प्लेसमेंट की सुविधा हेतु उद्योग इंटरफेस के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है। इस मिशन के लाभार्थी 15-25 वर्ष के 10वीं पास युवा हैं। उत्तर विकल्प (d) है, उपर्युक्त में से एक से अधिक।

20. किस प्रधान मंत्री के नाम से राष्ट्रीय सौर्य मिशन की शुरुआत की गई?
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) राजीव गाँधी
(c) अटल बिहारी वाजपेई (d) नरेन्द्र मोदी
(e) इनमें से कोई नहीं/उपरोक्त दिए गए विकल्पों में एक से अधिक।

BPSC Project Manager (Pre) 2020

Ans. (a): जवाहर लाल नेहरु के नाम से राष्ट्रीय सौर्य मिशन की शुरुआत 11 जनवरी, 2010 को की गयी थी। इसका उद्देश्य वर्ष 2022 तक 20 हजार मेगा वाट ग्रिड संयोजित सौर्य विद्युत क्षमता का विकास करना है।

21. वह विकल्प चुनिए, जो बिहार की 'सात निश्चय भाग-2 योजना' का हिस्सा नहीं है:
(a) युवा शक्ति- बिहार की प्रगति
(b) सशक्त महिला, सक्षम महिला
(c) हर खेत में सिंचाई का पानी
(d) सभी के लिए वायुमार्ग
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)2022

Ans. (d) : बिहार सरकार द्वारा घोषित सात निश्चय भाग-2 में निम्न प्रावधान किए गए है–
- निश्चय 1 - युवा शक्ति - बिहार की प्रगति
- निश्चय 2 - सशक्त महिला, सक्षम महिला
- निश्चय 3 - हर खेत में सिंचाई का पानी
- निश्चय 4 - स्वच्छ ग्राम-ग्रामीण समृद्धि
- निश्चय 5 - स्वच्छ शहर-विकसित शहर
- निश्चय 6 - आसान कनेक्टिविटी
- निश्चय 7 - सभी के लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधा।

इस योजना में कहीं पर सभी के लिए वायुमार्ग की बात नहीं की गई है। अतः सही विकल्प (d) होगा।
नोट- बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा इसका सही उत्तर विकल्प (c) माना गया हैं।

22. गरीब कल्याण रोजगार अभियान बिहार के किस जिले से प्रधानमंत्री द्वारा 2020 में शुरू किया गया था?
(a) पटना (b) बाँका
(c) मधेपुरा (d) खगड़िया
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC(Pre) Nirast 2021

Ans. (d) : गरीब कल्याण रोजगार अभियान बिहार के खगड़िया जिले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून, 2020 को शुरू किया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य लॉकडाउन के कारण अपने घर वापस लौटे मजदूरों को एक रोजगार उपलब्ध कराना था।

free PDF & Notes - Click NOW

23. डिजिटल बिहार कार्यक्रम के तहत, कौन-से छात्र 2021-22 से कम्प्यूटर शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे?

(a) पाँचवीं कक्षा के सभी छात्र (b) छठी कक्षा के सभी छात्र
(c) सातवीं कक्षा के सभी छात्र (d) आठवीं कक्षा के सभी छात्र
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC(Pre) Nirast 2021

Ans. (e) : डिजिटल बिहार कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 एवं इससे ऊपर की कक्षाओं के सभी छात्र 2021-22 से कम्प्यूटर शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को वर्ष 2035 तक 50% तक बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

24. बिहार में सतत विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा 'सात निश्चय योजना' अभियान प्रारंभ किया गया था

(a) 2014 में (b) 2013 में
(c) 2015 में (d) 2012 में
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC CDPO 2021

Ans. (c) : बिहार में सतत विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा 'सात निश्चय योजना' अभियान वर्ष 2015 में प्रारम्भ किया गया था। बिहार सरकार ने राज्य की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए इस योजना की शुरूआत की। सात निश्चय के अन्तर्गत शामिल हैं-

1. आर्थिक हल, युवाओं को बल योजना
2. आरक्षित रोजगार महिलाओं का अधिकार
3. हर घर बिजली लगातार
4. हर घर नल का जल
5. घर तक पक्की गली नालियाँ
6. शौचालय निर्माण घर का सम्मान
7. अवसर बढ़े, आगे पढ़े

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 से सात निश्चय योजना भाग-2 शुरू की गयी है।

25. बिहार में 'जल जीवन हरियाली' अभियान की शुरूआत कब हुई थी?

(a) 2 अक्तूबर, 2019 (b) 26 अक्तूबर, 2019
(c) 5 जून,2020 (d) 21 मार्च, 2020
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं /उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC Auditor (Pre) 2021

Ans.(a) व्याख्याः– बिहार में 'जल जीवन हरियाली' अभियान की शुरूआत 2 अक्टूबर, 2019 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया। इसके अंतर्गत वृक्षों का रोपण, परम्परागत जल स्त्रोतों–तालाब, कुँओं आदि का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

26. बिहार सरकार ने अगस्त 2018 में एक नयी योजना 'सतत जीविकोपार्जन योजना' शुरू की। इस योजना का उद्देश्य है

(a) युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देना
(b) ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय निकायों के माध्यम से रोजगार प्रदान करना
(c) अत्यधिक गरीब परिवारों को सतत आय का सृजन करने वाली परिसम्पत्ति प्रदान करना
(d) युवाओं में दक्षता की वृद्धि के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(e) **66th BPSC (Pre) 2020**

व्याख्या– 5 अगस्त, 2018 ई. को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'सतत जीविकोपार्जन योजना' का शुभारम्भ किया। यह योजना देशी शराब और ताड़ी के उत्पादन तथा बिक्री में पारम्परिक रूप से जुड़े परिवार जिनकी राज्य में शराबबंदी के बाद आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है जैसे निर्धन परिवारों के साथ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य समुदायों को लक्षित अत्यंत निर्धन परिवारों के लिए शुरू की गई थी। ऐसे परिवारों को राज्य सरकार इस योजना अंतर्गत सतत आजीविका एवं क्षमता निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

27. बिहार सरकार के सात निश्चयों में निम्न में से कौन-सा सम्मिलित नहीं है?

(a) महिला रोजगार
(b) साफ पीने का पानी
(c) सभी परिवारों को बिजली की आपूर्ति
(d) बाल-कल्याण
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **66th BPSC (Pre) 2020**

व्याख्या– बिहार सरकार के सात निश्चय योजना में महिला रोजगार साफ पीने का पानी, सभी परिवारों को बिजली की आपूर्ति शौचालय का निर्माण, अवसर बढ़े आगे पढ़े आदि सम्मिलित है, जबकि बाल कल्याण इस योजना का उद्देश्य नहीं है।

28. जीविका (JEEVIKA) बिहार सरकार की एक पहल है। इसका सम्बन्ध है–

(a) रोजगार सृजन से (b) वित्तीय समावेश से
(c) गरीबी उन्मूलन से (d) सार्वजनिक वितरण से
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या- जीविका, बिहार सरकार की एक पहल है जिसका सम्बन्ध गरीबी उन्मूलन से है। इस परियोजना को बिहार के 38 जिलों के कुल 534 प्रखंडों में विभिन्न चरणों में संचालित किया जाना है।

29. 'बिहार में SPUR' परियोजना का सम्बन्ध है–

(a) स्वास्थ्य से (b) गरीबी से
(c) बैंकिंग से (d) नगर निगम वित्त से
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या- बिहार में SPUR परियोजना का संबंध नगर निगम वित्त से है। ब्रिटेन के सहयोग से संचालित बिहार सरकार की SPUR परियोजना के 5 घटक हैं- (1) वित्त (2) नगरीय आधारभूत संरचना, (3) नगरीय प्रशासन और योजना, (4) स्थानीय आर्थिक विकास और सामाजिक विकास, (5) गरीबी उन्मूलन एवं आजीविका।

30. बिहार में यद्यपि 'जमींदारी' सांविधिक रूप से 1952 में हटा दी गई थी, तथापि भू-नियंत्रण का सामाजिक आधार निम्नलिखित के हाथों में रह गया –

(a) मध्यम जाति के हिन्दू (b) अनुसूचित जाति के हिन्दू
(c) प्रधान जाति के हिन्दू (d) अनुसूचित जाति के हिन्दू

उत्तर-(c) **53rd–55th BPSC (Pre) 2011**

व्याख्या–बिहार में यद्यपि जमींदारी सांविधिक रूप से 1952 में खत्म कर दी गई, तथापि भू-नियंत्रण का सामाजिक आधार प्रधान जाति के हिन्दू लोगों के हाथों में है।

free PDF & Notes - Click NOW

3. आधुनिक भारत का इतिहास
(History of India (Modern))

यूरोपीय कंपनियों का आगमन

विभिन्न देश (स्थल) एवं खोजकर्ता	
खोजकर्ता	**देश /स्थल**
बार्थोलोमियोडियाज (पुर्तगाल)	केप ऑफ गुड होप (उत्तमासा अन्तरीप द्वीप)
क्रिस्टोफर कोलम्बस (स्पेन)	अमेरिका
वॉस्कोडिगामा (पुर्तगाल)	भारत
कैप्टन जेम्स कुक (ब्रिटेन)	ऑस्ट्रेलिया
तस्मान (हालैंड)	तस्मानिया एवं न्यूजीलैण्ड
मैगलन (पुर्तगाल)	ब्राजील

यूरोपीय व्यापारियों/ कंपनियों का आगमन क्रम	
पुर्तगीज (पुर्तगाली)	1498 ई.
डच (हालैण्ड)	1605 ई
ब्रिटिश/ अंग्रेज (इग्लैंड)	1608 ई.
डेनिश (डेनमार्क)	1620 ई.
फ्रांसीसी (फ्रांस)	1668 ई.
स्वीडिश (स्वीडन)	—

नोटः पुर्तगीज कंपनी सर्वप्रथम (1498 ई.) भारत में आयी तथा सबसे अंत में (1961 ई.) गयी।

विदेशी कंपनियों का स्थापना क्रम			
कंपनी का नाम	**देश**	**स्थापना**	**भारत में प्रथम फैक्ट्री**
पुर्तगाली ईस्ट इण्डिया कंपनी (एस्तादो द इण्डिया)	पुर्तगाल	1498 ई.	कोचीन (कोच्चि) (1503 ई.)
अंग्रेजी ईस्ट इण्डिया कंपनी (E.E.I.C) (द गवर्नर एण्ड कंपनी ऑफ मर्चेन्टस ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज)	इंग्लैण्ड/ ब्रिटेन	1600 ई.	सूरत (1613 ई.)
डच ईस्ट इण्डिया कंपनी (वेरेनिगदे ओस्टइंडिशे कंपनी)	हालैण्ड (वर्तमान-नीदरलैण्ड)	1602 ई.	मसुलीपट्टनम (1605 ई.)
डेनिश ईस्ट इण्डिया कंपनी	डेनमार्क	1616 ई.	त्रंकोबार (त्रावणकोर) 1620 ई.)
फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी (कंपनी देस इंडेस ओरियंटलेस)	फ्रांस	1664 ई.	सूरत (1668 ई.)
स्वीडिश ईस्ट इण्डिया कंपनी	स्वीडन	1731 ई.	चीन में अपना केन्द्र बनाया

यूरोपीय कंपनियों के भारत में प्रमुख व्यापारिक स्थल	
पुर्तगाली/पुर्तगीज	कोचीन (कोच्चि), कन्नूर, गोवा, दीव, दमन, बसई बोल (बेसीन), बम्बई, सैनथोम, हुगली व अन्य
अंग्रेज	सूरत, मसुलीपट्टनम्, बम्बई, मद्रास, हुगली, कासिम बाजार, अहमदाबाद, भड़ौच, बालासोर, पटना, हरिहरपुर व अन्य
फ्रांसीसी	सूरत, मसुलीपट्टनम्, पाण्डिचेरी, चन्द्रनगर व अन्य

यूरोपीय कंपनियों से सम्बन्धित प्रमुख व्यक्ति	
वास्कोडिगामा	समुद्री मार्ग से भारत आने वाला प्रथम पुर्तगाली
फ्रॉसिस्को डी-अल्मीड़ा	भारत में प्रथम पुर्तगीज गवर्नर
कैप्टन हॉकिन्स	जहाँगीर के दरबार में आने वाला प्रथम अंग्रेज
फ्रांसिस डे	मद्रास का संस्थापक
जॉब चारनॉक	कलकत्ता का संस्थापक
फ्रैंको मार्टिन	पॉण्डिचेरी का प्रथम फ्रांसीसी गवर्नर
गैरोल्ड अंगियार	बम्बई का वास्तविक संस्थापक
चार्ल्स आयर	फोर्ट विलियम का प्रथम प्रशासक
एडविन लुटियंस व हरबर्ट बेकर	नई दिल्ली का संस्थापक
फादर मानसरेट	1578 ई. में अकबर के दरबार में पहुँचने वाले प्रथम शिष्टमंडल का अध्यक्ष
जान मिल्डेन हाल	व्यापारिक उद्देश्य से भारत आने वाला प्रथम ब्रिटिश नागरिक
विलियम नॉरिस	'ट्रेडिंग इन-द-ईस्ट' नामक नई कंपनी का दूत जो औरंगजेब के दरबार में आया।
जॉन सरमन	फर्रूखसियर के दरबार में आने वाले शिष्टमंडल का मुखिया।
फ्रैंक कैरो	सूरत में फ्रांसीसी फैक्ट्री का संस्थापक

free PDF & Notes - Click NOW

❖ पुर्तगाली

- पुर्तगाली यात्री बार्थोलोमियों डियाज वर्ष 1487 ई. में दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप तक आया था।
- ''वास्कोडिगामा'' मई, 1498 ई. में अब्दुल मजीद नामक गुजराती पथ प्रदर्शक की सहायता से कालीकट (केरल) नामक बन्दरगाह पर पहुँचने वाला प्रथम पुर्तगाली एवं प्रथम यूरोपीय यात्री था।
- कालीकट समुद्र तट पर पहले से व्यापार कर रहे अरबी व्यापारियों ने पुर्तगालियों का विरोध किया था।
- पुर्तगालियों के भारत आने के दो प्रमुख उद्देश्य थे (i) भारत में ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार करना (ii) भारतीय क्षेत्रों से व्यापार करना।
- उस समय कालीकट के शासक 'जमोरिन' थे।
- वॉस्कोडिगामा भारत से मसाले, औषधि यूरोप ले गया जिससे 60 गुना अधिक लाभ कमाया।
- भारत आने वाला दूसरा पुर्तगाली यात्री **पेड्रो अल्ब्रेज कैब्राल** था। अक्टूबर, 1502 में वास्कोडिगामा भारत दूसरी बार आया और सितंबर 1524 में अपनी तीसरी यात्रा के दौरान **कोचीन** में उसकी मृत्यु हो गयी।
- पुर्तगालियों ने 1503 ई. में सर्वप्रथम कोचीन (कोच्चि) में दुर्ग स्थापित किया तथा अल्फांसो- डी-अल्बुकर्क को सेना का कमाण्डर नियुक्त किया।
- 1505 ई. में फ्रांसिस्को डी अल्मीडा भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय बन कर आया।
- 1509 ई. में अल्फांसों डी अल्बुकर्क को भारत में पुर्तगालियों का वायसराय नियुक्त कर दिया गया। इसे **'पुर्तगीज कंम्पनी का वास्तविक संस्थापक'** माना जाता है।
- फ्रांसिस्को डी अल्मीडा ने हिन्द महासागर में व्यापार को नियंत्रित करने हेतु ''शांत या नीले जल की नीति'' लागू की।
- 1510 ई. में अल्बुकर्क ने बीजापुर के शासक 'युसुफ आदिलशाह' से गोवा छीन लिया।
- अल्बुकर्क के गोवा अधिग्रहण में तिमैया नामक हिन्दू ने सहायता की थी।
- पुर्तगाली वायसराय नीनू डी कुन्हा (1529-38) ने 1530 ई. में कोचीन की जगह गोवा को अपनी राजधानी बनाया।
- पुर्तगालियों ने हिन्द महासागर में व्यापारिक एकाधिकार एवं नियंत्रण हेतु ''कार्टेज-अल्मिडा-काफिला'' पद्धति लागू की, जिसके अंतर्गत हिन्द महासागर का प्रयोग करने वाले प्रत्येक जहाज को शुल्क अदा करना होता था।
- पुर्तगालियों ने दीव (1535 ई.), दमन (1559 ई.), सॉलसेट व बेसीन (1534 ई.) पर अधिकार किया।
- 1536 ई. में बंगाल के चटगाँव तथा सतगाँव में पुर्तगालियों ने कारखाना स्थापित किया।
- 1542-45 ई. में मार्टिन अलफांसो-डी- सूजा गवर्नर बना। इसके साथ प्रसिद्ध जेसुइट संत 'फ्रांसिस्को जेवियर' भारत आया था।
- पुर्तगाली स्वयं को सागर का स्वामी कहते थे।
- 1579-80 ई. में अकबर ने पुर्तगालियों को हुगली में बसने की अनुमति दी।
- 1631 ई. में मुगल गवर्नर कासिम खान ने पुर्तगालियों को हुगली (बंगाल) से निष्कासित किया।
- 1661 ई. में पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन ब्रिगेंजा का विवाह इंग्लैण्ड के राजा चार्ल्स द्वितीय के साथ होने पर उपहार स्वरुप 'चार्ल्स द्वितीय' को बम्बई का क्षेत्र प्राप्त हुआ जिसे उन्होंने 1668 ई. में 10 पाउंड वार्षिक किराये पर ईस्ट इण्डिया कंपनी को दे दिया।
- पुर्तगाली भारत से दालचीनी, चंदन, हल्दी, अदरक, कालीमिर्च, कपास आदि निर्यात करते थे।
- गोवा, दमन व दीव 1961 ई. तक पुर्तगालियों के पास रहा।

पुर्तगालियों की देन

गोथिक वास्तुकला, सर्वप्रथम प्रिटिंग प्रेस 1556 ई. में गोवा में स्थापित, जहाज निर्माण, तंबाकू, अमरूद, काजू, मक्का, आलू, अन्नानास फल, नौसेना आदि से भारतीयों को परिचित कराया।

❖ डच

- डच मूलतः हालैण्ड (वर्तमान-नीदरलैण्ड) के निवासी थे।
- भारत में व्यापार हेतु सर्वप्रथम संयुक्त पूंजी वाली कंपनी डचों ने आरम्भ की।
- पहला डच यात्री कार्लेलियन हाउटमैन 1596 ई. में भारत के पूर्व सुमात्रा पहुँचा।
- सन 1602 ई. में डच संसद में पारित प्रस्ताव से संयुक्त डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना हुयी, जिसे 'वेरिंगदे ओस्त इंडिसे कम्पनी' नाम दिया गया।
- डच नौसेना नायक वादेर हेग ने 1605 ई. में मसुलीपट्टनम में प्रथम डच कारखाना स्थापित किया
- डचों ने पुर्तगालियों को पराजित किया और कोच्चि में फोर्ट विलियम्स का निर्माण कराया।
- शोरा के व्यापार की अनुमति शाहजहाँ ने 1638 ई. में दी थी।
- बंगाल में प्रथम डच फैक्ट्री पीपली (1627 ई.) में स्थापित की गयी लेकिन शीघ्र ही इसकी जगह बालासोर में फैक्ट्री स्थापित की गयी।
- 1690 ई. तक डचों की मुख्य व्यापारिक कोठी 'पुलीकट' थी।
- 1690 ई. के बाद डचों ने नागपट्टनम में मुख्यालय बनाया।
- डचों ने पुलीकट (मुख्यालय) में स्वर्ण सिक्के 'पैगोडा' का प्रचलन कराया।
- डचों ने कपड़ों के व्यापार को प्राथमिकता दी।
- 1663 ई. में औरंगजेब ने बंगाल, बिहार, उड़ीसा में डचों को 3.5% चुंगी के साथ व्यापारिक अनुमति दी। 1707 ई. में बहादुरशाह ने इसे घटाकर 2.5% कर दिया।
- 1759 ई. में अंग्रेजों ने डचों को 'बेदरा (प. बंगाल) के युद्ध' में पराजित कर, भारत में उनकी व्यापारिक एवं राजनीतिक गतिविधियाँ समाप्त कर दी।

❖ फ्रांसीसी

- फ्रेंच ईस्ट इण्डिया कम्पनी को 'कम्पने देस इंडेस ओरियंटलेस' नाम से जाना गया।
- फ्रैंक कैरो द्वारा भारत में प्रथम फ्रांसीसी फैक्ट्री की स्थापना 1668 ई. में सूरत में हुई थी।
- फ्रांसीसियों का प्रथम फ्रांसीसी गवर्नर फ्रैंको मार्टिन था।
- फ्रांसीसी मुख्यालय पहले सूरत में था बाद में पॉण्डिचेरी में स्थानान्तरित हुआ।

free PDF & Notes - Click NOW

- फ्रांसीसियों ने बंगाल के सूबेदार शाइस्ता खाँ की अनुमति से बंगाल के चन्द्रनगर में (1690-92 ई.) में पहला कारखाना स्थापित किया।
- मुगल सम्राट मुहम्मदशाह की अनुमति प्राप्त करके टकसाल स्थापित किया।
- फ्रांसीसियों ने 1721 ई. में मॉरिशस, 1724 ई. में मालाबार के तट पर स्थित माहे तथा 1739 ई. में करिकाल पर अधिकार किया।
- वाण्डीवाश के युद्ध (1760 ई.) में अंग्रेज सेनापति जनरल आयरकूट ने फ्रांसीसियों को पराजित किया।
- कर्नाटक का युद्ध अंग्रेज एवं फ्रांसीसियों के मध्य लड़ा गया था।

❖ डेनिश

- डेनिश ईस्ट इण्डिया कंपनी की स्थापना 1616 ई. में हुई थी।
- 1845 ई. में डेनिश कंपनी ने अपनी सम्पूर्ण भारतीय परिसम्पत्ति बेच दी।

❖ अंग्रेज

- 16वीं –17वीं शताब्दी में कई यूरोपीय देशों के व्यापारी वर्ग भारत आए।
- 1593 ई. में लीवेंट कंपनी को स्थल मार्ग से भारत में व्यापार करने का अधिकार पत्र प्राप्त हुआ था। लेकिन इनमें अंग्रेज सर्वाधिक सफल रहे।
- 1599 ई. में स्थल मार्ग से भारत आने वाला प्रथम अंग्रेज जॉन मिल्डेन हॉल था।
- 31 दिसम्बर 1600 ई. में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने ''द गवर्नर एण्ड कंपनी ऑफ मर्चेन्ट्स ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज'' को पूर्व से व्यापार हेतु 15 वर्षों के लिए व्यापारिक अधिकार प्रदान किया। 1609 ई. में जेम्स प्रथम ने इसे अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया।
  भारत आने वाला प्रथम अंग्रेजी जहाज ''रेड ड्रेगन'' था।
- 1608 ई. में ब्रिटेन के राजा जेम्स प्रथम के दूत के रूप में कैप्टन हॉकिन्स सम्राट अकबर के नाम पत्र लेकर जहाँगीर के दरबार आगरा पहुँचा।
- जहाँगीर ने कैप्टन विलियम हॉकिन्स को 400 का मनसब, 'इंग्लिश खाँ' की उपाधि तथा सूरत में व्यापारिक फैक्ट्री खोलने की अनुमति प्रदान की।
- वर्ष 1613 में अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी को सूरत में एक कारखाना स्थापित करने की अनुमति मिली।
- 1615 ई. में टॉमस रो ब्रिटेन के राजदूत के रूप में जहाँगीर के दरबार में पहुँचा।
- 1632 ई. में गोलकुण्डा बन्दरगाह पर मुक्त व्यापार करने की छूट मिली।
- 1633 ई. में अंग्रेजों द्वारा पूर्वी भारत में प्रथम कारखाना बालासोर (उड़ीसा) में स्थापित किया गया।
- 1639 ई. में मद्रास में 'फोर्ट सेंट जार्ज' नामक किले का निर्माण किया गया। यह भारत में अंग्रेजों द्वारा निर्मित पहला किला था।
- बंगाल के शासक शाहशुजा ने सर्वप्रथम 1651 ई. में अंग्रेजों को व्यापारिक छूट प्रदान की। इस अनुमति को 'निशान' कहते थे।
- 1688 ई. में बंबई के अंग्रेज गवर्नर सर जॉन चाइल्ड ने पश्चिमी समुद्र तट से मक्का जाने वाले हज यात्रियों को बन्दी बनाने का प्रयास किया; फलस्वरूप औरंगजेब ने उसे भारत से निष्कासित करने का आदेश दिया।
- ईस्ट इण्डिया कंपनी ने 1668 ई. में 10 पाउंड प्रतिवर्ष के किराये पर चार्ल्स द्वितीय से बम्बई को प्राप्त किया।
- 1690 ई. में जॉब चारनॉक ने बंगाल के सुतानाती में एक कारखाना स्थापित किया।
- 1696 ई. में सुतानाती कारखाने की घेराबन्दी करके इसे फोर्ट विलियम का नाम दिया गया।
- 1698 ई. में अंग्रेजों ने सुतानाती, कालिकाता तथा गोविन्दपुर की जमींदारी प्राप्त करके इसे कलकत्ता के रूप में विकसित किया।
- 1717 ई. में जॉन सरमन ने मुगल सम्राट फर्रुखसियर से 3000 रु. वार्षिक कर के बदले बंगाल में बिना अतिरिक्त चुंगी दिये व्यापार करने की अनुमति प्राप्त की जिसे अंग्रेजों का 'व्यापारिक मैग्नाकार्टा' कहा गया।

ब्रिटिश शक्ति का विस्तार

बंगाल

- बंगाल, मुर्शिद कुली खान के नेतृत्व में धीरे-धीरे मुगल नियंत्रण से अलग हो गया।
- बंगाल के नवाब अलीवर्दी खॉ ने यूरोपीयों की तुलना मधुमक्खियों से की थी।
- 'एलाइव द वंडर' में ब्लैक होल की घटना का वर्णन हॉलवेल ने किया था।
- भारतवर्ष में ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक राबर्ट क्लाइव को माना जाता है, जिसने प्लासी के युद्ध (23 जून, 1757) में बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला को पराजित कर पहली बार भारत में ब्रिटिश प्रभुत्व की नींव रखी थी।
- प्लासी युद्ध के समय बंगाल का नवाब सिराजुद्दौला तथा उसका सेनापति मीरजाफर था।
- प्लासी के युद्ध के समय मुगल शासक आलमगीर द्वितीय था।
- ब्रिटिश सेनापति हेक्टर मुनरो ने 22 अक्टूबर, 1764 को बक्सर के युद्ध में तत्कालीन बंगाल के नवाब मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला तथा दिल्ली के मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय की सम्मिलित सेना को पराजित किया।

घटनाएँ एवं तिथियाँ	
घटनाएँ	**वर्ष**
सिराजुद्दौला बंगाल का नवाब बना	1756 ई.
ब्लैक होल की घटना	20 जून, 1756 ई.
अलीनगर की संधि (क्लाइव एवं सिराजुद्दौला के मध्य)	9 फरवरी, 1757 ई.
प्लासी का युद्ध	23 जून, 1757 ई.

free PDF & Notes - Click NOW

मीरजाफर बंगाल का नवाब	1757-1760 ई.
मीरकासिम बंगाल का नवाब	1760-1763 ई.
मीरजाफर पुनः बंगाल का नवाब बना	1763-1765
बक्सर का युद्ध	22 अक्टूबर, 1764 ई.
इलाहाबाद की प्रथम संधि (क्लाइव एवं शाहआलम द्वितीय के मध्य)	12 अगस्त, 1765 ई.
इलाहाबाद की द्वितीय संधि (क्लाइव एवं शुजाउद्दौला के मध्य)	16 अगस्त, 1765 ई.

- इलाहाबाद की प्रथम संधि के अनुसार मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय ने कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी प्रदान कर दी।
- इलाहाबाद की संधि के समय ईस्ट इंडिया कंपनी का गवर्नर रॉबर्ट क्लाइव था।
- कंपनी ने दीवानी कार्य के लिए दो उप-दीवान (बंगाल के लिए मुहम्मद रजा खान तथा बिहार के लिए राजा शिताब राय) नियुक्त किए।
- एडमंड बर्क ने क्लाइव को बड़ी-बड़ी नींव रखने वाला कहा है।
- स्वर्ग से उत्पन्न सेनानायक रॉबर्ट क्लाइव को कहा गया है।
- बंगाल में द्वैध शासन की स्थापना रॉबर्ट क्लाइव ने इलाहाबाद की संधि के पश्चात की थी।

कर्नाटक युद्ध			
क्रम	**प्रमुख कारण**	**सन्धि**	**परिणाम**
प्रथम (1746-48 ई.)	ऑस्ट्रिया के उत्तराधिकार का युद्ध	एक्स-ला – शैपेल की संधि - 1748	अनिर्णीत
द्वितीय (1749-54 ई.)	कर्नाटक के उत्तराधिकार का युद्ध	पॉण्डिचेरी की संधि (1755 ई.)	अंग्रेज मजबूत स्थिति में रहे।
तृतीय (1756-63 ई.)	सप्तवर्षीय युद्ध एवं औपनिवेशिक कारण	पेरिस की संधि (1763 ई.)	फ्रांस की पराजय

आंग्ल–मैसूर युद्ध

- हैदरअली (1761-1782 ई.) तथा उसका पुत्र टीपू सुल्तान (1782-1799 ई.) मैसूर के शासक थे।
- 1787 ई. में टीपू ने अपनी राजधानी श्रीरंगपट्टनम में 'बादशाह' की उपाधि धारण की और स्वतंत्रता का वृक्ष लगवाया साथ ही जैकोबिन क्लब का सदस्य बना।

युद्ध एवं वर्ष	मैसूर के शासक	बंगाल का गवर्नर	संधि
प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1767-1769 ई.)	हैदरअली	लॉर्ड वेरेल्स्ट	मद्रास की संधि (1769 ई.)
द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1780-1784 ई.)	हैदरअली	वारेन हेस्टिंग्स	मंगलौर की संधि (1784 ई.) (हैदरअली की मृत्यु दिसंबर 1782 ई. में)
तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1790-1792 ई.)	टीपू सुल्तान	लॉर्ड कॉर्नवालिस	श्रीरंगपट्टनम् की संधि (1792 ई.)
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध 1799 ई.	टीपू सुल्तान	लॉर्ड वेलेजली	मैसूर की गद्दी पर अड्यार वंश का एक बालक कृष्णराज बैठा (टीपू सुल्तान की मृत्यु)

- टीपू सुल्तान के राजसी झंडे पर शेर की तस्वीर होती थी।
- टीपू सुल्तान को 'शेर-ए-मैसूर' कहा जाता है।

आंग्ल – मराठा युद्ध			
युद्ध	**वर्ष**	**संधि**	**परिणाम**
प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध	1775-1782 ई.	सालबाई की संधि (1782 ई.)	अंग्रेजों को सालसेट तथा एलीफैंटा द्वीप प्राप्त हुआ, माधव राव नारायण पेशवा बना तथा राघोबा को पेंशन दी गयी
द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध	1803-1805 ई.	1. बसीन की संधि (1802 ई.) - बाजीराव द्वितीय एवं अंग्रेजों के मध्य 2. देवगाँव की संधि (17-12-1803)- अंग्रेजों एवं भोंसले के मध्य 3. सुर्जी-अर्जन गाँव की संधि (30-12-1803) - अंग्रेजों एवं सिंधिया के मध्य 4. राजपुर घाट की संधि (25-12-1805) - लॉर्ड वेलेजली के जाने के बाद जॉर्ज बार्लो द्वारा होल्करों से संधि की गयी।	
तृतीय ऑग्ल-मराठा युद्ध	1817-1818 ई.	1. ग्वालियर की संधि (1817 ई.) - सिंधिया और अंग्रेजों के मध्य	समस्त मराठा क्षेत्र ब्रिटिश सत्ता के अधीन हो गया पेशवा पद समाप्त

free PDF & Notes - Click NOW

		2. पूना की संधि (1817 ई.) - बाजीराव द्वितीय एवं अंग्रेजों के मध्य 3. मंदसौर की संधि (1818 ई.)- होल्कर एवं अंग्रेजों के मध्य	कर दिया गया, बाजीराव द्वितीय को पेंशन देकर बिठूर भेज दिया गया।

आंग्ल-सिख युद्ध

युद्ध एवं वर्ष	सिक्ख शासक	गवर्नर/ गवर्नर जनरल	संधि	परिणाम
प्रथम आंग्ल - सिक्ख युद्ध (1845-46 ई.)	दिलीप सिंह (वजीर-लाल सिंह सेनापति–तेजा सिंह)	लॉर्ड हार्डिंग	लाहौर की संधि	अंग्रेजों ने दिलीप सिंह को 'महाराजा' की पदवी दी। लाहौर में अंग्रेज रेजीमेंट की नियुक्ति
द्वितीय आंग्ल-सिक्ख युद्ध (1848-49 ई.)	दिलीप सिंह	लॉर्ड डलहौजी	अमृतसर की संधि	पंजाब का ब्रिटिश राज्य में विलय, दिलीप सिंह से कोहिनूर हीरा लेकर ब्रिटिश ताज के पास भेजा गया

आधुनिक भारत के प्रमुख युद्ध : एक दृष्टि में

युद्ध का नाम	वर्ष	पक्ष-विपक्ष	परिणाम (विजय)
खेड़ा का युद्ध	1707 ई.	मराठा छत्रपति शाहू जी एवं ताराबाई	शाहू जी
शकूर खेड़ा का युद्ध	1724 ई.	निजाम-उल-मुल्क एवं मुबारिज खाँ	निजाम
भोपाल का युद्ध	1737 ई.	बाजीराव प्रथम तथा मुगल	बाजीराव प्रथम
करनाल का युद्ध	1739 ई.	नादिरशाह तथा मुहम्मदशाह	नादिरशाह
गिरिया का युद्ध	1740 ई.	शर्फराज खाँ एवं अलीवर्दी खाँ	अलीवर्दी खाँ
प्लासी का युद्ध	1757 ई.	अंग्रेज (क्लाइव) तथा सिराजुद्दौला)	अंग्रेज
बेदरा का युद्ध	1759 ई.	अंग्रेज तथा डच	अंग्रेज
वांडीवाश का युद्ध	1760 ई.	अंग्रेज (आयरकूट) तथा फ्रांसीसी (लॉली)	अंग्रेज
पानीपत का तृतीय युद्ध	1761 ई.	अहमदशाह अब्दाली तथा मराठे	अहमदशाह अब्दाली
बक्सर का युद्ध	1764 ई.	अंग्रेज (हेक्टर मुनरो) तथा मीरकासिम, शुजाउद्दौला, शाहआलम द्वितीय की संयुक्त सेना	अंग्रेज
रूहेला युद्ध	1774 ई.	वारेन हेस्टिंग्स तथा हॉफिज खाँ	अंग्रेज
नेपाल युद्ध	1815-16 ई.	लॉर्ड हेस्टिंग्स तथा गोरखा	अंग्रेज
प्रथम बर्मा युद्ध	1824-26 ई.	अंग्रेज तथा बर्मा	अंग्रेज
प्रथम अफगान युद्ध	1839-42 ई.	ऑकलैण्ड तथा अफगान	अंग्रेज
द्वितीय बर्मा युद्ध	1852 ई.	अंग्रेज (डलहौजी) तथा बर्मा	अंग्रेज
द्वितीय अफगान युद्ध	1878-80 ई.	अंग्रेज (लिटन) तथा अफगान	अंग्रेज
तृतीय बर्मा युद्ध	1885 ई.	अंग्रेज (डफरिन) तथा बर्मा	अंग्रेज
तृतीय अफगान युद्ध	1919 ई.	अंग्रेज (चेम्सफोर्ड) तथा अफगान	अंग्रेज

बंगाल के गवर्नर जनरल

वारेन हेस्टिंग्स (1773-1785 ई.)

(बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल)

- 1773 ई. में रेग्युलेटिंग एक्ट पारित हुआ।
- बंगाल में द्वैध शासन का अन्त।
- घेरे की नीति (रिंग फेंस नीति) वारेन हेस्टिंग्स से सम्बन्धित है।
- नंद कुमार की न्यायिक हत्या का आरोप वारेन हेस्टिंग्स पर लगाया गया है।
- वर्ष 1781 में बनारस के राजा चैत सिंह को वारेन हेस्टिंग्स ने गिरफ्तार किया।
- कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट (सर्वोच्च न्यायालय) की स्थापना।
- बंगाल में एशियाटिक सोसायटी की स्थापना (1784 ई.)
- प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध (1775-82 ई.), द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780-84 ई.) और सालबाई की संधि (1782 ई.)।
- 1776 ई. में हिन्दू-विधि की प्रमुख पुस्तक मनुस्मृति का अनुवाद 'Code of Gentoo Laws' के नाम से हुआ।
- चार्ल्स विल्किन्स द्वारा भगवद्गीता का अंग्रेजी में अनुवाद (1785 ई.)
- ब्रिटिश संसद में महाभियोग का मुकदमा चला।
- पिट्स इंण्डिया एक्ट- 1784 पारित
- भारत में न्यायिक सेवा का जनक

free PDF & Notes - Click NOW

लॉर्ड कार्नवालिस (1786-1793 ई.)

- अपीलीय न्यायालय और निम्न स्तरीय न्यायालय की स्थापना।
- वर्ष 1791 में जोनाथन डंकन ने बनारस में संस्कृत कॉलेज की स्थापना की।
- तृतीय ऑग्ल-मैसूर युद्ध (1790-92 ई.) और श्रीरंगापट्टम की संधि (1792 ई.)
- स्थायी बन्दोबस्त या इस्तमरारी बंदोबस्त (1793 ई.) और सिविल सेवा की शुरूआत
- 5 अक्टूबर, 1805 को कार्नवालिस की मृत्यु गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में हुयी, वहीं पर उसकी कब्र स्थित है।
- राजस्व प्रशासन को न्यायिक प्रशासन से अलग करने के लिए प्रशासनिक संहिता को डिजाइन किया। कार्नवालिस को भारत में प्रशासनिक सेवाओं का जनक माना जाता है।
- वर्ष 1793 में कार्नवालिस कोड लागू किया गया।
- भारत में सिविल सेवा एवं पुलिस सेवा का जनक

सर जॉन शोर (1793-1798 ई.)

- 1793 ई. में प्रथम चार्टर एक्ट पारित
- अहस्तक्षेप की नीति
- खरदा का युद्ध (1795 ई.)

लॉर्ड वेलेजली (1798-1805 ई.)

- सहायक संधि की शुरूआत (1798 ई.) क्रमशः
  - हैदराबादः 1798 और 1800 ई.
  - मैसूर : 1799 ई.
  - तंजौर : 1799 ई.
  - अवध : 1801 ई.
  - पेशवा : 1802 ई.
  - भोंसले : 1803 ई.
  - सिंधिया : 1804 ई.
  - जोधपुर, जयपुर, मच्छेरी, बूँदी तथा भरतपुर के साथ
- चतुर्थ आग्ल मैसूर युद्ध (1799 ई.) एवं बसीन की संधि (1802 ई.)।
- द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1803-05 ई.)
- कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना

सर जार्ज बार्लो (1805-07 ई.)

(कार्यवाहक गवर्नर) -

- अपने जुनून एवं नीतिगत फैसले के कारण ब्रिटिश क्षेत्र एवं अर्थव्यवस्था को छोटा कर दिया।
- 1806 ई. में वेल्लौर का सिपाही विद्रोह

लॉर्ड मिंटो प्रथम (1807-1813 ई.)

- 1809 ई. में महाराजा रणजीत सिंह के साथ 'अमृतसर की संधि' की। अंग्रेजों की तरफ से चार्ल्स मेटकॉफ ने संधि पर हस्ताक्षर किया था।
- 1813 ई. का द्वितीय चार्टर एक्ट पारित।

लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813-1823 ई.)

- तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1817-18 ई.) के बाद अहस्तक्षेप की नीति
- 1818 ई. में पेशवा पद की समाप्ति
- आंग्ल-नेपाल युद्ध (1814-16 ई.)
- बम्बई एवं मद्रास में रैय्यतवाड़ी व्यवस्था को टॉमस मुनरो द्वारा लागू किया जाना (1820 ई.)।
- अवध एवं उत्तर-पश्चिम राज्यों/ प्रान्तों में महालवाड़ी व्यवस्था को लागू करना।
- सर्वोच्चता की नीति (Policy of Paramountcy) आरंभ की।

लॉर्ड एमहर्स्ट (1823-1828 ई.)

- 1824-26 ई. में प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध
- 1824 ई. का सैन्य विद्रोह बैरकपुर में हुआ था।
- 1826 ई. में बर्मा एवं अंग्रेजों के मध्य यंडाबू की संधि हुई।

लॉर्ड एडम्स (1823 ई.)

- यह स्थानापन्न गवर्नर जनरल था।
- इसके समय में प्रेस पर प्रतिबंध लगाया गया था।

भारत के गवर्नर जनरल

लॉर्ड विलियम बैंटिक (1828-1835 ई.)

(बंगाल के अन्तिम गवर्नर जनरल तथा भारत के प्रथम गवर्नर जनरल थे)

- 1803 ई. में मद्रास का गवर्नर रह चुका था।
- 1829 ई. में नियम 17 द्वारा सती प्रथा का उन्मूलन किया।
- 1833 ई. के चार्टर एक्ट द्वारा बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया।
- इस प्रकार 1833 ई. में भारत का पहला गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बैंटिक हुआ।
- बैंटिक ने कर्नल स्लीमैन की सहायता से 1830 ई. में ठगी प्रथा को समाप्त किया।
- 1835 ई. में बैंटिक ने कलकत्ता में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की।
- बैंटिक ने 1831 ई. में मैसूर तथा 1834 ई. में कुर्ग एवं मध्य कछार का साम्राज्य में विलय किया।
- मैकाले की अनुशंसा पर अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बनाया (1835 ई.)।
- बैंटिक ने भारतीयों को उत्तरदायी पदों जिनमें सदर अमीन के पद जिसे 700 रु. प्रतिमाह वेतन मिलता था पर नियुक्त किया।
- 1833 के चार्टर एक्ट के द्वारा किसी भारतीय को धर्म, जाति, रंग, जन्म स्थान के आधार पर कंम्पनी की सेवा में प्रवेश करने से रोकने पर प्रतिबंध लगाया गया।

चार्ल्स मैटकॉफ (1835-36 ई.)

- 1835 के प्रेस एक्ट के तहत समाचार पत्र पर लगी पाबन्दी हटा ली गयी, इसलिए चार्ल्स मैटकाफ 'समाचार पत्रों का मुक्तिदाता' के रूप में प्रसिद्ध है।

free PDF & Notes - Click NOW

लॉर्ड ऑकलैण्ड (1836-42 ई.)

- प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध (1839-42 ई. में) हुआ।
- शाहशुजा, रणजीत सिंह एवं अंग्रेजों के मध्य त्रिपक्षीय संधि 1838 ई. में हुयी थी।
- 1839 ई. में कलकत्ता से दिल्ली तक ग्रैण्ड ट्रंक रोड की मरम्मत करवाई।
- भारतीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु विदेश जाने की अनुमति ब्रिटिश संसद ने प्रदान की।

लॉर्ड एलनबरो (1842-44 ई.)

- प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध समाप्त हुआ। सिंध को 1843 ई. में पूर्ण रूप से ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया। सिंध विजय के विषय में नेपियर का कथन है ''वह अफगानी तूफान की पूँछ थी''।
- 1843 ई. में दास प्रथा का उन्मूलन (1843 के एक्ट V द्वारा) हुआ।
- एलनबरो के कार्यकाल में 'कुशल अकर्मण्यता की नीति' का आरम्भ हुआ।
- रविवार की छुट्टी की शुरूआत 1843 ई. से हुई।

लॉर्ड हॉर्डिंग (1844-1848 ई.)

- प्रथम आंग्ल-सिक्ख युद्ध 1845-46 ई. में हुआ।
- हॉर्डिंग ने खोंड जनजाति में प्रचलित 'नरबलि' प्रथा का दमन करने के लिए कैम्पबेल की नियुक्ति की।

लॉर्ड डलहौजी (1848-1856 ई.)

- डलहौजी का वास्तविक नाम जेम्स एंड्रूज ब्राउन रैम्जे था।
- द्वितीय आंग्ल सिक्ख युद्ध 1848-49 ई. में हुआ। 29 मार्च, 1849 को पंजाब का अंग्रेजी राज्य में विलय हुआ। कोहिनूर हीरा महारानी विक्टोरिया को भेज दिया गया।
- द्वितीय आंग्ल बर्मा युद्ध, के पश्चात् 1852 ई. में लोअर बर्मा या पीगू को अंग्रेजी राज्य में मिला लिया गया।
- डलहौजी ने 1850 ई. में सिक्किम के राजा पर दो डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाकर सिक्किम का विलय कर लिया।

व्यपगत के सिद्धांत का शुभारम्भ

व्यपगत सिद्धांत के अन्तर्गत विलय किये गए राज्य

सतारा – 1848 ई.
जैतपुर – संम्भलपुर – 1849 ई.
बघाट – 1850 ई.
उदयपुर – 1852 ई.
झांसी - 1853 ई.
नागपुर – 1854 ई.
अवध – 1856 (कुशासन का आरोप)

- भारत में रेलवे का जनक, 1853 ई. में प्रथम रेलवे लाइन (बम्बई से थाणे के बीच 34 किलोमीटर) पर रेल का परिचालन; 1854 ई. में कलकत्ता एवं रानीगंज के मध्य दूसरी रेल।
- 1853 ई. में कलकत्ता एवं आगरा के बीच पहली बार बिजली से संचालित तार सेवा शुरू हुई।
- 1852 ई. में भूमि-जागीरों की जाँच हेतु इनाम कमीशन का गठन
- भारत में पहली बार P.W.D (सार्वजनिक निर्माण विभाग) की स्थापना की।
- 1854 में भारत में नया पोस्ट ऑफिस ऐक्ट पारित हुआ और भारत में पहली बार डाक टिकट का प्रचलन प्रारम्भ हुआ।
- 1854 में स्वतंत्र विभाग के रूप में लोक सेवा विभाग की स्थापना की।
- शिमला को ग्रीष्म कालीन राजधानी बनाया गया।
- 1854 ई. में चार्ल्स वुड के शिक्षा सम्बन्धी डिस्पैच की शुरुआत की गई।

भारत के वायसराय

लॉर्ड कैनिंग (1856-58 ई.) & (1858-62)

(भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय)

- 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम
- 1857 ई. में कलकत्ता, बम्बई एवं मद्रास में तीन नए विश्वविद्यालय की स्थापना
- कम्पनी के शासन का अंत
- विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 पारित, बम्बई, कलकत्ता एवं मद्रास में उच्च न्यायालय की स्थापना, महालेखा परीक्षक पद का गठन
- 1858 का भारत सरकार अधिनियम पारित।
- 1 नवम्बर, 1858 ई. में रानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र कैनिंग द्वारा इलाहाबाद के मिण्टो पार्क में पढ़ा गया।
- कम्पनी शासन की समाप्ति एवं ब्रिटिश ताज का प्रत्यक्ष नियंत्रण
- फरवरी 1860 में भारत का पहला बजट जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- 1861 ई. में भारतीय परिषद अधिनियम पारित।
- मुगल सम्राट के पद को समाप्त कर दिया गया।
- मैकाले द्वारा प्रारूपित भारतीय दण्ड संहिता (I.P.C-1860 ई.) तथा अपराध विधान संहिता (CrPC – 1861 ई.) को लागू किया।
- राज्य विलय नीति/व्यपगत नीति का परित्याग
- पोर्ट फोलियो/मंत्रिमण्डलीय प्रणाली लागू की।
- सेना में रेजीमेन्ट व्यवस्था का प्रारम्भ
- प्रशासनिक पुनर्गठन

लॉर्ड एल्गिन प्रथम (1862-63 ई.)

- वहाबी आन्दोलन का दमन
- पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत में कबाइलियों के दमन के लिए अम्ब्रेला अभियान चलाया।
- 1863 ई. में धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में मृत्यु हो गयी।

लॉर्ड लारेन्स (1864-1869 ई.)

- 1865 ई. में ब्रिटिश साम्राज्य ने भूटान पर आक्रमण किया तथा भूटान का विलय
- अफगानिस्तान के संबंध में 'अहस्तक्षेप' की नीति अपनाई जिसे 'कुशल अकर्मण्यता' के नाम से जाना जाता है।

free PDF & Notes - Click NOW

- 1865 ई. में भारत एवं यूरोप के बीच प्रथम समुद्री टेलीग्राफ सेवा की शुरूआत हुई।
- भूमि रक्षा कानून पारित हुआ।
- 1866 में उड़ीसा में तथा 1868-69 ई. में बुन्देलखण्ड एवं राजपूताना में भीषण अकाल पड़ा हेनरी कैम्पबेल के नेतृत्व में अकाल समिति का गठन
- बड़ी मात्रा में रेलवे तथा नहरों का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ।

लॉर्ड मेयो (1869-1872 ई.)

- काठियावाड़ में राजकोट कॉलेज तथा भारतीय युवराजों को राजनीतिक प्रशिक्षण देने हेतु अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना की।
- 1871 ई. में पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग बनाया गया।
- 1865 ई. में कलकत्ता बम्बई एवं मद्रास में उच्च न्यायालय की स्थापना की गई।
- 1872 ई. में कृषि विभाग की स्थापना की गई।
- भारत में प्रथम जनगणना लार्ड मेयो के कार्यकाल में 1872 ई. में हुई।
- 8 फरवरी 1872 ई. में एक अफगान 'शेर अली अफरीदी' द्वारा पोर्ट ब्लेयर में इसकी हत्या कर दी गयी। यह भारत का पहला ब्रिटिश वायसराय था जिसकी हत्या उसके कार्यकाल में हुई।

लॉर्ड नार्थब्रुक (1872-1876 ई.)

- 1872 ई. में पंजाब में कूका आन्दोलन
- 1873 ई. में बिहार में भयंकर अकाल पड़ा।
- ब्रह्म मैरिज एक्ट- 1872 पारित करके बाल विवाह पर प्रतिबन्ध लगाया।
- बड़ौदा के राजा मल्हारराव गायकवाड़ को भ्रष्टाचार के आरोप में पदच्युत कर मद्रास भेजा।
- यूरोप एवं एशिया के मध्य स्वेज नहर खुल जाने से भारत एवं ब्रिटेन के बीच व्यापार में वृद्धि हुई।
- 1875 ई. में सर सैय्यद अहमद खाँ द्वारा अलीगढ़ में मोहम्मडन ओरियण्टल कालेज की स्थापना हेतु नार्थब्रुक ने 10,000 रु. का दान दिया।
- लॉर्ड नार्थब्रुक ने यह घोषणा की कि- मेरा उद्देश्य करों को हटाना तथा अनावश्यक वैधानिक कार्रवाइयों को बंद करना है।

लॉर्ड लिटन (1876-1880 ई.)

- यह प्रसिद्ध उपन्यासकार, निबंध लेखक एवं साहित्यकार था। साहित्य जगत में यह 'ओवन मेरिडिथ' नाम से प्रसिद्ध है।
- 1876-80 के मध्य बम्बई, मद्रास, हैदराबाद, पंजाब एवं मध्य भारत में भयंकर अकाल पड़ा।
- 1878 ई. में रिचर्ड स्ट्रेची की अध्यक्षता में प्रथम अकाल आयोग की नियुक्ति।
- राजकीय उपाधि अधिनियम 1876 पारित कर 1 जनवरी 1877 को आयोजित दिल्ली दरबार में महारानी विक्टोरिया को 'भारत की साम्राज्ञी' घोषित किया गया।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट-1878 पारित, सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने इस एक्ट को 'आकाश से होने वाला वज्रपात' कहा।

Note: पायनियर अखबार ने वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट का समर्थन किया था।

- 1878 ई. में भारतीय शस्त्र अधिनियम पारित।
- लिटन ने अफगानिस्तान के प्रति आक्रामक नीति अपनायी।
- द्वितीय आंग्ल अफगान युद्ध (1878-80 ई.) हुआ तथा वैधानिक जानपद सेवा का गठन 1878 ई. में किया।
- सिविल सेवा परीक्षाओं में प्रवेश की अधिकतम आयु सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गई।

लॉर्ड रिपन (1880-84 ई.)

(भारत का सर्वाधिक लोकप्रिय गवर्नर जनरल/वायसराय)

- फ्लोरेंस नाइटेंगेल ने रिपन को भारत के उद्धारक की संज्ञा दी।
- नियमित जनगणना 1881 ई. में शुरू हुई।
- स्थानीय स्वशासन संबंधी प्रस्ताव पारित (1882 ई.), इसलिए रिपन को स्थानीय स्वशासन का जनक कहा गया।
- विलियम हंटर की अध्यक्षता में 1882 ई. में शिक्षा आयोग का गठन किया गया, जो प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित था।
- श्रमिकों की दशा में सुधार हेतु प्रथम कारखाना अधिनियम पारित (1881 ई.)
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1882 ई. में) समाप्त।
- नगर में नगरपालिका का गठन किया।
- 2 फरवरी, 1883 को यूरोपीयों के विरूद्ध भारतीय न्यायाधीशों द्वारा मुकदमें की सुनवाई के लिए प्रस्तावित ''इल्बर्ट बिल'' विवाद हुआ यह श्वेत विद्रोह के नाम से प्रसिद्ध है।
- 'इल्बर्ट बिल' विवाद के कारण रिपन ने त्यागपत्र दे दिया।
- द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध की समाप्ति
- सन् 1883 में स्ट्रेची आयोग की सिफारिश पर अकाल संहिता निर्मित किया गया।

लॉर्ड डफरिन (1884-88 ई.)

- तृतीय आंग्ल- बर्मा युद्ध (1885-86 ई.) बर्मा को अन्तिम रूप से अंग्रेजी राज्य में मिला लिया गया।
- डफरिन के समय ए.ओ. ह्यूम के द्वारा 1885 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई
- 1885 ई. में बंगाल टेनेन्सी एक्ट, 1887 ई. में पंजाब टेनेन्सी एक्ट पारित किया गया।
- 1887 ई. में डफरिन के कार्यकाल में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी।

लार्ड लैन्सडाउन (1888-94 ई.)

- 1889 ई. में कश्मीर के महाराजा प्रताप सिंह को ब्रिटिश रेजिडेंट के परिषद् (Council of Regency) के पक्ष में राजगद्दी को परित्याग करने के लिए बाध्य किया गया।
- 1889 ई. में प्रिंस ऑफ वेल्स का भारत में दूसरी बार आगमन हुआ।
- 1891 ई. में दूसरा कारखाना अधिनियम पारित
- 1891 ई. एज ऑफ कान्सेन्ट बिल पारित किया।
- 1891 ई. में मणिपुर के महाराजा व सेनापति को देश से निर्वासित कर दिया गया।
- 1892 ई. का भारतीय परिषद् अधिनियम पारित हुआ।
- 1893 ई. में भारत एवं अफगानिस्तान के मध्य सीमा रेखा (डूरण्ड रेखा) निर्धारण हेतु डूरण्ड आयोग की स्थापना।

free PDF & Notes - Click NOW

लॉर्ड एल्गिन द्वितीय (1894-1899 ई.)

- लॉर्ड एल्गिन द्वितीय ने घोषणा की कि- ''भारत को तलवार के बल पर विजित किया गया है और तलवार के बल पर ही इसकी रक्षा की जाएगी।''
- 1895-98 ई. के मध्य उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब एवं मध्य प्रदेश में भयंकर अकाल पड़ा।
- 1897 ई. में 'जेम्स लॉयल' की अध्यक्षता में अकाल आयोग का गठन किया गया।
- 1897 ई. में स्वामी विवेकानन्द द्वारा वेल्लूर में रामकृष्ण मिशन और मठ की स्थापना।
- भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों की शुरूआत
- पूना में चापेकर बन्धुओं (दमोदर हरि चापेकर एवं वासुदेव हरि चापेकर) ने ब्रिटिश प्लेग कमिश्नर डब्ल्यू. सी. रैंड की गोली मारकर भारत की प्रथम राजनीतिक हत्या की।

लॉर्ड कर्जन (1899-1905 ई.)

- 1899- 1900 ई. में अकाल पड़ा।
- सर एन्टनी मैकडॉनल की अध्यक्षता में एक अकाल आयोग का गठन किया गया।
- 1899 ई. में भारतीय टंकण और पत्र मुद्रा अधिनियम पारित कर पौंड मुद्रा को भारत की कानूनी मुद्रा घोषित कर दिया।
- 1899 ई. में कलकत्ता कारपोरेशन अधिनियम बना।
- 1901 ई. में कृषि इंस्पेक्टर जनरल की नियुक्ति की।

लार्ड कर्जन के कार्यकाल में गठित आयोग

वर्ष/ समय	आयोग	अध्यक्ष
1900 ई.	अकाल आयोग	सर एण्टोनी मैकडोनॉल्ड
1901 ई.	सिंचाई आयोग	सर कॉलिन स्कॉट मॉनक्रीफ
1901 ई.	रेलवे आयोग	टॉमस राबर्टसन
1902 ई.	पुलिस आयोग	एण्ड्रयू फ्रेजर
1902 ई.	विश्वविद्यालय आयोग	सर टॉमस रैले

- 1901 ई. में सेनाध्यक्ष किचनर के सहयोग से ''इम्पीरियल कैडेट कॉर्प्स'' की स्थापना।
- 1903 ई. में पुलिस विभाग में CID की स्थापना।
- 1904 ई. में प्राचीन स्मारक संरक्षण एक्ट पारित किया गया।
- 1904 ई. में सहकारी उधार समिति अधिनियम पारित हुआ।
- 1905 ई. में पूसा बिहार कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना।
- प्रत्येक प्रांत एवं केन्द्र स्तर पर गुप्तचर विभाग की स्थापना।
- कर्जन ने 1905 ई. में कलकत्ता में विक्टोरिया मेमोरियल हॉल का निर्माण करवाया।
- कर्जन ने 1905 ई. में रेलवे बोर्ड की स्थापना की।
- भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904 ई. में पारित हुआ।
- 1904 ई. में तिब्बत में यंग हस्बैंड मिशन भेजा।
- सैन्य अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु क्वेटा में कालेज की स्थापना।
- उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की स्थापना की।
- 19 जुलाई 1905 ई. को कर्जन ने शिमला में 'बंगाल विभाजन की घोषणा की तथा सितम्बर 1905 ई. में ब्रिटिश सम्राट ने इसकी स्वीकृति दी।
- 16 अक्टूबर, 1905 ई. को बंगाल विभाजन की योजना को लागू किया गया।
- किचनर कर्जन विवाद से असंतुष्ट कर्जन ने अगस्त 1905 ई. में इस्तीफा दे दिया।
- कर्जन ने 1903 ई. में कहा था- वायसराय पद से निवृत्त होने पर कलकत्ता निगम का महापौर होना पसन्द करेगा।

लॉर्ड मिन्टो द्वितीय (1905-1910 ई.)

- स्वदेशी आन्दोलन की शुरूआत हुई।
- आगा खाँ एवं सलीम उल्ला खाँ के नेतृत्व में 1906 ई. में ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई।
- 1907 ई. में ऑग्ल एवं रूसी प्रतिनिधि मंडल के मध्य बैठक हुई।
- 1907 ई. में सूरत अधिवेशन में कांग्रेस का विभाजन
- मार्ले-मिन्टो सुधार के तहत पहली बार मुसलमानों के लिए पृथक मताधिकार तथा पृथक निर्वाचन क्षेत्रों की स्थापना की गई।
- बाल गंगाधर तिलक को राजद्रोह के आरोप में 6 वर्ष के लिए कारावास की सजा हुई।
- गवर्नर जनरल की कौंसिल के सदस्य के रूप में एस. पी. सिन्हा की नियुक्ति की गयी।
- 1 जुलाई, 1909 को लंदन में क्रांतिकारी मदनलाल धींगरा ने विलियम कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या कर दी।
- 21 फरवरी, 1913 को शिक्षा नीति पर सरकारी प्रस्ताव लाया गया।

लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय (1910-1916 ई.)

- ब्रिटेन के राजा जार्ज पंचम 12 दिसम्बर, 1911 को दिल्ली दरबार में उपस्थित हुए।
- दिल्ली दरबार में बंगाल विभाजन रद्द करने की घोषणा की गयी तथा राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानान्तरित करने की घोषणा की गयी (1911 ई.)।
- 1912 ई. में दिल्ली भारत की राजधानी बनीं।
- 23 दिसम्बर, 1912 ई. को दिल्ली में लॉर्ड हार्डिंग पर बम फेंका गया इस कांड में भाई बाल मुकुन्द को फांसी की सजा दी गयी।
- 1913 ई. में रवीन्द्रनाथ टैगोर को साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला।
- 1913 ई. में लाला हरदयाल ने सैन फ्रैंसिस्को में 'गदर पार्टी' की स्थापना की।
- 28 जुलाई 1914 ई. में प्रथम विश्वयुद्ध प्रारम्भ हुआ।
- फिरोजशाह मेहता ने ''बाम्बे क्रॉनिकल'' एवं गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप' का प्रकाशन किया।
- गांधीजी 1915 ई. में दक्षिण अफ्रीका से वापस आए।
- 1915 ई. में पं. मदनमोहन मालवीय द्वारा हरिद्वार के कुंभ में हिन्दू-महासभा की स्थापना की गयी।
- 1915 ई. में दो महत्वपूर्ण राष्ट्रवादी नेता- गोपाल कृष्ण गोखले एवं फिरोजशाह मेहता की मृत्यु हो गयी।
- 1916 ई. में वाराणसी में पं. मदनमोहन मालवीय द्वारा ''बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय'' की स्थापना की गयी। लॉर्ड हार्डिंग को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नियुक्त किया गया।

free PDF & Notes - Click NOW

लॉर्ड चेम्सफोर्ड (1916-1921 ई.)

- तिलक तथा ऐनी बेसेंट द्वारा क्रमशः अप्रैल एवं सितम्बर 1916 ई. में होमरूल लीग की स्थापना।
- 1916 ई. में डी.के. कर्वे द्वारा पूना में महिला विश्वविद्यालय की स्थापना।
- 1916 ई. में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में नरमदल एवं गरमदल का एकीकरण हुआ।
- 1916 ई. में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में मुस्लिम लीग के साथ समझौता
- 1917 ई. में शिक्षा सुधार हेतु सैडलर कमीशन की नियुक्ति हुई।
- 20 अगस्त, 1917 के सुधारों की घोषणा 'मॉन्टेग्यू चेम्सफोर्ड घोषणा' के नाम से प्रसिद्ध है।
- गांधी जी द्वारा साबरमती आश्रम की स्थापना (1916 ई.), चम्पारन सत्याग्रह (1917 ई.), खेड़ा सत्याग्रह (1918 ई.), अहमदाबाद सत्याग्रह (1918 ई.)
- 1919 ई. में क्रान्तिकारी गतिविधियों के नियंत्रण हेतु रौलेट ऐक्ट पारित किया गया।
- 13 अप्रैल, 1919 ई. को जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ।
- संवैधानिक सुधार अधिनियम 1919 को 1 जनवरी, 1921 को लागू किया तथा प्रान्तों में द्वैध शासन की स्थापना हुई।
- खिलाफत आन्दोलन (1919 ई.) तथा असहयोग आन्दोलन (1920 ई.) आरम्भ।
- तृतीय आंग्ल-अफगान युद्ध (1919 ई.) हुआ।
- एस.पी. सिन्हा को बिहार के गवर्नर पद पर नियुक्त किया गया (गवर्नर बनने वाले प्रथम भारतीय थे)।
- 1920 ई. में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।
- 1920 ई. में एम. एन. राय द्वारा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन किया गया।
- 1 अगस्त, 1920 को बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु हुई।

लॉर्ड रीडिंग (1921-1926 ई.)

(एकमात्र यहूदी वायसराय)

- केरल में मोपला विद्रोह (1921 ई.) की शुरूआत हुई।
- नवम्बर 1921 में प्रिंस ऑफ वेल्स की भारत यात्रा।
- प्रसिद्ध चौरी-चौरा काण्ड 4 फरवरी, 1922 को हुआ परिणामस्वरूप गांधी जी ने 12 फरवरी, 1922 को असहयोग आन्दोलन समाप्त कर दिया।
- 1910 के प्रेस एक्ट एवं 1919 के रौलेट एक्ट की समाप्ति हुई।
- 1922 ई. में कलकत्ता में विश्व भारती विश्वविद्यालय की स्थापना रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा हुई।
- 1922 ई. में सर्वप्रथम I.C.S. की परीक्षा लंदन एवं इलाहाबाद में आयोजित हुई।
- 1922 ई. में अकाली आंदोलन आरंभ हुआ जो सिक्ख गुरुद्वारों को ब्रिटिश समर्थक महन्तों के चंगुल से मुक्त करने के उद्देश्य के लिए समर्पित था। अतः 1925 में गुरुद्वारों की देखभाल के लिए 'शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति' की स्थापना हुयी।
- 1923 ई. में स्वराज्य पार्टी की स्थापना चितरंजन दास तथा मोती लाल नेहरू ने इलाहाबाद (प्रयागराज) में की।
- 1924 ई. में द्वैध शासन के मूल्यांकन हेतु ''मूडीमैन कमेटी'' का गठन हुआ।
- 1924 ई. में 'Hindustan Republican Association' का गठन किया गया।
- वर्ष 1924-25 में वायकूम सत्याग्रह आरंभ हुआ। यह अछूतों को मंदिरों में प्रवेश दिलाने की माँग को लेकर त्रावणकोर राज्य में चलाया गया था।
- 9 अगस्त, 1925 को प्रसिद्ध काकोरी काण्ड हुआ।
- रीडिंग के कार्यकाल में मुल्तान, अमृतसर, दिल्ली, अलीगढ़ एवं कलकत्ता में भीषण साम्प्रदायिक दंगे हुए।
- 1926 ई. में आर्यसमाजी राष्ट्रवादी नेता स्वामी श्रद्धानंद की हत्या हुई।
- 1 अक्टूबर, 1926 को 'लोक सेवा आयोग' की स्थापना हुई।

लॉर्ड इरविन (1926-1931 ई.)

- देशी रियासतों के संबंध में 1927 ई. में हरकोर्ट बटलर समिति की नियुक्ति हुई।
- 1927 ई. में भारतीय जल सेना अधिनियम पारित।
- ऑल इण्डिया स्टेट्स पीपुल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन दिसम्बर 1927 ई. में हुआ।
- 3 फरवरी, 1928 को साइमन कमीशन भारत पहुँचा।
- 1928 ई. को लखनऊ में सर्वदलीय सम्मेलन का आयोजन तथा इस संबंध में नेहरू रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
- 1928 ई. में कृषि से सम्बन्धित रॉयल कमीशन की नियुक्ति।
- कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (1929 ई.) में पूर्ण स्वराज की घोषणा हुई।
- 8 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह एवं बटुकेश्वर दत्त द्वारा दिल्ली के असेम्बली हॉल में बम फेंका गया।
- 64 दिन की भूख हड़ताल के पश्चात् जतिनदास की मृत्यु (1929 ई.) हुई।
- 1929 ई. में इम्पीरियल काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च की स्थापना हुई।
- 1929 ई. में इरविन द्वारा दीपावली घोषणा।
- 1929 ई. में लाला लाजपत राय की मृत्यु।
- कांग्रेस कार्यसमिति ने 26 जनवरी, 1930 को 'पूर्ण स्वतंत्रता दिवस' सम्पूर्ण भारत में मनाने का निश्चय किया। 31 जनवरी, 1930 को गाँधी जी द्वारा ब्रिटिश सरकार द्वारा 11 सूत्री माँग प्रस्तुत किया गया।
- 13 फरवरी, 1931 को भारत की नई राजधानी के रूप में दिल्ली का उद्घाटन लॉर्ड इरविन द्वारा किया गया।
- 12 मार्च, 1930 को महात्मा गाँधी चुने हुए 78 अनुयायियों के साथ साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा (मार्च) का आरंभ किया। 6 अप्रैल, 1930 को दांडी में नमक बनाकर नमक कानून को तोड़ा। इसी दिन से नमक सत्याग्रह/सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरंभ हुआ।
- नवम्बर, 1930 में लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन का आयोजन।
- मेरठ षड्यंत्र का मुकदमा वायसराय लॉर्ड इरविन के कार्यकाल में चला था।

free PDF & Notes - Click NOW

- 1930 ई. में शारदा एक्ट पारित हुआ।
- 5 मार्च, 1931 को गाँधी इरविन समझौता हुआ।

लॉर्ड विलिंगटन (1931-1936 ई.)

- लंदन में आयोजित द्वितीय गोलमेज सम्मेलन (1 दिस. 1931) में गांधी जी ने कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया।
- 16 अगस्त, 1932 ई. को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड द्वारा साम्प्रदायिक पंचाट की घोषणा।
- 24 सितम्बर, 1932 ई. में गाँधी एवं अम्बेडकर के मध्य पूना समझौता हुआ।
- दिसम्बर, 1932 ई. में तृतीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- 1932 ई. में इण्डियन मिलिट्री एकेडमी की स्थापना देहरादून में की गयी।
- 1933 ई. में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र चौधरी रहमत अली द्वारा सर्वप्रथम पाकिस्तान शब्द का प्रयोग किया गया।
- 1934 ई. में जयप्रकाश नारायण एवं आचार्य नरेन्द्र देव ने ''कांग्रेस समाजवादी पार्टी'' की स्थापना की।
- भारत सरकार अधिनियम 1935 पारित किया गया। प्रान्तों से द्वैध शासन समाप्त किया गया।
- 1936 ई. में अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना
- 21 जनवरी, 1936 ई. को जार्ज पंचम का निधन तथा एडवर्ड अष्टम का राज्यारोहण

लॉर्ड लिनलिथगो (1936-1944 ई.)

- पहला प्रान्तीय आम चुनाव 1936-37 ई. में सम्पन्न हुआ। जिसमें 11 प्रान्तों में से 8 प्रान्तों में कांग्रेस ने सरकार बनायी, 6 प्रान्तों में पूर्ण बहुमत की तथा 2 प्रान्तों में गठबंधन की सरकार बनायी।
- फैजपुर (बंगाल) में कांग्रेस का 50वाँ अधिवेशन (दिसम्बर 1937 ई.), यह गाँव में होने वाला कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन था जिसकी अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की थी।
- 1 सितम्बर, 1939 को द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारम्भ हुआ।
- सुभाष चन्द्र बोस ने त्रिपुरी कांग्रेस अधिवेशन (1939 ई.) के अध्यक्ष पद से त्याग पत्र दिया।
- 1939 ई. में सुभाष चन्द्र बोस से फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।
- 22 दिसम्बर, 1939 को मुस्लिम लीग ने ''मुक्ति'' दिवस मनाया।
- मई, 1940 में विंस्टन चर्चिल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनें।
- मार्च, 1940 में मुस्लिम लीग ने लाहौर अधिवेशन में ''द्विराष्ट्र सिद्धान्त'' के तहत पाकिस्तान की माँग की।
- 8 अगस्त, 1940 को अंग्रेजों द्वारा अगस्त प्रस्ताव लाया गया।
- 17 अक्टूबर, 1940 को गाँधी जी द्वारा पवनार आश्रम से व्यक्तिगत सत्याग्रह प्रारम्भ, विनोबा भावे प्रथम सत्याग्रही बने।
- 1941 ई. में सुभाष चन्द्र बोस का भारत से पलायन
- 1942 ई. में क्रिप्स मिशन भारत आया। गांधी जी ने इसके निर्णय को ''पोस्ट डेटेड चेक'' कहा।
- 8 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आन्दोलन/अगस्त क्रांन्ति प्रारम्भ हुआ, जिसमें 'करो या मरो' का नारा दिया गया।
- 1943 ई. में बंगाल में भयंकर अकाल।
- 1943 ई. में 'आजाद हिन्द फौज' का गठन
- मुस्लिम लीग ने कराची अधिवेशन (1944 ई.) में ''बाँटों एवं वापस जाओं'' का नारा दिया।

लॉर्ड वेवेल (1944-1947 ई.)

- शिक्षा सुधार हेतु सार्जेंट योजना (1944 ई.) की घोषणा।
- 1944 ई. में सी राजगोपालाचारी ने सी. आर. फार्मूला प्रस्तुत किया।
- वेवेल योजना 1945 ई. में प्रस्तुत किया गया।
- 1945 ई. में ब्रिटेन में लेबर पार्टी सत्ता में आयी, क्लीमेंट एटली प्रधानमंत्री बने।
- शिमला सम्मेलन का आयोजन 1945 ई. में हुआ।
- आजाद हिन्द फौज के सैनिकों पर लाल किले में नवम्बर 1945 ई. में मुकदमा चला।
- 16 अगस्त, 1946 को मुस्लिम लीग द्वारा 'प्रत्यक्ष कार्यवाही' दिवस मनाया गया।
- 1946 ई. में कैबिनेट मिशन भारत आया।
- 2 सितम्बर, 1946 को कांग्रेस द्वारा पं. जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में अन्तरिम सरकार गठित की गयी।
- 20 फरवरी, 1947 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री लार्ड क्लीमेंट एटली ने घोषणा की कि भारत को जून 1948 ई. तक सत्ता सौंप देंगे।
- सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसम्बर, 1946 ई. को हुई।
- 11 दिसम्बर, 1946 ई. को डा. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

लॉर्ड माउन्टबेटन (1947- 1948 ई.)

- लॉर्ड माउन्टबेटन ब्रिटिश भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल एवं वायसराय थे तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर -जनरल बनें।
- 3 जून, 1947 को माउन्टबेटन योजना घोषित हुई जिसमें भारत विभाजन की रूपरेखा थी।
- 4 जुलाई, 1947 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली द्वारा ब्रिटिश संसद में भारतीय स्वतंत्रता विधेयक प्रस्तुत किया गया। यह 18 जुलाई,1947 को पास किया गया।
- विधयेक के अनुसार भारत और पाकिस्तान दो स्वतंत्र राष्ट्रों की घोषणा की गयी।
- 15 अगस्त, 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ।
- स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड माउन्टबेटन नियुक्त हुए।
- सीरिल रेडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा रेखा का निर्धारण किया गया।

सी. राजगोपालचारी (1948-1950 ई.)

- भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे।
- 26 जनवरी 1950 को लागू भारत के नये संविधान के अनुसार गवर्नर जनरल का पद समाप्त कर डा. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया।

free PDF & Notes - Click NOW

ब्रिटिश शासन की प्रशासनिक नीतियाँ

❖ प्रशासनिक नीतियाँ

- लॉर्ड वारेन हेस्टिंग्स ने 1772 ई. में राजस्व वसूली एवं न्याय हेतु जिला कलेक्टर के पद की व्यवस्था की।
- लॉर्ड कार्नवालिस ने 1782 ई. में जमींदारी थानेदारी प्रणाली के स्थान पर **दरोगा प्रणाली** की शुरूआत की जो प्रत्यक्षतः जिला प्रमुख के अधीन थी।
- प्रांतीय स्तर पर राजस्व संबंधी विवाद के निपटारे हेतु 1786 ई. में बंगाल में राजस्व बोर्ड का गठन किया गया।
- लॉर्ड विलियम बैटिंक ने 1829 ई. में प्रभागीय आयुक्त का प्रावधान किया जो जिला एवं राज्य मुख्यालयों के मध्य एक मध्यस्थ प्राधिकरण के रूप में था।
- भारतीय पुलिस अधिनियम के माध्यम से 1861 ई. में कांस्टेबल (सिपाही) प्रणाली की स्थापना हुई। इसके द्वारा जिला पुलिस को कलेक्टर के अधीन किया गया।

❖ स्थानीय प्रशासन

- 1687 ई. में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने मद्रास में नगर निगम बनाने की अनुमति दी। बाद में 1726 ई. में मद्रास नगर निगम के महापौर के न्यायालय की स्थापना की गयी।
- 1793 ई. के चार्टर एक्ट द्वारा स्थानीय संस्थाओं को वैधानिक आधार मिला।
- 1842 ई. में बंगाल अधिनियम से प्रेसीडेन्सी नगरों के बाहर स्थानीय संस्थाओं की शुरूआत हुयी। 1850 ई. में यह नियम सभी ब्रिटिश प्रांतों में लागू कर दिया गया।

❖ लॉर्ड मेयो का प्रस्ताव (1870 ई.)

- शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क विभाग प्रान्तीय सरकार को प्रदान किया गया।
- बंगाल जिला बोर्ड उपकर अधिनियम 1871 द्वारा बंगाल में स्थानीय स्वायत्त शासन लाने का अवसर मिला।

❖ लॉर्ड रिपन का प्रस्ताव (1882 ई.)

- केन्द्रीय शासन ने 1882 ई. में प्रभावी रूप से स्थानीय स्वायत्त शासन की शुरूआत की।
- ग्रामीण क्षेत्र में तालुका एवं जिला बोर्ड का गठन किया गया।
- लॉर्ड रिपन को स्थानीय स्वायत्त शासन का जनक माना जाता है।

❖ लोक सेवा का विकास

- लॉर्ड वारेन हेस्टिंग्स और लॉर्ड कार्नवालिस के प्रयासों से ब्रिटिश भारत में लोक सेवा के विकास को, बुनियादी और वैधानिक स्वरूप मिला।
- लॉर्ड कार्नवालिस को लोक सेवा का जनक माना जाता है।
- उच्च लोक सेवा तथा निम्न लोक सेवा का विभेदन हुआ है।
- लॉर्ड कार्नवालिस ने उच्च लोक सेवा के पदों को अंग्रेजों के लिए आरक्षित रखा।
- 1800 ई. में लॉर्ड वेलेजली ने लोक सेवकों के प्रशिक्षण हेतु कलकत्ता में फोर्ट विलियम कालेज की स्थापना की।
- चार्टर एक्ट 1833 के द्वारा लोक सेवकों के चयन हेतु खुली प्रतियोगिता का प्रयास किया गया।

▪ मैकाले समिति रिपोर्ट की अनुशंसा–

(i) सिविल सेवा में चयन हेतु खुली प्रतियोगिता।
(ii) अभ्यर्थी की आयु सीमा 18-23 वर्ष होनी चाहिए।
(iii) परीक्षा का आयोजन लंदन में होना चाहिए।
(iv) प्रारम्भ में अभ्यर्थी को प्रोबेशन पर रखना चाहिए।

- पहली बार 1855 ई. में लंदन में खुली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी ''ब्रिटिश सिविल सर्विस कमीशन'' को दी गयी।
- 1864 ई. में उच्च लोक सेवा में प्रथम भारतीय के रूप में सत्येन्द्र नाथ टैगोर को सफलता मिली।
- 1870 में सरकार द्वारा यह निश्चित हुआ था कि इन पदों पर कम-से-कम 20 प्रतिशत भारतीय प्रतियोगिता के बिना भी नियुक्त होने चाहिए।

एचीशन आयोग

- 1886 में चार्ल्स एचीशन की अध्यक्षता में लोक सेवा आयोग का गठन किया गया।
- उच्च लोक सेवा में भारतीयों के न्यायपूर्ण चयन हेतु अनुशंसा की।
- दो स्तरीय वर्गीकरण (उच्च एवं निम्न) के स्थान पर तीन स्तरीय वर्गीकरण (उच्चतम, प्रांतीय, अधीनस्थ) को अपनाया जाना चाहिए।
- अधिकतम आयु सीमा 23 वर्ष हो।
- परीक्षा का आयोजन एक साथ भारत एवं इंग्लैण्ड में होना चाहिए।

❖ इसलिंग्टन आयोग

- इसलिंग्टन की अध्यक्षता में 1892 ई. में लोक सेवा आयोग पर 'शाही आयोग' की नियुक्ति की गयी।
- 25 प्रतिशत पद प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा तथा शेष पदोन्नति के माध्यम से भारतीय अभ्यर्थियों द्वारा भरा जाना चाहिए।
- वेतन के आधार पर कार्य क्षमता का निर्धारण किया जाना चाहिए।
- आई. सी. एस. हेतु प्रोबेशन की अवधि तीन वर्ष की होनी चाहिए।

❖ मोंट-फोर्ड रिपोर्ट

- 1918 ई. में मोंटेग्यु चेम्सफोर्ड रिपोर्ट की अनुशंसा।
- ''अखिल भारतीय सेवा'' शब्द का प्रयोग पहली बार 1918 ई. में किया गया।
- पहली आई. सी. एस. परीक्षा ब्रिटिश सेवा आयोग के पर्यवेक्षणाधीन में 1922 ई. लंदन एवं इलाहाबाद (प्रयागराज) में एक साथ आयोजित की गयी।

❖ ली आयोग

- लॉर्ड विस्काउंट ली की अध्यक्षता में 1923 ई. में उच्च सिविल सेवाओं से संबंधित 'रॉयल आयोग' का गठन किया गया।

free PDF & Notes - Click NOW

- भारतीय सिविल सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय चिकित्सा सेवा, भारतीय इंजीनियरिंग सेवा, भारतीय वन सेवा आदि को सीक्रेटरी ऑफ स्टेट के अधीन रखना चाहिए।
- 1926 ई. में ब्रिटिश सरकार ने लोक सेवा आयोग की स्थापना की।
- भारत सरकार अधिनियम- 1935 द्वारा संघीय और प्रांतीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की गयी।

❖ न्यायिक सेवा का विकास

- वारेन हेस्टिंग्स (1772) ने बंगाल, बिहार एवं उड़ीसा में पहला ब्रिटिश भारतीय कानून कोड पेश किया।
- दो न्यायालय— फौजदारी (अपराधिक मामले) तथा दीवानी (सिविल मामले) न्यायालय का गठन
- रेग्यूलेटिंग एक्ट - 1773 द्वारा कलकत्ता में 1774 ई. में एक सुप्रीम कोर्ट स्थापित किया गया, जिसके अधिकार-क्षेत्र में कलकत्ता में रहने वाले सभी भारतीय और अंग्रेज थे।
- सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश 'एलिजा इम्पे' को नियुक्त किया गया। अन्य नियुक्त न्यायाधीश - चैम्बर्स, लिमैस्टर तथा हाइड थे।
- इसके अतिरिक्त कलकत्ता में दो न्यायालय का गठन—
- सदर दीवानी अदालत – नागरिक विवादों के अपील हेतु
- सदर निजामत अदालत – अपराधिक विवादों के अपील हेतु

ब्रिटिश कालीन समितियाँ

आयोग	अध्यक्ष	वाय सराय	उद्देश्य
इनाम आयोग (1852 ई.)	इनाम	**लॉर्ड डलहौजी**	भूस्वामियों की सम्पत्ति/उपाधियों की जांच हेतु।
चार्ल्स वुड डिस्पैच (1854 ई.)	सर चार्ल्स वुड	**लॉर्ड डलहौजी**	भारत की भावी शिक्षा की रूपरेखा तैयार करना।
स्ट्रेची आयोग (1880 ई.)	रिचर्ड स्ट्रेची	**लॉर्ड लिटन**	अकाल पीड़ितों की सहायता हेतु।
हण्टर आयोग (1882 ई.)	विलियम हण्टर	**लॉर्ड रिपन**	शिक्षा की प्रगति के पुनरावलोकन हेतु।
हरशेल समिति (1893 ई.)	हरशेल	**लॉर्ड लैंसडाउन**	टकसाल संबंधी सुझाव देने हेतु।
लायल आयोग (1898 ई.)	जेम्स लयाल	**लॉर्ड एल्गिन**	1880 ई. के अकाल आयोग की रिपोर्ट का अध्ययन कर सुझाव देने हेतु
मैक्डोनल आयोग (1901 ई.)	सर एंटोनी मैक्डोनल	**लॉर्ड कर्जन**	दुर्भिक्ष पर स्ट्रेची आयोग की रिपोर्ट पर अपना सुझाव देने हेतु
मानक्रीक आयोग (1901 ई.)	सर वोल्विन स्कॉट मानक्रीक	**लॉर्ड कर्जन**	सिंचाई योजना हेतु
फ्रेजर आयोग (1902 ई.)	सर डब्ल्यू फ्रेजर	**लॉर्ड कर्जन**	पुलिस प्रशासन की कार्य पद्धति की जाँच करना।
रैले आयोग (1902 ई.)	थामस रैले	**लॉर्ड कर्जन**	विश्वविद्यालय से संबंधित
सैडलर आयोग (1917 ई.)	माइकल सैडलर	**लॉर्ड चेम्सफोर्ड**	कलकत्ता विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और उसके दोषों की जाँच के लिए गठित
शाही आयोग (1924 ई.)	लार्ड ली	**लॉर्ड रीडिंग**	नागरिक सेवा से संबंधित
स्किन समिति (भारतीय सेण्डहर्स्ट समिति) (1925 ई.)	एण्ड्रयू स्किन	**लॉर्ड रीडिंग**	भारतीय सेना का भारतीयकरण करने संबंधी
बटलर समिति (1927 ई.)	हरकोर्ट बटलर	**लॉर्ड इरविन**	ब्रिटिश परमसत्ता और देशी राज्यों को अच्छे संबंध स्थापित करने से संबंधित
व्हिटले आयोग (1928 ई.)	जे. एच. व्हिटले	**लॉर्ड इरविन**	श्रमिकों की स्थिति का अध्ययन करने और रिपोर्ट पेश करने हेतु
लिनलिथगो आयोग (1926 ई.)	लॉर्ड लिनलिथगो	**लॉर्ड इरविन**	इस राजकीय आयोग ने भारत में कृषि की स्थिति में सुधार की अनुशंसा की, जिसके परिणामस्वरूप 1929 में 'इम्पीरियल कौंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च' की स्थापना हुयी।
लिण्डसे आयोग (1929 ई.)	ए. डी. लिण्डसे	**लॉर्ड इरविन**	मिशनरी शिक्षा के विकास के लिए।
सप्रू समिति (1934 ई.)	तेज बहादुर सप्रू	**लॉर्ड विलिंग्टन**	संयुक्त प्रांत में बेरोजगारी के कारणों के अध्ययन हेतु
फ्लाउड आयोग (1940)	फ्रांसिस फ्लाउड	**लॉर्ड लिनलिथगो**	इस आयोग ने फसल के आधे के बजाए दो-तिहाई हिस्सा बटाईदारों को देने की माँग को जायज ठहराया था। आयोग की सिफारिशों से बंगाल में तेभागा आन्दोलन को प्रेरणा मिली थी।
वुडहेड आयोग (दुर्भिक्ष जाँच आयोग) (1943-44 F&.)	सर जॉन वुडहेड	**लॉर्ड वेवेल**	बंगाल दुर्भिक्ष के कारणों की जाँच करने के लिए

free PDF & Notes - Click NOW

ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियाँ

- प्लासी का युद्ध (1757 ई.) तथा बक्सर युद्ध (1764 ई.) के पश्चात् भारतीय अर्थव्यवस्था अधिशेष और आत्मनिर्भरता की अर्थव्यवस्था से औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो गयी।
- ब्रिटिश औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था का मुख्य उद्देश्य- भारत से कच्चा माल प्राप्त करना और अपने विनिर्मित उत्पादों को भारतीय बाजारों में ऊँची कीमतों पर बेचना।

▪ भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद के विभिन्न चरण-

(i) वाणिज्यिक पूँजीवाद का चरण- 1757- 1813 ई.
(ii) औद्योगिक पूंजीवाद का चरण- 1813-1858 ई.
(iii) वित्तीय पूँजीवाद का चरण- 1858- 1947 ई. तक

- भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद के प्रथम चरण को पर्सीवल स्पीयर ने 'खुली और बेशर्म लूट का काल' कहा।
- रजनी पाम दत्त के अनुसार – कंपनी ने 1757 और 1765 ई. के बीच बंगाल के नवाबों से करीब 40 लाख पौण्ड वार्षिक उपहार प्राप्त किया।
- इतिहासकार के. एम. पणिक्कर ने 1765-72 ई. के काल को डाकू राज्य कहा है।
- गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने 1772 ई. में बंगाल में द्वैध शासन व्यवस्था को समाप्त कर फार्मिंग सिस्टम (इजारेदारी प्रथा) या तालुकेदारी व्यवस्था की शुरूआत की।
- लॉर्ड कार्नवालिस ने दस-साला बन्दोबस्त (1786 ई.) लागू किया जिसे 1793 ई. में स्थायी बन्दोबस्त (इस्तमरारी बन्दोबस्त) में परिवर्तित कर दिया।
- 1794 ई. में सूर्यास्त कानून लागू हुआ।
- रैय्यतवाड़ी व्यवस्था को सर्वप्रथम 1792 ई. में तमिलनाडु के बारामहल जिले में लागू किया गया।
- खाद्यान्नों की कमी के कारण 1866-67 ई. के उड़ीसा के भयंकर अकाल को 19वीं शताब्दी के अकालों में ''आपदा का महासागर'' कहा जाता है।
- भारत में 1800-1850 के बीच के समय को 'अनौद्योगीकरण' या 'विऔद्योगीकरण' के नाम से जाना जाता है।
- कार्ल मार्क्स ने भारत में ब्रिटिश आर्थिक नीति को घिनौनी नीति कहा।
- भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद के द्वितीय चरण को ''औद्योगिक मुक्त व्यापार या पूँजीवाद'' का चरण माना जाता है।
- औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था की श्रेष्ठतम् पुस्तक 'इंडिया टुडे' रजनी पाम दत्त द्वारा लिखी गयी है।
- लॉर्ड डलहौजी को भारत में रेलवे का जनक माना जाता है।
- 16 **अप्रैल** 1853 को बम्बई से थाणे के मध्य 34 कि.मी. रेल चलाई गयी।
- सर्वाधिक रेलवे लाइन का विस्तार कर्जन के समय हुआ था।
- कार्ल मार्क्स ने भारतीय रेल को ''आधुनिक युग का अग्रदूत'' तथा भारत के आधुनिक उद्योग की जननी कहा था।
- वर्ष 1854 ई. में ''बाम्बे स्पिनिंग एण्ड वीविंग कंपनी'' की सूती वस्त्र की फैक्ट्री ''कावसजी डाबर'' के द्वारा स्थापित की गयी थी।
- भारत का प्रथम चाय बागान 1833 ई. में स्थापित किया गया था।
- भारत में सीमेन्ट का पहला कारखाना चेन्नई (तमिलनाडु) में वर्ष 1904 में स्थापित किया गया।

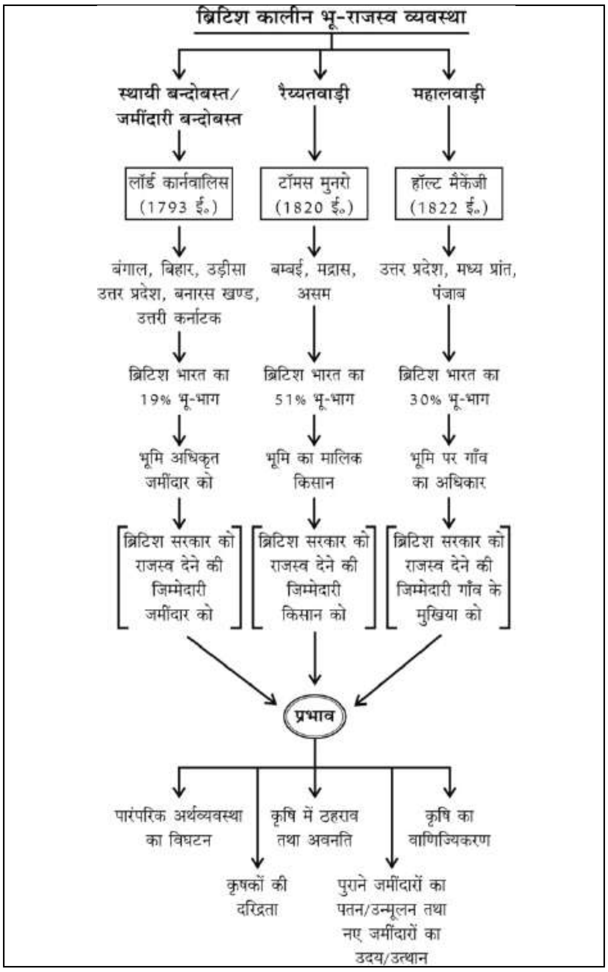

- भारत में पहली कागज मिल 1859 ई. में विलियम कैरे द्वारा बंगाल में स्थापित की गयी।
- कुटीर उद्योगों के विकास हेतु ''ऑल इंण्डिया स्पिनर्स एसोसिएशन'' की स्थापना महात्मा गाँधी द्वारा की गयी थी।
- अंग्रेजों ने भारत में आर्थिक शोषण की भावना से सड़कें, पुल, रेलवे, डाकतार, बंदरगाहों का निर्माण, सिंचाई योजनाएँ तथा बैंक आदि का निर्माण कार्य किया।
- पंजाब नेशनल बैंक 1895, बैंक ऑफ इंडिया 1906, इंण्डियन बैंक 1907, सेन्ट्रल बैंक 1911, द बैंक ऑफ मैसूर 1913 तथा इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया 1921 में स्थापित किया गया।
- अवध कामर्शियल बैंक का गठन 1881 ई. में किया गया।

❖ भारतीय हस्त शिल्प/कुटीर उद्योग का पतन

- इंग्लैण्ड में 18वीं शताब्दी में हुई औद्योगिक क्रांति ने भारतीय कुटीर उद्योग एवं शिल्प को नुकसान पहुँचाया।
- विनिर्मित वस्तुओं के आयात में वृद्धि।
- भारतीय कच्चा माल का दोहन।
- कर मुक्त व्यापार प्रणाली को भारत पर थोपना।
- पूँजी निर्माण तथा उद्यम की कमी।

free PDF & Notes - Click NOW

प्रमुख कृषि पद्धतियाँ	
प्रथा	**विशेषताएँ**
तिनकठिया प्रथा	इस प्रथा के अन्तर्गत चम्पारन (बिहार) के किसानों को अंग्रेज बागान मालिकों के अनुबंध पर अपनी भूमि के 3/20 भाग पर नील की कृषि करना अनिवार्य होता था।
ददनी प्रथा	ब्रिटिश व्यापारी भारतीय उत्पादकों, कारीगरों, शिल्पियों आदि से निर्मित माल प्राप्त करने के लिए अग्रिम अथवा पेशगी के रूप में धन देते थे।

भारत से धन निकासी

- धन के निष्कासन का सिद्धान्त (Drain of wealth theory) का प्रतिपादन सर्वप्रथम दादाभाई नौरोजी ने किया।
- "पावर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इंण्डिया" (1901) नामक पुस्तक दादाभाई नौरोजी ने लिखी।
- दादाभाई नौरोजी ने 2 मई 1867 को लंदन में आयोजित ईस्ट इंडिया एसोशिएसन की सभा में "इंग्लैण्ड डेब्ट टू इंडिया" नामक शीर्षक से लेख में पहली बार "धन के बर्हिगमन सिद्धांत" को प्रस्तुत किया।
- "द वॉन्टस एण्ड मीन्स ऑफ इंडिया" (1870), "ऑन द कामर्स ऑफ इंडिया" (1871) तथा पावर्टी एण्ड अन-ब्रिटिश रूल इन इण्डिया (1901) के द्वारा धन के निष्कासन सिद्धांत की व्याख्या की गई।
- वर्ष 1892 ई. में लिबरल पार्टी के टिकट पर ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में चुने जाने वाले पहले भारतीय दादाभाई नौरोजी थे।
- अर्थशास्त्री एवं राष्ट्रवादी इतिहासकार रमेश चन्द्र दत्त की पुस्तक – "इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया" भारत के आर्थिक इतिहास की पहली प्रसिद्ध पुस्तक मानी जाती है।
- जॉन सुलिवान ने कहा- "हमारी प्रणाली बहुत कुछ स्पंज की तरह कार्य करती है, जो गंगा के तटों से सभी अच्छी-चीजें सोखकर टेम्स नदी के तटों पर निचोड़ देती है।

कारखाना अधिनियम एवं उनसे संबंधित तथ्य	
अधिनियम	**विशेषताएँ**
कारखाना अधिनियम- (1881 ई.)	• लॉर्ड रिपन द्वारा लागू किया गया। • 7 वर्ष से कम आयु वर्ग को प्रतिबंधित किया गया। • 7-12 वर्ष के बच्चों की कार्यावधि 9 घंटे थी। • महीने में 4 दिन की छुट्टी।
कारखाना अधिनियम- (1891ई.)	• लॉर्ड लैंसडाउन द्वारा लागू किया गया। • 9 वर्ष से कम आयु वर्ग को प्रतिबंधित किया। • 9-19 वर्ष के आयु वर्ग के लिए 7 घंटे की कार्यावधि निर्धारित की गई • महिला कर्मियों को रात्रि 8 बजे से सुबह 5 बजे तक कार्य करने पर रोक लगाई गई। • कार्यावधि 11 घंटे तय की गयी।
कारखाना अधिनियम- (1911 ई.)	• लॉर्ड हार्डिंग ने लागू किया। • बच्चों को शाम 7 बजे से सुबह 5 बजे तक कार्य करने पर रोक लगाई गई।
कारखाना अधिनियम- (1922 ई.)	• लॉर्ड रीडिंग ने लागू किया। • 12-15 वर्ष के आयु वर्ग की कार्यावधि 6 घंटे तय की गयी।
कारखाना अधिनियम- (1934 ई.)	• लॉर्ड विलिंगटन ने लागू किया। • मौसमी तथा सदैव कार्यशील कारखानों में विभेद स्थापित किया गया। • वयस्क श्रमिकों की कार्यावधि 11 घंटे तय की गयी। • श्रमिकों के विश्राम व चिकित्सा की व्यवस्था की गई
कारखाना अधिनियम- (1946 ई.)	• लॉर्ड वैवेल ने लागू किया। • श्रमिकों की कार्यावधि 11 घंटे से घटाकर 9 घंटे तय कर दी गयी। • 200 से अधिक श्रमिक वाले स्थान पर कैंटीन की व्यवस्था की सिफारिश की।

1857 का विद्रोह

- 1857 की क्रान्ति से पूर्व भारत में अनेक विद्रोह हुए थे।
- ब्रिटिश सेना में सेवारत भारतीय सैनिकों का पहला सैनिक विद्रोह 1806 ई. में वेल्लोर में हुआ।
- दिसम्बर 1856 ई. में ब्रिटिश सरकार ने पुराने लोहे वाली बंदूक ब्राउन बेस के स्थान पर नवीन एनफील्ड राइफल के प्रयोग का निर्णय लिया।
- 1857 के विद्रोह का मुख्य तात्कालिक कारण चर्बी (गाय, सुअर) वाला कारतूस था।
- अंग्रेजों की शोषणकारी आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं प्रशासनिक नीतियों के प्रभावों ने 1857 के विद्रोह को जन्म दिया।
- 1857 के विद्रोह के समय ब्रिटिश प्रधानमंत्री विस्कॉन्ट पामर्स्टन थे।
- 1857 के स्वाधीनता संग्राम का प्रतीक 'कमल' और 'रोटी' था।
- विद्रोह की शुरूआत 10 मई, 1857 को मेरठ से हुई।
- विद्रोह में भाग लेने वाले सर्वाधिक सैनिक अवध राज्य से थे।
- 1857 के सैनिक विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग था।
- लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद (प्रयागराज) को आपातकालीन मुख्यालय बनाया था।
- 1857 के सैनिक विद्रोह के समय मुगल शासक बहादुरशाह द्वितीय "जफर" था।
- 29 मार्च, 1857 को 34वीं नेटिव इन्फेन्ट्री बैरकपुर (पश्चिम बंगाल, जिला परगना) के मंगल पांडे ने अपने सार्जेन्ट मेजर बाग की हत्या कर दी, और मेजर सार्जेन्ट ह्यूसन को गोली मार दी।
- मार्च, 1857 में लेफ्टिनेंट जनरल सर जॉन बेनेट हैरसे बैरकपुर में कमॉडिंग ऑफिसर थे।
- 10 मई, 1857 को मेरठ में कमॉडिंग ऑफिसर जनरल हेविट थे।
- विद्रोह के समय कानपुर में कमॉडिंग ऑफिसर सर ह्यू व्हीलर थे।
- विद्रोह के समय लेफ्टिनेंट विलोवी दिल्ली में शस्त्रागार का कार्यवाहक था।
- मंगल पांडे को 8 अप्रैल, 1857 ई. को फाँसी दी गयी।
- 1857 के विद्रोह के समय यूरोपीय और भारतीय सैनिकों का अनुपात 1:5 था।

free PDF & Notes - Click NOW

- विद्रोह के पश्चात् सैनिकों का अनुपात बंगाल में 1:2 जबकि मद्रास तथा बंबई में 2:5 कर दिया गया।
- 'द जनरल सर्विस इनलिस्टमेण्ट एक्ट 1856' के अनुसार घोषणा की गई कि युद्ध के लिए भारतीय सैनिकों को समुद्रपार विदेश भी जाना पड़ेगा।
- 1857 के विद्रोह से सम्बन्धित सर्वप्रथम घटना "सैनिकों /विद्रोहियों का लाल किले पर पहुँचना" तथा 11 मई, 1857 को बहादुरशाह द्वितीय 'जफर' को भारत का बादशाह घोषित किया जाना था।

1857 के विद्रोह के प्रमुख कारण

❖ राजनीतिक कारण

- कंपनी द्वारा मुगल सत्ता को अधिकृत करना।
- लॉर्ड वेलेजली की सहायक संधि की नीति।
- लॉर्ड डलहौजी की हड़पनीति/ व्यपगत नीति/ गोद निषेध नीति।
- देशी राजाओं एवं शासकों को उपाधियों से वंचित करना।
- भूमि पतियों एवं जमीदारों की जमीनों को जब्त करना।

❖ आर्थिक कारण

- ब्रिटिश भू-राजस्व व्यवस्था।
- कृषकों एवं श्रमिकों की दयनीय स्थिति।
- उद्योग एवं शिल्प का पतन।
- अकाल एवं महामारी।
- भारतीयों पर करों का आधिकाधिक बोझ।
- कंपनी की कर मुक्त व्यापार प्रणाली।
- भारत से धन का निष्कासन।
- भारतीय धन, संपदा, खनिजों एवं संसाधनों का दोहन

❖ सामाजिक एवं धार्मिक कारण

- भारतीय रीति-रिवाजों एवं परम्पराओं में हस्तक्षेप।
- भारत में ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार।
- पश्चिमी/पाश्चात्य संस्कृति को प्रोत्साहन।
- भारत में आँग्लीकरण की नीति।
- भारतीयों से भेदभाव, रंगभेद की नीति।
- बांटो एवं राज करो की नीति।

❖ सैनिक कारण

- चर्बीयुक्त कारतूस की घटना तात्कालिक सैनिक कारण था
- सेना में भेदभाव, असमान वेतन, भारतीय प्रतीकों एवं परम्पराओं की अवहेलना।
- सैनिकों के विरुद्ध विभिन्न अधिनियम सामान्य सेना भर्ती अधिनियम डाकघर अधिनियम।
- भारतीयों को उच्च सैन्य पदों से वंचित रखना।

1857 की क्रान्ति के प्रमुख केन्द्र

केन्द्र	भारतीय नायक/ विद्रोही नेता	विद्रोह तिथि	विद्रोह का दमनकर्ता	दमन तिथि
दिल्ली	बहादुरशाह द्वितीय, (बख्त खाँ)	11 मई, 1857	निकलसन, हडसन	20 सितं. 1857
लखनऊ	बेगम हजरत महल, बिरजिस कादिर	30 मई, 1857	कॉलिन कैम्पबेल	मार्च 1858
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई	5 जून, 1857	जनरल ह्यूरोज	जून 1858
कानपुर	नाना साहब	5 जून, 1857	कॉलिन कैम्पबेल	6 दिसम्बर 1857
जगदीशपुर	कुँवर सिंह	12 जून, 1857	मेजर विलियम टेलर एवं विसेन्ट आयर	दिसम्बर 1858
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	जून, 1857	कैम्पबेल	5 जून 1858
बरेली	खान बहादुर खाँ	जून 1857	कर्नल नील	1858
इलाहाबाद (प्रयागराज)	लियाकत अली	जून, 1857	कर्नल नील	1858
फतेहपुर	अजीमुल्ला	1857	जनरल रेनार्ड	1858

- भारतीय स्वाधीनता संग्राम 1857 के सरकारी इतिहासकार सुरेन्द्र नाथ सेन (एस. एन. सेन) थे।

1857 के विद्रोह से संबंधित पुस्तकें एवं लेखक

पुस्तकें	लेखक
(1857) एटीन फिफ्टी सेवन	एस. एन. सेन
द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेन्डेन्स 1857	वी. डी. सावरकर
द ग्रेट रिबेलियन	अशोक मेहता
इण्डियन म्यूटिनी	ए. टी. एम्ब्री
अवध इन रिवोल्ट	रुद्रांशु मुखर्जी
सिपॉय म्युटिनी एण्ड द रिवोल्ट ऑफ 1857	आर. सी. मजूमदार
हिस्ट्री ऑफ इंडियन म्युटिनी	टी.आर. होम्स
रिबेलियन 1857	पी. सी. जोशी
सिविल रिबेलियन इन द इंडियन म्युटिनीज 1857-1859,थ्योरीज ऑफ द इंडियन म्युटिनी 1857-59	एस. बी. चौधरी (शशि भूषण चौधरी)
द सिपॉय म्युटिनी ऑफ 1857	एच. पी. चट्टोपाध्याय
द काजेज ऑफ द इंडियन रिवोल्टः 1857	सर सैय्यद अहमद खाँ

❖ 1857 के विद्रोह का स्वरूप

- अधिकांश ब्रिटिश/ विदेशी इतिहासकारों ने इसे सिपाही विद्रोह, समान्तवादी प्रतिक्रिया, हिन्दू मुस्लिम षड्यंत्र व धर्म युद्ध की संज्ञा दी। जबकि भारतीय इतिहासकारों ने इसे राष्ट्रीय आन्दोलन, स्वतंत्रता संग्राम, व महान क्रान्ति की संज्ञा दी

इतिहासकार/ विद्वान	कथन/मत
प्रो. विपिन चन्द्र	1857 का विद्रोह विदेशी शासन से राष्ट्र को मुक्त कराने का पूर्ण प्रयास था।
डा. एस.एन. सेन	राष्ट्रीयता के अभाव में स्वतंत्रता संग्राम था।
डा. ईश्वरी प्रसाद	1857 का विद्रोह स्वतंत्रता संग्राम था।
एस.बी. चौधरी	सैन्य और असैन्य असंतोष के एक साथ मिलने का परिणाम था।

free PDF & Notes - Click NOW

टी.आर. होम्स	यह सभ्यता एवं बर्बरता के मध्य संघर्ष था।
एल.ई.आर. रीज़	यह धर्माधों का ईसाईयों के विरुद्ध युद्ध था
जेम्स आउट्रम एवं डब्ल्यू टेलर	यह हिन्दू-मुस्लिम षड्यंत्र का परिणाम था।
बेंजामिन डिजरायली (ब्रिटिश सांसद तथा विपक्ष का नेता)	राष्ट्रीय उत्थान था
पी. राबर्टसन	1857 का विद्रोह केवल सैनिक विद्रोह था जिसका तात्कालिक कारण चर्बीयुक्त कारतूस था।
जवाहर लाल नेहरू	सन् 1857 का विद्रोह सामंती विद्रोह था
आर. सी. मजूमदार	यह तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम, न तो प्रथम, ना ही राष्ट्रीय और ना ही स्वतंत्रता संग्राम था।
विनायक दामोदर सावरकर	भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम था।
पूरन चन्द्र जोशी	यह विद्रोह राष्ट्रीय और सामान्य जनता तक फैला हुआ विप्लव था।
अशोक मेहता	1857 के विद्रोह का स्वरूप राष्ट्रीय था।
के. मालेशन, ट्रेवेलियन, सर जॉन लारेन्स, सीले, सर सैय्यद अहमद खाँ	यह पूर्णतया सिपाही विद्रोह था।

❖ 1857 के विद्रोह के परिणाम

- यद्यपि 1857 का विद्रोह विफल रहा लेकिन भारतीय राजनीति, प्रशासन, सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था, राष्ट्रीय संदर्भ में तात्कालिक एवं दूरगामी परिणाम सिद्ध हुए।
  - (i) कंपनी शासन का अंत
  - (ii) प्रशासनिक परिवर्तन
  - (iii) साम्राज्य विस्तार की नीति का परित्याग
  - (iv) सेना का पुनर्गठन (सेना का रेजीमेन्ट में विभाजन)
  - (v) लोक प्रशासन में भारतीयों का प्रवेश
  - (vi) भारतीय सामाजिक-धार्मिक मामलों में अहस्तक्षेप
  - (vii) साम्राज्ञी विक्टोरिया की घोषणा (ब्रिटिश क्राउन शासन की स्थापना)

❖ 1857 के विद्रोह की असफलता के कारण

- विद्रोह का सीमित स्वरूप
- व्यापक जन समर्थन का अभाव
- निश्चित उद्देश्य का अभाव
- भारतीयों का सीमित साधन एवं संचार व्यवस्था की कमी।
- देशी नरेशों एवं शासक वर्ग की गद्दारी
- विद्रोह के घटनाक्रम में विविधता
- कैनिंग की दूरदर्शिता
- अंग्रेजों का सैन्य संगठन एवं एकता।

❖ 1857 के विद्रोह के प्रमुख तथ्य

- अजीमुल्ला खाँ नाना साहब के सलाहकार थे।
- 1857 के विद्रोह के समय तोपखाना का मुख्यालय मेरठ में था।
- बहादुरशाह के मुकदमों के जज मेजर हैरियट ने उन्हें निर्वासन की सजा दी।
- 1857 के विद्रोह में दलित महिला झलकारी बाई ने सक्रिय रूप से भाग लिया था।
- बेगम हजरत महल 'महकपरी' के नाम से प्रसिद्ध थी।
- 1857 के विद्रोह के दमन हेतु गोरखा, सिख, पंजाबी (उत्तरी प्रान्त) सैनिकों ने ब्रिटिश सरकार की मदद की थी। आगे चलकर उन्हें सेना की भर्ती में प्रमुखता दी।
- तात्या टोपे का वास्तविक नाम रामचन्द्र पांडुरंग था।
- रानी लक्ष्मीबाई को बचपन में मणिकर्णिका/मनु/छबीली के नाम से जाना जाता था।
- रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु पर जनरल ह्यूरोज ने कहा— ''भारतीय क्रान्तिकारियों में यहाँ सोई हुई औरत अकेली मर्द है।''
- 1857 के विद्रोह के दौरान मुगल शासक बहादुर शाह द्वितीय ने जनरल बख्त खाँ को ''साहब-ए-आलम बहादुर'' का खिताब दिया था।
- 1857 के विद्रोह के बाद मेजर जनरल जोनाथन पील की अध्यक्षता में गठित पील कमीशन (रायल कमीशन) ने भारतीय सैनिकों की तुलना में यूरोपीय सैनिकों का अनुपात बढ़ाने का सुझाव दिया। जबकि रॉयल कमीशन ने ''बाँटो और राज करो'' तथा रेजीमेन्ट को जाति, समुदाय, धर्म के आधार पर विभाजन का सुझाव दिया।
- 1857 के विद्रोह को उर्दू शायर मिर्जा गालिब ने देखा था। गालिब का जन्म आगरा में तथा मृत्यु दिल्ली में हुई थी।
- 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ग्वालियर के सिंधिया ने अंग्रेजों की सर्वाधिक सहायता की।
- लखनऊ में 1857 के विद्रोह में हेनरी लारेंस, मेजर जनरल हैवलाक तथा जनरल नील ने अपना जीवन खोया था।
- विद्रोह के समय अवध का चीफ कमिश्नर हेनरी लॉरेंस था।
- पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र नाना साहब (धोंदू पंत) ने कानपुर में विद्रोह की शुरूआत की।
- कानपुर में वेश्या (नगरबधू) अजीजन ने विद्रोहियों की सहायता की थी।
- 20 सितम्बर, 1857 को मुगल शासक बहादुरशाह ने हुँमायूँ के मकबरे में अंग्रेज लेफ्टिनेंट डब्ल्यु, एस. आर. हडसन के समक्ष समर्पण किया था।
- जनरल हडसन ने बहादुर शाह के दो बेटों मिर्जा मुगल तथा मिर्जा ख्वाजा सुल्तान और पोते मिर्जा अबू बक्र की दिल्ली के लाल किले के सामने गोली मार कर हत्या कर दी। दिल्ली पर अधिकार के क्रम में जॉन निकलसन घायल हुआ जिसकी बाद में मृत्यु हो गई।
- शायर जहीर देहलवी ने 1857 के विद्रोह से संबंधित ''दास्तान-ए-गदर'' नामक पुस्तक लिखी थी।
- विद्रोह के समय कुँवर सिंह को ''बिहार का सिंह'' कहा गया।
- कुँवर सिंह ने अंग्रेजों के विरुद्ध अपनी अंतिम लड़ाई 23 अप्रैल, 1858 को लड़ी।
- मौलवी अहमदुल्ला ने अंग्रेजों के विरूद्ध 'जेहाद' का नारा दिया था।
- फैजाबाद से विद्रोह कर रहे मौलवी अहमदुल्ला को पकड़ने के लिए अंग्रेजों ने 50 हजार रु. का ईनाम रखा था।
- अंग्रेजों ने सिख, गोरखा एवं पठान सैनिकों को लड़ाकू जातियाँ घोषित किया।
- महारानी विक्टोरिया ने भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के अधीन लेने की घोषणा 1 नवम्बर, 1858 को की थी।
- भारतीय भाषा में 1857 के विप्लव के कारणों पर लिखने वाला प्रथम भारतीय सैय्यद अहमद खाँ थे।

free PDF & Notes - Click NOW

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन

❖ हिन्दू सुधार आन्दोलन

▪ राजा राममोहन राय एवं ब्रह्म समाज

परिचय- राजा राममोहन राय- (22 मई 1772-27 सितम्बर 1833)

जन्म स्थान– राधानगर, हुगली (बंगाल)

उपाधि– राजा (मुगल शासक अकबर द्वितीय द्वारा), युगदूत (सुभाष चन्द्र बोस द्वारा), संवैधानिक आंदोलन के जनक (सुरेन्द्र नाथ बनर्जी द्वारा), भारतीय नवजागरण के अग्रदूत/जनक, आधुनिक भारत के पिता, भारतीय राष्ट्रवाद के जनक, नवप्रभात का तारा, अतीत एवं भविष्य के मध्य सेतु, भारतीय जागृति के जनक, नये भारत का मसीहा, प्रथम आधुनिक पुरुष एवं युग पुरुष आदि का सम्मान प्राप्त हुआ।

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-III)

ज्ञात भाषाएं – अरबी, फारसी, संस्कृत— प्राच्य भाषा एवं जर्मन, अंग्रेजी, फ्रांसीसी, लैटिन, यूनानी, पाश्चात्य भाषा

प्रकाशित समाचार पत्र-पत्रिकाएं – संवाद कौमुदी (बांग्ला), मिरात-उल-अखबार (अंग्रेजी, फारसी) 1822 ई. में, ब्रह्मानिकल मैंगजीन

प्रमुख पुस्तकें/रचनाएं – तुहफात-उल-मुवाहिदीन (एकेश्वरवादियों का उपहार) 1809 ई. में फारसी भाषा में प्रकाशित

प्रीसेप्टस ऑफ जीसस (जीसस का उपदेश/प्रवचन) 1820 ई. में प्रकाशित

हिन्दू उत्तराधिकार का नियम, 1822 ई. में प्रकाशित

स्थापित संस्थाएं –

- वेदांत सोसायटी-1816 ई. कलकत्ता में
- आत्मीय सभा (1814-15) कलकत्ता
- हिन्दू कॉलेज (1817 ई.) कलकत्ता (डेविड हेअर की अग्रणी भूमिका)
- वेदांत कालेज (1825 ई.) कलकत्ता
- ब्रह्म समाज (1828 ई.) कलकत्ता

सुधारात्मक कार्य

सामाजिक-धार्मिक समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया। एकेश्वरवाद, वेदान्त का सत्य दर्शन, शिक्षा, समानता और आधुनिकता पर बल। सती प्रथा को प्रतिबंधित कराने में अग्रणी भूमिका निभाई।

- राजा राममोहन राय को अंग्रेज जॉन डिग्बी ने अपना दीवान नियुक्त किया था।
- राजा राममोहन राय के विचारों से प्रभावित होकर देवेन्द्रनाथ टैगोर ने 1843 ई. में ब्रह्म समाज की सदस्यता ग्रहण की। इससे पूर्व टैगोर ने 1839 ई. में तत्वबोधिनी सभा का गठन किया था।
- 1865 ई. में वैचारिक मतभेद के कारण ब्रह्म समाज दो गुटों में विभाजित हो गया, देवेन्द्रनाथ का गुट- आदि ब्रह्म समाज तथा केशवचन्द्र का गुट भारतीय ब्रह्म समाज कहलाया।
- मुगल बादशाह अकबर द्वितीय ने राममोहन राय को 'राजा' की उपाधि (1830 ई.) देकर अपनी पेंशन बढ़ाने हेतु ब्रिटिश सम्राट विलियम चतुर्थ के दरबार में भेजा था।
- इग्लैण्ड के ब्रिस्टल शहर में 27 सितम्बर 1833 ई. को राजा राममोहन राय की मृत्यु हुई। ब्रिस्टल में ही उनकी समाधि स्थापित है।

स्वामी दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज

जन्म – 12 फरवरी, 1824 ई. में

जन्म स्थान – टंकारा, गुजरात

बचपन का नाम – मूलशंकर

गुरू – विरजानंद

स्थापित संस्था – आर्य समाज, 1875 ई., बम्बई

नारा- वेदों की और लौटो, भारत भारतीयों के लिए स्वराज्य शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग

तुलना – भारत का ''मर्टिनलूथर''

सुधारात्मक कार्य

वेदों का पुनरुत्थान, वैदिक धर्म की पुनः स्थापना, सामाजिक-धार्मिक कुरीतियों का प्रबल विरोध।

हंसराज और लाला लाजपत के सहयोग से पाश्चात्य शिक्षा पर आधारित ''दयानंद ऐग्लों ओरिएंटल कालेज'' की स्थापना लाहौर में की गयी।

आन्दोलन

शुद्धि आन्दोलन (पुनः हिन्दू धर्म में प्रवेश), गौ रक्षा आन्दोलन। दण्डी स्वामी पूर्णानंद ने ही मूलशंकर का नाम ''स्वामी दयानंद सरस्वती'' रखा।

प्रमुख पुस्तकें/रचनाऐं

सत्यार्थ प्रकाश (संस्कृत में) 1874 ई. में, पाखण्ड खण्डन (1866 ई.), अद्वैत मत का खण्डन (1873 ई.), पंचमहायज्ञ विधि (1875 ई.), वेदभाष्य की भूमिका (1876 ई.), ऋग्वेद भाष्य (1877 ई.)

सत्यार्थ प्रकाश को आर्य समाज का बाइबिल कहा जाता है।

आर्य समाज में सर्वप्रथम हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया गया, सत्यार्थ प्रकाश में स्वामी जी ने लिखा है कि- ''बुरे से बुरा देशी राज्य अच्छे से अच्छा विदेशी राज्य से बेहतर है अर्थात स्वदेशी राज्य सर्वोपरि होता है। स्वामी दयानंद पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने हिन्दी को राष्ट्रभाषा स्वीकार किया तथा 'स्वराज' शब्द का प्रयोग किया।

स्वामी विवेकानंद एवं रामकृष्ण मिशन

स्वामी विवेकानंद –

जन्म – 12 जनवरी, 1863

जन्मस्थल – कोलकाता

बचपन का नाम – नरेन्द्रनाथ दत्त

पिता – विश्वानाथ दत्त

माता – भुवनेश्वरी देवी

गुरू – रामकृष्ण परमहंस

संस्थापित संस्था – रामकृष्ण मिशन 1897, बेल्लूर में (कलकत्ता)

- खेतड़ी के राजा के सुझाव पर नरेन्द्रनाथ दत्त का नाम बदलकर स्वामी विवेकानंद रखा गया।
- 11 सितम्बर, 1893 को शिकागो (अमेरिका) में आयोजित विश्व धर्म संसद में विवेकानंद ने भाग लिया।
- प्रसिद्ध विद्वान रोम्याँ रोला ने विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद के सम्बोधन को ''ज्वाला की दहक'' की संज्ञा दी तथा स्वामी जी को ''हिन्दू नेपोलियन'' की उपाधि से सम्बोधित किया।

free PDF & Notes - Click NOW

- पश्चिम के व्यक्तियों ने स्वामी जी से प्रभावित होकर उन्हें ''तूफानी भ्रमण करने वाला साधू'' कहा।
- फरवरी 1896 में स्वामी विवेकानंद ने भारतीय धर्म एवं दर्शन के प्रचार के लिए न्यूयार्क में ''वेदान्त सोसायटी'' की स्थापना की।
- युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद का संदेश था– उठो जागो और चलो, तब तक चलो जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना कर लो।
- सुभाष चन्द्र बोस ने विवेकानंद को ''आधुनिक राष्ट्रीय आंदोलन का आध्यात्मिक पिता'' कहा।
- विवेकानंद को आधुनिक नव हिन्दू जागरण का संस्थापक कहा जाता है।
- आयरिश महिला माग्रेट नोबल (सिस्टर निवेदिता) ने स्वामी जी के उपदेशों के प्रचार-प्रसार हेतु ''द वे ऑफ इंडिया लाइफ'' नामक पुस्तक की रचना की।
- सिस्टर निवेदिता ने स्वामी जी को ''योद्धा सन्यासी'' कहा।
- स्वामी विवेकानंद ने कर्मयोग, ज्ञानयोग, राजयोग नामक पुस्तिकाएँ लिखी।
- स्वामी जी के भाषणों का समूह- ''लेक्चर्स फ्रॉम कोलम्बो टू अल्मोड़ा'' नामक पुस्तक है।
- कन्याकुमारी का रॉक मेमोरियल स्वामी विवेकानंद को समर्पित है।

❖ ऐनी बेसेन्ट और थियोसॉफिकल सोसायटी

- थियोसॉफिकल सोसायटी की स्थापना 1875 ई. में मैडम एच.पी. ब्लावेट्स्की और एम.एस. आलकाट द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूर्याक शहर में की गयी।
- 1882 ई. में मद्रास के समीप अड्यार में थियोसॉफिकल सोसायटी का अन्तर्राष्ट्रीय कार्यालय स्थापित किया गया।
- आयरिश महिला श्रीमती एनी बेसेन्ट 1893 ई. में थियोसॉफिकल सोसायटी के प्रचार-प्रसार हेतु भारत आयी।
- 1907 ई. में अलकाट के मृत्योपरान्त ऐनी बेसेन्ट थियोसॉफिकल सोसायटी की अध्यक्षा बनीं।
- ऐनी बेसेन्ट ने बनारस में 1898 ई. में सेन्ट्रल हिन्दू कालेज की स्थापना की। जो 1916 ई. में पं. मदन मोहन मालवीय के प्रयासों से बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में परिणित हो गया।
- आयरलैण्ड की होमरूल की तर्ज पर बेसेन्ट ने भारत में होमरूल लीग की स्थापना मद्रास में सितम्बर 1916 ई. की।
- भारत के महिलाओं की उन्नति के लिए 1917 में ऐनी बेसेन्ट ने मद्रास में 'भारतीय महिला संघ' की स्थापना की।

हिन्दू सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन संगठन

संगठन	वर्ष	संस्थापक	स्थान
एशियाटिक सोसायटी	1784	विलियम जोन्स	कलकत्ता (बंगाल)
आत्मीय सभा	1815	राजा राममोहन राय	कलकत्ता (बंगाल)
युवा बंगाल आन्दोलन	1826	हेनरी लुई विवियन डेरोजियो	कलकत्ता (बंगाल)
ब्रह्म समाज	1828	राजा राममोहन राय	कलकत्ता (बंगाल)
धर्म सभा	1830	राधाकांत देव	कलकत्ता (बंगाल)
तत्वबोधिनी सभा	1839	देवेन्द्रनाथ टैगोर	कलकत्ता (बंगाल)
परमहंस मण्डली	1840	गोपाल हरिदेशमुख	बम्बई
रहनुमाई माजदायसन सभा	1851	दादाभाई नौरोजी	बम्बई
राधास्वामी सत्संग	1861	शिव दयाल साहब	आगरा
प्रार्थना समाज	1867	डा. आत्माराम पांडुरंग, एम. जी. रनाडे	बम्बई
आर्य समाज	1875	स्वामी दयानंद सरस्वती	बम्बई
थियोसोफिकल सोसायटी	1875	मैडम एच.पी. ब्लावेटस्की, कर्नल एच. एस. अल्काट	न्यूयार्क
साधारण ब्रह्म समाज	1878	आनंद मोहन बोस	कलकत्ता
दक्कन एजुकेशनल सोसायटी	1884	जी.जी. आगरकर	पूना
इंडियन नेशनल सोशल कांफ्रेंस	1887	महादेव गोविन्द रनाडे	बम्बई
देव समाज	1887	शिवनारायण अग्निहोत्री	लाहौर
रामकृष्ण मिशन	1897	स्वामी विवेकानंद	बेल्लूर
सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी	1905	गोपाल कृष्ण गोखले	बम्बई
पूना सेवा सदन	1909	श्रीमती रमाबाई रनाडे	पूना
सोशल सर्विस लीग	1911	एन.एम. जोशी	बम्बई
सेवा समिति	1914	एच.एन. कुंजरू	इलाहाबाद (प्रयागराज)
सेवा समिति ब्वॉय स्काउट एसोसिएशन	1914	श्रीराम बाजपेयी	बम्बई
हिन्दू महासभा	1915	मदनमोहन मालवीय	हरिद्वार
वीमेन्स इंडियन एसोसिएशन	1917	लेडी सदाशिव अय्यर	मद्रास
विश्व भारती	1921	रवीन्द्रनाथ टैगोर	कलकत्ता

निम्नजातीय आन्दोलन एवं संगठन

आन्दोलन/संगठन	वर्ष	संस्थापक	स्थान
सत्यशोधक समाज	1873	ज्योतिबा फुले	महाराष्ट्र
अरब्बीपुरम् आंदोलन	1888	श्रीनारायण गुरू	अरब्बीपुरम् (केरल)
श्री नारायण धर्म परिपालन योगम	1903	श्रीनारायण, पद्मनाभन पल्पू एवं कुमार आशान	केरल
डिप्रेस्ड क्लास मिशन सोसायटी	1906	वी. आर. शिंदे	बम्बई
बहुजन समाज	1910	मुकुंदराव पाटिल	सतारा (महाराष्ट्र)
जस्टिस पार्टी	1915-16	सी. एन. मुदालियर, टी. एम. नायर एवं पी. त्यागराज चेट्टी	मद्रास